आज का मौसम
22.0° अधिकतम तापमान
10.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.51
सूर्यास्त 05.16

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| बरेली |

www.amritvichar.com
2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

पौष कृष्ण पक्ष तृतीया 06:25 उपरांत चतुर्थी विक्रम संवत 2082
रविवार, 7 दिसंबर 2025, वर्ष 7, अंक 13, पृष्ठ 14+4 ■ मूल्य 6 रुपये

■ बाबरी मस्जिद की नींव रखे जाने पर भाजपा और तृणमूल में वाकयुद्ध - 11

■ केंद्रीय वित्त मंत्री बोली- सीमा शुल्क को सरल बनाना होगा अगला बड़ा सुधार - 12

■ जयशंकर बोले भारत-रूस संबंध वैश्विक स्तर पर लंबे समय से सबसे स्थिर - 13

■ शुभमन गिल को पहले टी-20 मैच में खेलने के लिए मिली हरी झंडी - 14

हिसाब बराबर

भारतीय टीम ने तीसरे और निर्णायक वनडे में दक्षिण अफ्रीका को नौ विकेट से हराकर सीरीज 2–1 से जीत ली। इसी के साथ टेस्ट श्रृंखला में मिली हार का बदला ले लिया। विशाखापटनम में शनिवार को कुलदीप यादव और प्रसिद्ध कृष्णा ने 4–4 विकेट लेकर दक्षिण अफ्रीका को 270 पर समेट दिया। इसके बाद रोहित शर्मा (75) के साथ लक्ष्य का पीछा करते हुए प्लेयर ऑफ द मैच यशस्वी जायसवाल (नाबाद 116) ने शतकीय पारी खेली। विराट कोहली (65) को बेहतरीन प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया। (विस्तृत खेल पेज पर)

बाउंड्रीवाल से सुरक्षित होंगी बाबा साहेब की प्रतिमाएं

- महापरिनिर्वाण दिवस पर मुख्यमंत्री ने की घोषणा, विरोधी दलों पर निशाना साधा
- संविदा व चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को मिलेगी न्यूनतम मानदेय की गारंटी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को दो महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में जहां भी बाबा साहेब की प्रतिमाएं स्थापित हैं, वहां बाउंड्रीवाल और प्रतिमाओं पर सुरक्षा के लिए छत्र लगाए जाएंगे। इसके साथ ही उन्होंने घोषणा की कि चतुर्थ श्रेणी, संविदा और सफाई कर्मचारियों को न्यूनतम मानदेय देने की गारंटी सरकार अगले एक-दो महीने के भीतर उपलब्ध करा देगी।

आंबेडकर महासभा ट्रस्ट के कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी ने कुछ शरारती तत्वों द्वारा प्रतिमाओं को क्षति पहुंचाने की घटनाओं से नाराजगी जताते हुए कहा कि बाबा साहेब की प्रतिमाओं पर छत्र और उनके चारों ओर मजबूत बाउंड्रीवाल बनाकर स्थायी सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। आयोजक आंबेडकर महासभा के अध्यक्ष विधान परिषद सदस्य डॉ. लालजी प्रसाद निर्मल की मांग का जिक्र करते हुए योगी ने कहा कि सरकार ने आउटसोर्स सेवा निगम का गठन कर दिया है और अब चतुर्थ श्रेणी, संविदा व सफाई कर्मचारियों को न्यूनतम मानदेय देना सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जीरो पॉवर्टी मिशन ते कहत अनुसूचित जाति-जनजाति और अतिपिछड़े गरीबों की पहचान लगभग पूरी हो चुकी है। जिनके पास अभी आवास या आयुष्मान कार्ड नहीं है, उन्हें घर और पांच लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा कवर उपलब्ध कराया जाएगा। योगी ने कहा कि बाबा साहेब ने सामाजिक विषमताओं को तोड़कर वंचितों, दलितों और अति पिछड़ों को सम्मानजनक जीवन का मार्ग दिखाया।

आज पीएम मोदी के नेतृत्व में चल रही जनकल्याणकारी योजनाएं—राशन, आवास, शौचालय, छात्रवृत्ति, पेंशन, आयुष्मान कार्ड संविधान की भावना में निहित न्याय, समता और बंधुता की ही परिणति हैं। उन्होंने कहा कि हर मलिन बस्ती, दलित और जनजाति क्षेत्र को सड़क कनेक्टिविटी से जोड़ा जा रहा है और जहां भी कमी है, उसे पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जो भी संपन्नता आज दिखाई देती है, वह बाबा साहेब की प्रेरणा और मोदी सरकार की प्रतिबद्धता से संभव हो रही है।

सभा में उपस्थित लोगों को संबोधित करते मुख्यमंत्री योगी।

तुष्टिकरण करने वाले दल कर रहे देश का अहित

मुख्यमंत्री योगी ने मंच से विपक्षी दलों पर भी तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि तुष्टिकरण की नीति पर चलने वाले दल भारत का अहित कर रहे हैं और बाबा साहेब के आदर्शों का भी अपमान कर रहे हैं। उन्होंने ने एक ऐतिहासिक प्रसंग का हवाला देते हुए कहा कि बाबा साहेब ने स्वयं चेताया था कि जो लोग भारत भूमि को पवित्र नहीं मानते, उनके विचार देशहित में नहीं हो सकते।

इस बार के रविवारीय संस्करण 'लोक दर्पण' में, मानवाधिकार समानता की ओर एक कदम व अन्य विषयों पर विशेष सामग्री दी जा रही है।

☞ www.amritvichar.com

प्रिय पाठकों, लोक दर्पण आज अंदर देखें। –संपादक

ब्रीफ न्यूज

जुबिन मौत मामले की जांच पूरी, 12 को दाखिल होगा आरोप पत्र

गुवाहाटी। गायक जुबिन गर्ग की मौत की जांच लगभग पूरी हो गई है और 12 दिसंबर को आरोप पत्र दाखिल किया जाएगा। जुबिन गर्ग की 19 सितंबर को सिंगापुर में समुद्र में तैरते समय संदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु हो गई थी। सीआईडी के विशेष पुलिस महानिदेशक मुन्ना प्रसाद गुप्ता ने बताया कि जांच लगभग पूरी हो चुकी है। आरोप पत्र में विस्तृत जानकारी दी जाएगी।'' जुबिन मौत मामले की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) का नेतृत्व कर रहे गुप्ता ने कहा कि अब तक सात गिरफ्तारियां की गई हैं और 300 से अधिक गवाहों से पूछताछ की गई है।

बीरभूम में हिंसा भड़की टीएमसी नेता की हत्या

कोलकाता। बीरभूम जिले के नानूर के थुपसुरा में टीएमसी के बूथ अध्यक्ष रासबिहारी सरदार (50) की विरोधी गुट ने हत्या कर दी गई। इस हमले में उनके बेटे समेत पांच अन्य लोग घायल हो गए। रिपोर्टों के मुताबिक यह घटना तब हुई जब हमलावर और पीड़ित एक गांव के मंदिर में बैठकर समुदाय से जुड़ी समस्याओं पर बात कर रहे थे।

सरकार सख्त : अधिकतम किराया 18 हजार तय, इंडिगो को नोटिस जारी

800 से अधिक उड़ानें और रद्द, नियामक ने 24 घंटे के भीतर जवाब मांगा

- आज रात 8 बजे तक रिफंड करने के आदेश, यात्रियों का सामान 48 घंटों के भीतर दिया जाएगा
- नागरिक उड्डयन मंत्रालय के भी जांच समिति के निष्कर्षों के आधार पर कार्रवाई के संकेत

मुंबई/नई दिल्ली, एजेंसियां

घरेलू एयरलाइन इंडिगो ने अपने मौजूदा संकट के पांचवें दिन शनिवार को 800 से अधिक उड़ानें रद्द कर दीं। इस बीच सरकार ने हवाई किरायों की अधिकतम सीमा तय कर दी है और एयरलाइन को रविवार शाम तक सभी रिफंड प्रक्रिया को पूरा करने का आदेश दिया है। सरकार ने अधिकतम किराया 18 हजार रुपये तय किया है।

नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स को फ्लाइट देरी, रद्द होने और ऑपरेशनल चूक पर कारण बताओ नोटिस जारी किया है। नियामक ने 24 घंटे के भीतर जवाब मांगा है, वरना दंडात्मक कार्रवाई की चेतावनी दी है। मंत्रालय ने भी जांच समिति के निष्कर्षों के आधार पर कार्रवाई के संकेत दिए हैं। वरिष्ठ सरकारी अधिकारी के अनुसार लगातार पांचवें दिन उड़ानों में व्यवधान जारी रहने के बीच नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू ने नागरिक उड्डयन मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स के साथ स्थिति की समीक्षा करने और मुद्दों का समाधान करने के लिए एक अहम बैठक की। नागर विमानन मंत्रालय की वेबसाइट के अनुसार शुक्रवार को छह महानगरों के हवाईअड्डों से इंडिगो की समय पर उड़ान संचालन दर घटकर 3.7 प्रतिशत रह गई। मंत्रालय ने शनिवार को एयरलाइन को निर्देश दिया कि रद्द उड़ानों के टिकटों का रिफंड रविवार शाम तक करे और यात्रियों के सामान अगले दो दिनों के भीतर उनके पास पहुंचाए जाएं। एयरलाइन ने शुक्रवार को 1,000 से अधिक उड़ानें रद्द की थीं। नागर विमानन मंत्रालय ने कहा कि रद्द या बाधित उड़ानों के रिफंड की प्रक्रिया रविवार रात आठ बजे तक पूरी हो जानी चाहिए। मंत्रालय ने कहा कि एयरलाइनों को यह भी निर्देश दिया गया है कि रद्दीकरण से प्रभावित यात्रियों से किसी भी प्रकार का शुल्क नहीं वसूला जाएगा। इंडिगो को एक विशेष यात्री सहायता और रिफंड सुविधा प्रकोष्ठ स्थापित करने के लिए भी कहा गया है। मंत्रालय ने कहा कि उड़ान रद्द होने या देरी के कारण यात्रियों से अलग हुए उनके सभी सामान 48 घंटों के भीतर खोजकर यात्रियों को भेजे जाने चाहिए। इंडिगो ने कहा कि शनिवार को रद्द की गई उड़ानों की संख्या 850 से कम रही।

किराए पर सीमा लगाने के दो पेज के आदेश में मंत्रालय ने कहा कि इंडिगो के उड़ान संचालन में व्यवधान के कारण उड़ानें रद्द हो रही हैं, जिससे क्षमता में कमी और कई मार्गों पर किराए में अनुचित बढ़ोतरी हुई है। मंत्रालय ने कहा कि लागू शुल्कों को छोड़कर यह किराया सीमा बिजनेस क्लास और उड़ान योजना के तहत आने वाली उड़ानों पर लागू नहीं होगी।

इंडिगो संकट

इंडिगो की उड़ान में व्यवधान के कारण मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर फंसे यात्री।

तीन दिन में 89 विशेष ट्रेन सेवाएं

नई दिल्ली। रेलवे ने निजी विमानन कंपनी इंडिगो की उड़ानों रद्द होने के कारण देशभर में फंसे यात्रियों की सहूलियत के लिए अगले तीन दिन तक 89 विशेष ट्रेन सेवा चलाने का फैसला किया है। रेलवे ने शनिवार को बताया कि दिल्ली, मुंबई, हावड़ा, हैदराबाद और पुणे जैसे बड़े शहरों में फंसे यात्रियों की सुविधा के लिए यह कदम उठाया गया है। रेलवे के अनुसार मध्य रेलवे यात्रियों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए 14 स्पेशल ट्रेन सेवाएं चलाएगा।

500 किलोमीटर तक की उड़ान के लिए 7500 रुपये निर्धारित

नई सीमा के अनुसार 500 किलोमीटर तक की उड़ान के लिए किराया 7,500 रुपये तक सीमित होगा। इसके बाद 500 से 1,000 किलोमीटर तक की यात्रा के लिए टिकट की अधिकतम कीमत 12,000 रुपये होगी। इसके आगे 1,000 से 1,500 किलोमीटर के लिए अधिकतम किराया 15,000 रुपये होगा और 1,500 किलोमीटर से अधिक दूरी वाली उड़ानों के लिए सीमा 18,000 रुपये होगी। मंत्रालय ने कहा कि ये सीमाएं स्थिति सामान्य होने तक लागू रहेंगी। इन सीमाओं में उपयोगकर्ता विकास शुल्क, यात्री सेवा शुल्क और हवाई टिकटों पर लगने वाले कर शामिल नहीं हैं। मंत्रालय ने बयान में कहा कि वह किराए के स्तरों की निगरानी जारी रखेगा। किसी भी प्रकार का उल्लंघन होने पर सार्वजनिक हित में तुरंत सुधारात्मक कार्रवाई की जाएगी। बयान में कहा गया, ये किराया सीमाएं सभी तरह की बुकिंग पर लागू होंगी।

गोवा नाइट क्लब में सिलेंडर ब्लास्ट, 23 जिंदा जले

- धमाके के बाद आग लगी, मरने वालों में सभी क्लब के कर्मचारी

पंजी (गोवा), एजेंसी

उत्तरी गोवा में स्थित अर्पोरा गांव के नाइटक्लब बिर्च बाय रोमियो लेन में आधी रात के बाद हुई सिलिंडर विस्फोट से भीषण आग लग गई, जिसमें 23 कर्मचारियों की मौत हो गई। गोवा पुलिस प्रमुख अलोक कुमार ने बताया कि आग सिलेंडर ब्लास्ट के कारण लगी। डीजीपी ने बताया कि अब तक 23 शव बरामद किए गए हैं और मृतक सभी क्लब के कर्मचारी थे।

प्रारंभिक जांच और पुलिस अधिकारी के बयानों के अनुसार, यह भीषण आग क्लब के रसोई क्षेत्र में हुए एक बड़े सिलेंडर विस्फोट के कारण लगी। विस्फोट के बाद आग तेजी से क्लब के अन्य हिस्सों में फैल गई, जिससे कर्मचारियों को बाहर निकलने का मौका नहीं मिला। अधिकांश शव रसोई और आसपास के क्षेत्रों से ही बरामद किए गए हैं।

आग लगने की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। पुलिस ने इलाके को सील कर दिया है और बचाव अभियान अभी भी जारी है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और उनकी शिनाख्त की प्रक्रिया चल रही है।

घटना के समय पर्यटक भी क्लब में मौजूद थे। घटना की जानकारी मिलते ही गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत और स्थानीय विधायक माइकल लोबो घटनास्थल पर पहुंचे। लोबो ने बताया कि इस हादसे में किसी भी पर्यटक के हताहत होने की सूचना अभी तक नहीं मिली है। दूसरी ओर अधिकारियों ने आग पर काबू पाने और आगे जांच के लिए राहत एवं बचाव कार्य तुरंत शुरू कर दिया है।

मुर्शिदाबाद में निलंबित विधायक ने रखी बाबरी मस्जिद की नींव

- कबीर ने मंच से कई बार कहा - प्रस्तावित ढांचा किसी भी कीमत पर बनकर रहेगा

बहरमपुर, एजेंसी

टीएमसी के निलंबित विधायक हुमायूं कबीर ने शनिवार को कड़ी सुरक्षा के बीच पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के रेजीनगर में अयोध्या की बाबरी मस्जिद के मॉडल पर आधारित एक मस्जिद की नींव रखी। आरएएफ और केंद्रीय बलों की भारी तैनाती के बीच, कबीर ने मौलवियों के साथ, रेजिनगर में एक विशाल मंच पर औपचारिक फीता काटा, जबकि वास्तविक मस्जिद निर्माण स्थल आयोजन स्थल से लगभग एक किलोमीटर दूर था। वहां मौजूद लोगों में से कई प्रतीकात्मक रूप से अपने सिर पर ईंट लिए हुए थे। यह कार्यक्रम छह दिसंबर को निर्धारित किया गया था, जिस दिन 1992 में उत्तर प्रदेश के अयोध्या में बाबरी मस्जिद ढहा दी गई थी।

आयोजन के तिथि चयन को लेकर तीखी राजनीतिक प्रतिक्रिया भी आई। न केवल रेजिनगर में, बल्कि निकटवर्ती बेलडांगा क्षेत्र में भी सुरक्षा कड़ी कर दी गई, जिसे प्रशासन ने भीड़ बढ़ने और तनाव बढ़ने की आशंका के मद्देनजर प्रभावी रूप से उच्च सुरक्षा वाले क्षेत्र में तब्दील कर दिया था। कबीर को तृणमूल कांग्रेस ने सांप्रदायिक राजनीति में शामिल होने के आरोप में इस हफ्ते की शुरुआत में निलंबित कर दिया था। कबीर ने कार्यक्रम के मंच से कई बार कहा कि प्रस्तावित ढांचा किसी भी कीमत पर बनकर रहेगा।

अपने ही संस्थान में सीनियर रेजिडेंट होंगे नीट पीजी अभ्यर्थी

- पीजी पूरी करते ही सीनियर रेजिडेंट पदों पर होगी तैनाती

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : राजकीय मेडिकल कॉलेजों से परास्नातक कर रहे नीट पीजी 2022 (एमडी-एमएस) तथा नीट पीजी 2023 (डिप्लोमा) अभ्यर्थियों के लिए चिकित्सा शिक्षा विभाग ने महत्वपूर्ण आदेश जारी किया है। ऐसे अभ्यर्थियों को फिलहाल अपने-अपने संस्थान में ही बतौर सीनियर रेजिडेंट सेवाएं देनी होंगी।

चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक कार्यालय के अपर निदेशक आलोक कुमार ने बताया कि यह व्यवस्था 29 जनवरी से प्रस्तावित नीट पीजी-2025 की ऑनलाइन काउंसिलिंग के माध्यम से होने वाली नियुक्ति तक प्रभावी रहेगी। इस अवधि के दौरान दी गई सेवा को दो वर्ष की अनिवार्य सेवा बांड में शामिल किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिन पीजी अभ्यर्थियों का अंतिम वर्ष का परिणाम घोषित हो चुका है और वे उत्तीर्ण हैं। उन्हें रोगीहित व छात्रहित में तुरंत प्रभाव से अपने संस्थान में वैकल्पिक व्यवस्था के तहत सीनियर रेजिडेंट के रूप में नियुक्त किया जाएगा।

साथ ही स्पष्ट किया कि यह नियुक्ति अस्थायी होगी और सभी पात्र अभ्यर्थियों का चिकित्सा शिक्षा महानिदेशालय द्वारा आयोजित काउंसिलिंग में सम्मिलित होना अनिवार्य है। अभ्यर्थियों द्वारा इस अवधि में दी गई सेवाओं को अनिवार्य सरकारी सेवा बांड में जोड़ा जाएगा, जिससे मेडिकल कॉलेजों में मानव संसाधन की उपलब्धता में भी मदद मिलेगी।

विकास

प्रधानमंत्री ने कहा कि आर्थिक वृद्धि को उसके धर्म से जोड़ना क्या अनजाने में हो सकता है? यह उपनिवेशी मानसिकता का ही प्रतीक था

...तब हिंदू रेट ऑफ ग्रोथ कहने वाले अब खामोश क्यों : मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि के आंकड़े उन बुनियादी परिवर्तनों का प्रतिनिधित्व करते हैं जो देश में पिछले 10 साल में हुए हैं, और यह दर्शाता है कि भारत दुनिया की आर्थिक वृद्धि का एक मजबूत इंजन बन गया है।

मोदी ने एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुछ दिन पहले जारी दूसरी तिमाही के जीडीपी के आंकड़ों का उल्लेख किया जिनमें 8.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि ये आंकड़े प्रगति की नयी गति को दर्शाते हैं। ये आंकड़े ऐसे समय में आये हैं जब वैश्विक वृद्धि दर लगभग तीन प्रतिशत और जी-7 देशों की वृद्धि औसत डेढ़ प्रतिशत के आसपास है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत उच्च वृद्धि और कम मुद्रास्फीति का मॉडल बनकर उभरा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इतनी तेज वृद्धि के बावजूद आज कोई इसे हिंदू रेट ऑफ ग्रोथ नहीं कहता। यह शब्द तब इस्तेमाल होता था, जब भारत दो-तीन प्रतिशत की वृद्धि के लिए संघर्ष करता था। प्रधानमंत्री ने कहा कि किसी देश की आर्थिक वृद्धि को उसके धर्म या लोगों की पहचान से जोड़ना क्या अनजाने में हो सकता है? यह उपनिवेशी मानसिकता का ही प्रतीक था। इसमें पूरे समाज और परंपरा को अकर्मण्यता और गरीबी से जोड़ने की कोशिश की गयी। उपनिवेश काल में भी भारत हथियारों का बड़ा उत्पादक था, ऑर्डिनेंस फैक्ट्रियों का विस्तृत नेटवर्क था, और भारत हथियारों का निर्यात करता था। लेकिन स्वतंत्रता के बाद रक्षा निर्माण प्रणाली ध्वस्त कर दी गयी। उपनिवेशी मानसिकता के कारण सरकार ने भारत में बने हथियारों को महत्व नहीं दिया, और भारत दुनिया के सबसे बड़े रक्षा आयातकों में शामिल हो गया। उन्होंने कहा कि भारत सदियों तक जहाज निर्माण का प्रमुख केंद्र रहा था। पहले भारत के 40 प्रतिशत व्यापार का परिवहन भारतीय जहाजों से होता था। लेकिन विदेशी जहाजों को प्राथमिकता दी गयी, और परिणामस्वरूप आज भारत अपने 95 प्रतिशत व्यापार के लिए विदेशी जहाजों पर निर्भर है - जिसके कारण हर वर्ष लगभग 75 अरब डॉलर (करीब छह लाख करोड़ रुपये) विदेशी शिपिंग कंपनियों को चुकाने पड़ते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि चाहे जहाज निर्माण हो या रक्षा निर्माण, आज हर क्षेत्र उपनिवेशी मानसिकता को पीछे छोड़कर नयी ऊंचाइयों की ओर बढ़ने का प्रयास कर रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि राष्ट्र को हर क्षेत्र में उपनिवेशी मानसिकता से पूरी तरह मुक्त होना है।

“जीडीपी की 8.2 प्रतिशत की वृद्धि प्रगति की नयी गति को दर्शाती है। ये आंकड़े ऐसे समय में आये हैं जब वैश्विक वृद्धि दर लगभग तीन प्रतिशत और जी–7 देशों की वृद्धि औसत डेढ़ प्रतिशत के आसपास है। भारत की आर्थिक वृद्धि के ताजा आंकड़े एक दशक के सुधारों का परिणाम हैं।

आज चर्चा होती है कम मुद्रास्फीति की

मोदी ने याद किया कि एक समय अर्थशास्त्री ऊंची मुद्रास्फीति को लेकर चिंतित रहते थे, लेकिन आज वही अर्थशास्त्री देश की कम मुद्रास्फीति की चर्चा करते हैं। उन्होंने कहा कि भारत की उपलब्धियां साधारण नहीं हैं, और न ही वे केवल आंकड़ों की बात हैं, बल्कि वे उस बुनियादी परिवर्तन का प्रतिनिधित्व करती हैं, जो देश में पिछले दशक में आया है। इस परिवर्तन में विश्वास की नींव आज किये जा रहे कार्यों पर आधारित है। उन्होंने कहा कि आज के सुधार और आज का प्रदर्शन कल के परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। श्री मोदी ने कहा कि भारत की एक बड़ी क्षमता लंबे समय तक अप्रयुक्त रही। जब इस अप्रयुक्त क्षमता को अधिक अवसर मिलते हैं, और जब यह बिना बाधा देश के विकास में पूरा योगदान देती है, तो देश का परिवर्तन निश्चित है।

कार्यालय ग्राम पंचायत वुधऊ विकास खण्ड उसावां (बदायूं)

पत्रांक: मैमो. **निविदा सूचना** दिनांक: 06.12.2025

ग्राम पंचायत वुधऊ विकास खण्ड उसावां (बदायूं) में राज्य वित्त/15 वां वित्त आयोग (टाइड/अनटाइड), मनरेगा योजनान्तर्गत वर्ष 2025-26 में उपलब्ध धनराशि एवं धन आने की प्रत्याशा में निम्नानुसार निर्धारित मानक/गुणवत्ता के अनुसार उच्च कोटि की सामग्री (ईट, इण्टरलॉक, सीमेन्ट मौरंग, बजरी, रेता, सरिया, टाईल, बजरफुट, सेनेटरी आईटम, हैण्डपम्प का मैटेरियल आदि) निर्माण स्थल पर आपूर्ति करने हेतु मोहर बन्द निविदायें/कुटेशन आमंत्रित की जाती है। इच्छुक फर्मे एवं आपूर्तिकर्ता दिनांक 06.12.2025 से दिनांक 15.12.2025 दोपहर 12 बजे तक ग्राम पंचायत सचिवालय में रखे बॉक्स में सीलबन्द लिफाफे में जमा करें, तथा दिनांक 15.12.2025 को अद्योहस्ताक्षरी के समक्ष दिन के 2 बजे बजे खोली जायेगी। स्वीकृत निविदा/कुटेशन को सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत की परिधि में स्वीकृत दर पर निर्धारित कार्यस्थल पर करनी होगी। सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के आदेशानुसार निर्धारित समय सीमा के अन्तर्गत की जानी अनिवार्य है। सामग्री की गुणवत्ता मानक के अनुरूप नही पायी जाने की स्थिति में भुगतान की धनराशि में नियमानुसार कटौती कर ली जायेगी। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत को होगा।

क्र.	कार्य का नाम	साइज	अनु. लागत
1	वुधऊ के मजरा रंन सिंह नगला में रामबहादुर के घर से वीरेन्द्र के घर तक इण्टलॉकिंग नाली निर्माण कार्य।	70 मी.	400000.00
2	वुधऊ के मजरा रेन सिंह नगला में मोरपाल के घर से राकेश की बैठक तक इण्टरलॉकिंग नाली निर्माण कार्य।	70 मी.	400000.00
3	वुधऊ के मजरा रंन सिंह नगला में मुकेश की बैठक से सड़क तक इंटरलॉकिंग नाली निर्माण कार्य।	60 मी.	350000.00
4	वुधऊ के मजरा रंन सिंह नगला में रामसुआ के घर राय सिंह/वुलाकी के घर तक इण्टरलॉकिंग नाली निर्माण कार्य।	40 मी.	240000.00

नेम सिंह (सचिव) **श्री राजाराम (प्रधान)**

कार्यालय ग्राम पंचायत उसावां देहात विकास खण्ड उसावां (बदायूं)

पत्रांक: मैमो. **निविदा सूचना** दिनांक: 06.12.2025

ग्राम पंचायत उसावां देहात विकास खण्ड उसावां (बदायूं) में राज्य वित्त/15 वां वित्त आयोग (टाइड/अनटाइड), मनरेगा योजनान्तर्गत वर्ष 2025-26 में उपलब्ध धनराशि एवं धन आने की प्रत्याशा में निम्नानुसार निर्धारित मानक/गुणवत्ता के अनुसार उच्च कोटि की सामग्री (ईट, इण्टरलॉक, सीमेन्ट मौरंग, बजरी, रेता, सरिया, टाईल, बजरफुट, सेनेटरी आईटम, हैण्डपम्प का मैटेरियल आदि) निर्माण स्थल पर आपूर्ति करने हेतु मोहर बन्द निविदायें/कुटेशन आमंत्रित की जाती है। इच्छुक फर्मे एवं आपूर्तिकर्ता दिनांक 06.12.2025 से दिनांक 15.12.2025 दोपहर 12 बजे तक ग्राम पंचायत सचिवालय में रखे बॉक्स में सीलबन्द लिफाफे में जमा करें, तथा दिनांक 15.12.2025 को अद्योहस्ताक्षरी के समक्ष दिन के 2 बजे बजे खोली जायेगी। स्वीकृत निविदा/कुटेशन को सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत की परिधि में स्वीकृत दर पर निर्धारित कार्यस्थल पर करनी होगी। सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के आदेशानुसार निर्धारित समय सीमा के अन्तर्गत की जानी अनिवार्य है। सामग्री की गुणवत्ता मानक के अनुरूप नही पायी जाने की स्थिति में भुगतान की धनराशि में नियमानुसार कटौती कर ली जायेगी। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत को होगा।

क्र.	कार्य का नाम	साइज	अनु. लागत
1	काली माता मन्दिर के प्रांगण में इण्टरलॉकिंग कार्य	70 मी.	400000.00
2	प्राइमरी स्कूल से ओमवीर के घर तक सी.सी. व नाली निर्माण कार्य	70 मी.	400000.00
3	केदार सिंह की चौपाल से दोदराम के खेत तक सी.सी. व नाली निर्माण कार्य	70 मी.	400000.00
4	राजा नगला में मुख्य मार्ग से सी.सी. रोड से देवस्थान तक इण्टरलॉकिंग नाली निर्माण कार्य।	60 मी.	350000.00
5.	राजा नगला में जीतराम के घर से काशीराम के घर तक इण्टरलॉकिंग कार्य	60 मी.	350000.00

नेम सिंह (सचिव) **श्रीमती मुन्नी देवी (प्रधान)**

कार्यालय ग्राम पंचायत अकबरपुर विकास खण्ड उसावां (बदायूं)

पत्रांक: मैमो. **निविदा सूचना** दिनांक: 06.12.2025

ग्राम पंचायत अकबरपुर विकास खण्ड उसावां (बदायूं) में राज्य वित्त/15 वां वित्त आयोग (टाइड/अनटाइड), मनरेगा योजनान्तर्गत वर्ष 2025-26 में उपलब्ध धनराशि एवं धन आने की प्रत्याशा में निम्नानुसार निर्धारित मानक/गुणवत्ता के अनुसार उच्च कोटि की सामग्री (ईट, इण्टरलॉक, सीमेन्ट मौरंग, बजरी, रेता, सरिया, टाईल, बजरफुट, सेनेटरी आईटम, हैण्डपम्प का मैटेरियल आदि) निर्माण स्थल पर आपूर्ति करने हेतु मोहर बन्द निविदायें/कुटेशन आमंत्रित की जाती है। इच्छुक फर्मे एवं आपूर्तिकर्ता दिनांक 06.12.2025 से दिनांक 15.12.2025 दोपहर 12 बजे तक ग्राम पंचायत सचिवालय में रखे बॉक्स में सीलबन्द लिफाफे में जमा करें, तथा दिनांक 15.12.2025 को अद्योहस्ताक्षरी के समक्ष दिन के 2 बजे बजे खोली जायेगी। स्वीकृत निविदा/कुटेशन को सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत की परिधि में स्वीकृत दर पर निर्धारित कार्यस्थल पर करनी होगी। सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के आदेशानुसार निर्धारित समय सीमा के अन्तर्गत की जानी अनिवार्य है। सामग्री की गुणवत्ता मानक के अनुरूप नही पायी जाने की स्थिति में भुगतान की धनराशि में नियमानुसार कटौती कर ली जायेगी। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत को होगा।

क्र.	कार्य का नाम	साइज	अनु. लागत
1	राधेश्याम बाबा जी के घर से पूरन के घर तक इण्टरलॉकिंग नाली निर्माण कार्य।	50 मी.	310000.00
2	सरकारी हैण्डपम्प से देवेन्द्र यादव की बैठक तक इण्टरलॉकिंग नाली निर्माण कार्य।	50 मी.	248000.00
3	डावर रोड से वीरेन्द्र गौतम के घर तक इण्टरलॉकिंग नाली निर्माण कार्य	60 मी.	270000.00
4	मेन रोड से नरेश तेली घर तक इण्टरलॉकिंग नाली निर्माण कार्य।	60 मी.	330000.00
5	विश्राम यादव के घर से आशाराम के घर तक इण्टरलॉकिंग नाली निर्माण कार्य	50 मी.	310000.00
6	जवाहर की बैठक से बृजेश के घर तक इण्टरलॉकिंग नाली निर्माण कार्य	65 मी.	350000.00
7	लालाराम के घर से अवधेश के घर तक इण्टरलॉकिंग नाली निर्माण कार्य।	65 मी.	350000.00

अनिल कुमार (सचिव) **श्रीमती सुनीता देवी (प्रधान)**

ग्राम पंचायत तिलोकपुर वि.खं. मदनापुर, शाहजहांपुर

कोटशन टेण्डर

सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत तिलोकपुर वि.खं. मदनापुर शाहजहांपुर में वित्तीय वर्ष 2025-26 में मनरेगा योजना के अन्तर्गत निम्न कार्य कराये जाने हेतु विभिन्न फर्मे सम्पर्क कर सकती है, जिसमें प्रथम श्रेणी ईट, रेता, बजरी, सीमेन्ट, सरिया, इंटरलॉकिंग ईट, मौरंग आदि क्रय की जानी है। जिसकी मोहरबंद निविदायें आमंत्रित की जाती है।

क्र.सं.	कार्य का नाम
1.	ग्राम पंचायत तिलोकपुर में आंगनबाड़ी केन्द्र का निर्माण कार्य

प्रधान-दाताराम **सचिव-हंसिका चौहान**

उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद
कार्यालय सम्पत्ति प्रबन्धक
122, सिविल लाइन्स, बरेली

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचना

परिषद की सिविल लाइन्स योजना सं.-2 (भाग-1), बदायूं में स्थित भूखण्ड सं.-बी-5 आवास विकास परिषद द्वारा श्री नवनीत रस्तोगी पुत्र श्री सुभाष चन्द्र रस्तोगी को आवंटित किया गया था। श्री नवनीत रस्तोगी पुत्र श्री सुभाष चन्द्र रस्तोगी द्वारा भूखण्ड के मूल्य का पूर्ण भुगतान कर अपने पक्ष में विक्रय विलेख दिनांक 27.12.2012 को निष्पादित करा लिया गया। श्री नवनीत रस्तोगी पुत्र श्री सुभाष चन्द्र रस्तोगी द्वारा भूखण्ड का विक्रय कु. अरूणा सिंह पुत्री स्व. श्री नेपाल सिंह को कर दिया गया। कु. अरूणा सिंह पुत्री स्व. श्री नेपाल सिंह द्वारा अवगत कराया गया है कि श्री नवनीत रस्तोगी की मृत्यु दिनांक 04.01.2022 को हो चुकी है तथा श्री नवनीत रस्तोगी के वारिसानों द्वारा मेरे पक्ष में अनापत्ति शपथ पत्र दे दिये गये हैं तथा उक्त भूखण्ड का अन्तरण अपने पक्ष में कराने हेतु ऑनलाइन प्रार्थना पत्र के माध्यम से प्रपत्र कार्यालय में प्रस्तुत किये हैं। अत: एतद्द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि सिविल लाइन्स योजना सं.-2 (भाग-1), बदायूं में स्थित भूखण्ड सं.-बी 5 का अन्तरण कु0 अरूणा सिंह पुत्री स्व. श्री नेपाल सिंह के पक्ष में किया जाना है। भूखण्ड सं0-बी-5 के अन्तरण में किसी प्रकार की यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन की तिथि से 30 दिन के अन्दर कार्यालय में साक्ष्य सहित आपत्ति दाखिल कर सकते हैं। समय सीमा व्यतीत हो जाने के उपरान्त किसी भी आपत्ति पर विचार किया जाना सम्भव नहीं होगा तदनुसार सम्पत्ति का अन्तरण कु0 अरूणा सिंह पुत्री स्व. श्री नेपाल सिंह के पक्ष में करने की कार्यवाही अमल में लायी जायेगी।

आज्ञा से
सम्पत्ति प्रबन्धक

कार्यालय नगर पंचायत गुलड़िया भिण्डारा-पीलीभीत

पत्रांक:-मैमो./न.पं.गु.भि./2025-26 दिनांक: 03/12/25

अति अल्पकालीन निविदा

समस्त पंजीकृत ठेकेदारों/फर्मो को सूचित किया जाता है कि वर्ष 2025-26 में नगर पंचायत गुलड़िया भिण्डारा को रा.वि.आ. की धनराशि से विभिन्न स्थानों पर अलाव लगवाने हेतु सूखी जलौनी लकड़ी की आपूर्ति हेतु निविदा प्रपत्र (प्रति कुन्टल दरें / भाव पत्र) दिनांक 10.12.2025 को अपरान्ह 01:00 बजे तक आमंत्रित किये जाते हैं। प्राप्त निविदायें (प्रति कुन्टल दरें / भाव पत्र) उसी दिनांक अपरान्ह 02:00 बजे उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोली जायेंगी। निविदा पत्र दिनांक 09.12.2025 को समय दोपहर 02:00 बजे तक कार्यालय नगर पंचायत गुलड़िया भिण्डारा से क्रय किये जा सकते हैं। एक व समस्त निविदाओं को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार अध्यक्ष/अधिशासी अधिकारी महोदय को निहित होगा।

क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित मात्रा (कु. में)	जमानत धनराशि	निविदा मूल्य	कार्य अवधि
1.	सूखी/जलौनी/लकड़ी/बुरादा की आपूर्ति का कार्य।	700 कुन्तल	35000/-	700/-	02 माह

उक्त आपूर्ति से सम्बन्धित अन्य शर्ते व जानकारी किसी भी कार्य-दिवस में कार्यालय से ज्ञात की जा सकती है।

हरि पाल
अधिशासी अधिकारी

निशांत प्रताप सिंह
अध्यक्ष

ग्राम पंचायत निजामपुर नगरिया वि.खं. मदनापुर, शाहजहांपुर

कोटशन टेण्डर

सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत निजामपुर नगरिया वि.खं. मदनापुर शाहजहांपुर में वित्तीय वर्ष 2025-26 में मनरेगा योजना के अन्तर्गत निम्न कार्य कराये जाने हेतु विभिन्न फर्मे सम्पर्क कर सकती है, जिसमें प्रथम श्रेणी ईट, रेता, बजरी, सीमेन्ट, सरिया, इंटर लॉकिंग ईट, मौरंग आदि क्रय की जानी है। जिसकी मोहरबंद निविदायें आमंत्रित की जाती है।

क्र.सं.	कार्य का नाम	माप	लागत
1.	ग्राम निजामपुर नगरिया में आँगनवाड़ी केन्द्र का निर्माण कार्य	15x10 मीटर	790733 रूपये मात्र
2.	श्रीपाल के बग्गर से बलवीर सिंह के मकान तक इण्टरलॉकिंग निर्माण कार्य	40x3.5 मीटर	232159 रूपये मात्र
3.	बलवीर के मकान से देवस्थान तक इण्टर लॉकिंग व नाली निर्माण कार्य	40x3.5 मीटर	231151 रूपये मात्र
4.	मेन रोड से तुंगपाल सिंह के मकान तक इण्टरलॉकिंग निर्माण कार्य	15x10 मीटर	183517 रूपये मात्र
5.	तुंगपाल के मकान से नेकसू के मकान तक इण्टरलॉकिंग निर्माण कार्य	40x3.5 मीटर	179958 रूपये मात्र
6.	विनेश के मकान से बीना देवी के मकान तक इण्टरलॉकिंग निर्माण कार्य	26x2 मीटर	101582 रूपये मात्र

प्रधान-ट्विंकल सिंह **सचिव-रोहित**

45 हजार होमगार्ड जवानों की भर्ती जल्द

योगी ने उप्र. होमगार्ड के 63वें स्थापना दिवस पर कई घोषणाएं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि होमगार्डों के लिए सेवा, अनुशासन और राष्ट्रहित ही सर्वोच्च पहचान है। योगी ने थानों में होमगार्ड के आरक्षित रूम की घोषणा करते हुए कैशलेस हेल्थ बीमा की सुविधा देने के लिए प्रस्ताव भी मांगा।

यूपी होमगार्ड के 63वें स्थापना दिवस पर अधिकारियों को सम्मानित करते मुख्यमंत्री योगी।

मुख्यमंत्री योगी शनिवार को उत्तर प्रदेश होमगार्ड के 63वें स्थापना दिवस पर भव्य रैतिक परेड की सलामी लेने के बाद बोल रहे थे। मुख्यमंत्री ने बताया कि पुलिस बल में 2 लाख 19 हजार से अधिक कार्मिकों की भर्ती प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है।

वर्तमान में 45 हजार होमगार्ड जवानों की भर्ती प्रक्रिया भी आगे बढ़ रही है। उन्होंने विभाग को निर्देश दिया कि होमगार्ड जवानों के लिए आयुष्मान भारत की तरह कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा लागू करने का प्रस्ताव तैयार कर भेजें। सरकार इसे आगे बढ़ाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2024 में विशिष्ट सेवा के लिए 3 और सराहनीय सेवा के लिए 11 जवानों को राष्ट्रपति पदक मिला है। 2025 में भी 3 जवानों को सराहनीय सेवा पदक प्राप्त हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले होमगार्ड की उपेक्षा होती थी, लेकिन अब उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान मिल रहा है। कार्यक्रम में मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, मंत्री धर्मवीर प्रजापति, प्रमुख सचिव राजेश कुमार सिंह, महानिदेशक एमके बशाल सहित पुलिस और होमगार्ड के अधिकारी व जवान उपस्थित रहे।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना सं.: DCE-BL-10-11-2025

उप मुख्य इंजीनियर/पुल लाईन/पूर्वोत्तर रेलवे/गोरखपुर भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-निविदा आमंत्रित करते हैं :-

क्र. सं. : 1, ई-निविदा सं. : DCE-BL-10-2025, **कार्य का विवरण :** पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल के 07 अद्द स्टील गर्डर पुलों यथा पुल सं.-72UP(6X24.4m) IAA-MAU, 72DN (6X24.4m) IAA-MAU, 1UP (3X12.2m) GTST CPR, 3UP (3X12.2m) GTST-CPR, 137 DN (13X30.5m) RJI-ARJ, 137 UP (13X30.5m) RJI-ARJ & 50(14X61.0M) PNYA-VKNR के जंग लगे मेम्बरों का रिप्लेसमेन्ट/रिहैबिलिटेशन कार्य, **अनुमानित लागत :** ₹ 3,29,56,072.56, **बयाने की राशि :** ₹ 3,14,800.00, **निविदा प्रपत्र का मूल्य :** शून्य, **स्वीकृति पत्र जारी होने के तिथि से कार्य की समापन अवधि :** 18 (अट्ठारह) माह।

क्र. सं. : 2, ई-निविदा सं. : DCE-BL-11-2025, **कार्य का विवरण :** पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल के 10 अद्द स्टील गर्डर पुलों यथा पुल सं.-182 UP(5X30.50) GKP-DMG, 182DN(5X30.50) GKP-DMG, 183UP (7X30.50) GKP DMG, 183 DN (7X30.50) GKP-DMG, 34(4X30.5) UB-BMJ, 200DN(10X12.20) MHH SWA, 176(3X12.2)GKP-GKC, 176A (3X12.2) GKP-GKC, 176B(3X12.2) GKP-GKC, 281UP(6X12.2) TH-GOVR in LJN Div. एवं इज्जतनगर मंडल के 07 अद्द स्टील गर्डर पुलों यथा पुल सं.-102 (5x18.3 + 2x12.2) CPA-KSJ, 198(9X18.3) CPA-KSJ, 227 (2X12.2) CPA-KSJ, 92 (3X12.2) RMU-LKU, 26(2X12.2) RMU-LKU, 40 (2X12.2) & 25(4X12) RMU-LKU के जंग लगे मेम्बरों का रिप्लेसमेन्ट/रिहैबिलिटेशन कार्य, **अनुमानित लागत :** ₹ 2,53,95,884.00, **बयाने की राशि :** ₹ 2,77,000.00, **निविदा प्रपत्र का मूल्य:** शून्य, **स्वीकृति पत्र जारी होने के तिथि से कार्य की समापन अवधि :** 18 (अट्ठारह) माह।

• ई-निविदा खुलने की तिथि दिनांक **30.12.2025** को 11.00 बजे। • ई-निविदा की प्राप्ति की तिथि दिनांक **30.12.2025** को 10.59 बजे। • ई-निविदा सूचना, योग्यता मापदण्ड, नियम एवं शर्तों का पूर्ण विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

मुजाधि/डब्ल्यू-358 उप मुख्य इंजीनियर/पुल लाईन

ट्रेनों में ज्वलनशील पदार्थ लेकर यात्रा न करें

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैसर्स शारदा प्लाईवुड, पता गाटा सं. 247, ग्राम टिसुआ, विलेज हरेला तहसील फरीदपुर जिला बरेली व ब्रांच आफिस एससीओ-3 सनसिटी कालोनी खन्ना, जिला लुधियाना, पंजाब जिसकी पंजीकरण सं -BAR/0018886 है, यह उपरोक्त फर्म दिनांक 6.07.2016 से निरन्तर सुचारू रूप से कार्य कर रही है, उपरोक्त फर्म का नाम दिनांक 31 मई 2025 मैसर्स शारदा प्लाईवुट के स्थान पर मैसर्स मैगनस पैनलस हो गया है व दिनांक 31 मई 2025 को एक नया साझेदार श्री विनायक गुप्ता पुत्र श्री राकेश गुप्ता अन्य साझेदारों की सहमति व स्वेच्छा से फर्म में सम्मिलित हुआ। उपरोक्त फर्म में वर्तमान में अब कुल 7 साझेदार क्रमशः 1. अंकित गोयल 2. लोकेश अग्रवाल 3. राकेश अग्रवाल 4. नमन गुप्ता 5. राघव गुप्ता 6. अनन्त गोयल 7. विनायक गुप्ता साझेदार है।

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि उक्त साझेदारी के सम्बन्ध में समस्त विधिक औपचारिक्ताएं मेरे द्वारा पूर्ण कर ली गई है जिसके हेतु सार्वजनिक सूचना का प्रकाशन किया जा रहा है।

अंकित गोयल
साझेदार
मैसर्स मैगनस पैनलस, गाटा सं. 247, ग्राम टिसुआ, विलेज हरेला तहसील फरीदपुर जिला बरेली व ब्रांच आफिस एससीओ-3, सनसिटी कालोनी, खन्ना जिला लुधियाना पंजाब।पंजीकरण सं.-BAR/0018886

ग्राम पंचायत सिकन्दरपुर कलां वि.खं. मदनापुर, शाहजहांपुर

कोटशन टेण्डर

सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत सिकन्दरपुर कलां वि.खं. मदनापुर शाहजहांपुर में वित्तीय वर्ष 2025-26 में मनरेगा योजना के अन्तर्गत निम्न कार्य कराये जाने हेतु विभिन्न फर्मे सम्पर्क कर सकती है, जिसमें प्रथम श्रेणी ईट, रेता, बजरी, सीमेन्ट, सरिया, इंटरलॉकिंग ईट, मौरंग आदि क्रय की जानी है। जिसकी मोहरबंद निविदायें आमंत्रित की जाती है।

क्र.सं.	कार्य का नाम	अनु. लागत
1.	शिवम के मकान से रामू के मकान से इंटरलॉकिंग व नाली	4 लाख
2.	मेघनाथ के बग्गर से मेघना के घर तक इंटरलॉकिंग	
3.	बजरिया में नक्षत्रपाल की चौपाल से अनिल के घर तक इंटरलॉकिंग	

प्रधान-सीता देवी **सचिव-परवीन कुमार**

गंगा एक्सप्रेस-वे का जनवरी में लोकार्पण कर सकते हैं पीएम मोदी

लखनऊ, अमृत विचार : गंगा एक्सप्रेस-वे का लोकार्पण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जनवरी माह में कर सकते हैं। प्रदेश की सबसे लंबी हाई-स्पीड सड़क परियोजना अपने निर्माण के अंतिम चरण में पहुंच चुकी है।

594 किलोमीटर लंबा यह एक्सप्रेस-वे मेरठ से प्रयागराज की यात्रा को न सिर्फ सुगम बनाएगा, बल्कि समय भी लगभग आधा कर देगा। परियोजना के पूरी तरह तैयार होने के बाद यात्रियों को मेरठ से प्रयागराज की दूरी केवल 6 घंटे में तय करने की सुविधा मिलेगी। सरकारी सूत्रों के अनुसार, गंगा एक्सप्रेस-वे का लोकार्पण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जनवरी माह में कर सकते हैं। राज्य सरकार इसे यूपी के बुनियादी ढांचा विकास के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उपलब्धि मान रही है। छह लेन वाले इस एक्सप्रेस-वे का भविष्य में आठ लेन तक विस्तार संभव है। यह मार्ग मेरठ, हापुड़, बुलंदशहर, अलीगढ़, कासगंज, शाहजहांपुर, हरदोई से होता हुआ प्रयागराज तक पहुंचेगा।

गंगा एक्सप्रेस-वे उत्तर प्रदेश में पूर्व से पश्चिम तक तेज, सुरक्षित और सीधे संपर्क का सबसे महत्वपूर्ण मार्ग बनने जा रहा है। सरकार का दावा है कि इस परियोजना से आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी।

कार्यालय जिला पंचायत बदायूं

पत्रांक: 1144/जि.पं./नि.अनु./2025-26 **संशोधित अल्पकालीन सामान्य निविदा सूचना** दिनांक 06.12.2025

उ.प्र. शासन के आदेश सं. 05/2019/2902/33-2-2019-198 जी/2018 दिनांक 16 अगस्त 2019 व शासनादेश सं. 1129/33-2-2020-167जी/2018 दिनांक 03 जून 2020 में दी गई व्यवस्था के अधीन समस्त जिला पंचायत में पंजीकृत ठेकेदारों, लो.नि.वि. एवं सिंचाई विभाग के पंजीकृत ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि पंचम राज्य वित्त आयोग, 15 वां वित्त आयोग (टाइड/अनटाइड) अन्तर्गत प्राप्त धनराशि के सापेक्ष स्वीकृत 26 कार्यों की सामान्य निविदायें दिनांक 19.12.2025 को दोपहर 12:00 बजे तक बन्द लिफाफे में आमंत्रित की जाती है जो इसी दिनांक 19.12.2025 की दोपहर 02:00 बजे से कार्यालय जिला पंचायत बदायूं में खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र किसी भी कार्य दिवस में दिनांक 19.12.2025 समय 11:00 बजे तक कार्यालय जिला पंचायत से प्राप्त कर सकते हैं। निविदा शुल्क की धनराशि फार्म-5, आर.टी.जी.एस. (RTGS)/एन.ई.एफ.टी. (NEFT) के माध्यम से जिला निधि के खाता सं. 09830100009167 आई.एफ.एस.सी. कोड BARB0BADAUN में जमा करना अनिवार्य होगा और जमा निविदा शुल्क की यूनिक नम्बर रसीद व 10% (दस प्रतिशत) धरोहर (जमानत) धनराशि की एफ.डी.आर. जो अपर मुख्य अधिकारी के पद नाम से बंधक हो के साथ-साथ जी.एस.टी. पंजीकरण प्रमाण पत्र, आयकर व ठेकेदारी का नवीनीकरण/पंजीकरण प्रमाण पत्र को स्कैन कर निविदा प्रपत्र के साथ लगाना अनिवार्य है। किसी भी निविदा पर बिना कारण बताये स्वीकृत/अस्वीकृत/निरस्त करने का अधिकार सक्षम प्राधिकारी/अध्यक्ष जिला पंचायत में निहित होगा। सशर्त प्राप्त निविदा तथा नियत तिथि व समय उपरान्त कोई भी वाद व प्रार्थना पत्र स्वीकार्य नहीं होगा। निविदा सम्बन्धी अन्य समस्त जानकारी BUDAUN.NIC.IN पर भी देखा जा सकता है। निविदा सम्बन्धी अन्य कोई जानकारी किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय आकर प्राप्त की जा सकती है। विवरण निम्न प्रकार है:-

क्र.	क्षेत्र पंचायत का नाम	कार्य का नाम	अनु. धनराशि (रू. में)	धरोहर धनराशि	निविदा मूल्य GST सहित	कार्य पूर्ण करने की अवधि
		पंचम राज्य वित्त				
1.	दातागंज	ग्राम पंचायत बिहारीपुर में ब्लाक दातागंज में सोनपाल धोबी के घर से कब्रिस्तान तक सी.सी. कार्य।	842405	84250	1200	60 दिन
		15 वां वित्त आयोग अनटाइड				
2.	आसफपुर	ग्राम सिसरका में तालेवर आसफपुर दिवाकर के घर से आसफपुर चंदौसी मार्ग तक मि.खं	759026	75950	1200	60 दिन
3.	जगत	ग्राम पंचायत थल्लिया नगला में जू.हा. स्कूल से कब्रिस्तान तक मि.खं.	452548	45300	1200	60 दिन
		15 वां वित्त आयोग टाइड				
4.	जगत	ग्राम मरमई में कलेक्टर सिंह यादव के मकान से नहर तक नाला निर्माण कार्य।	267978	26800	1200	60 दिन
5.	जगत	ग्राम मरमई में देवी मंदिर से तालाब तक नाला निर्माण कार्य।	438351	43850	1200	60 दिन
6.	इस्लामनगर	ग्राम नगला बारहा में रविन्द्र कुमार के मकान से नाले तक नाला निर्माण कार्य।	541294	54150	1200	60 दिन
7.	समरेर	ग्राम लहडेरी में हरिपाल सिंह के घर से दौरी तक नाला निर्माण कार्य।	638806	63900	1200	60 दिन
8.	उझानी	ग्राम वरामयखेड़ा में प्रजापति समाज से पुलिया तक नाला निर्माण कार्य।	583554	58400	1200	60 दिन
9.	उझानी	ग्राम भडकुईया में ओमकार के खेत से नदी पुल तक नाला निर्माण कार्य।	774650	77500	1200	60 दिन
10.	जगत	ग्राम खेड़ा बुजुर्ग में मंदिर से नदी तक नाला निर्माण।	438044	43850	1200	60 दिन
11.	जगत	ग्राम गभियाई नगला में दुर्जन सिंह के घर से तालाब तक नाला निर्माण कार्य।	441702	44200	1200	60 दिन
12.	उझानी	ग्राम अल्लीपुर मडईया में कल्लू मौर्य के घर से कमरा नदी तक नाला निर्माण कार्य।	578540	57900	1200	60 दिन
13.	उझानी	ग्राम कुलुआ देहर में खेम करन के घर से तालाब तक नाला निर्माण कार्य	509910	51000	1200	60 दिन
14.	वजीरगंज	ग्राम कतगांव अम्बेडकर पार्क से तालाब तक नाला निर्माण कार्य	301352	30150	1200	60 दिन
15.	उझानी	ग्राम रौली में सचिवालय से तालाब तक नाला निर्माण कार्य	799036	79950	1200	60 दिन
16.	अम्बियापुर	ग्राम बैरामई में पंचायत घर से स्कूल तालाब तक नाला निर्माण कार्य	323755	32400	1200	60 दिन
17.	अम्बियापुर	ग्राम बैरामई में प्रा.वि. से ग्राम समाज इण्टर कॉलेज में पास नाला निर्माण कार्य	236691	23700	1200	60 दिन
18.	सहसवान	ग्राम गंगापुर में रमेश के मकान के कोने से सामुदायिक शौचालय तक नाला निर्माण कार्य	698349	69850	1200	60 दिन
19.	जगत	ग्राम पासतोर मुकेश के घर से तालाब तक नाला निर्माण कार्य	229624	23000	1200	60 दिन
20.	सलारपुर	बगुलीनगर भजरा से ग्राम राफियाबाद रोड पर अवशेष नाला निर्माण कार्य	514313	51450	1200	60 दिन
21.	उझानी	ग्राम पंचायत बसावनपुर में महेन्द्र पाल के घेर से तालाब तक नाला निर्माण कार्य	499306	49950	1200	60 दिन
22.	बिसौली	ग्राम करखेड़ी में परसिया पंपगांव मार्ग से तालाब तक नाला निर्माण कार्य	534094	53450	1200	60 दिन
23.	कादरचौक	ग्राम पसेई में सोमवीर यादव के मकान से तालाब तक नाला निर्माण कार्य	846964	84700	1200	60 दिन
24.	उझानी	ग्राम अब्दुल्लागंज तालाब के पास सुनील सिंह के घर से पुलिया के पास समेन्द्र सिंह के घर तक नाला निर्माण कार्य।	297326	29750	1200	60 दिन
25.	उझानी	ग्राम ज्योपारवाला बजार में पुराने नाले से धूविया तालाब तक नाला निर्माण कार्य।	775715	77600	1200	60 दिन
26.	जगत	ग्राम जगत में सी.सी/रामसिंह के मकान से पुलिया तक नाला निर्माण कार्य।	439494	43950	1200	60 दिन

नोट:- (1) जिला पंचायत के पंजीकृत ठेकेदारों लो.नि.वि. एवं सिंचाई विभागों में पंजीकृत ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत प्रपत्र 1,2 व 3 प्रमुख सचिव पंचायतीराज अनु.-2 के पत्रांक 819/33-2-2007-100 जी/2006 दिनांक 10 अप्रैल 2007 के अनुसार वैध होना अनिवार्य है।
2. कार्यो के अनुबन्ध आदि की कार्यवाही सक्षम स्तर से स्वीकृति प्राप्त होने के उपरान्त एवं धनराशि की उपलब्धतानुसार ही किया जायेगा।
3. निर्माण कार्यो में जी.एस.टी. का भुगतान पृथक से देय होगा। जो कार्यो के प्राक्कलन में पृथक से नियमानुसार लगायी गयी है।

पवन कुमार गोयल
अभियन्ता
जिला पंचायत, बदायूं

दिनेश प्रताप सिंह
अपर मुख्य अधिकारी
जिला पंचायत, बदायूं

वर्षा सिंह
अध्यक्ष
जिला पंचायत, बदायूं

कार्यालय ग्राम पंचायत शंकरपुर विकास खण्ड उसावां (बदायूं)

पत्रांक: मैमो. **निविदा सूचना** दिनांक: 06.12.2025

ग्राम पंचायत शंकरपुर विकास खण्ड उसावां (बदायूं) में राज्य वित्त/15 वां वित्त आयोग (टाइड/अनटाइड), मनरेगा योजनान्तर्गत वर्ष 2025-26 में उपलब्ध धनराशि एवं धन आने की प्रत्याशा में निम्नानुसार निर्धारित मानक/गुणवत्ता के अनुसार उच्च कोटि की सामग्री (ईट, इण्टरलॉक, सीमेन्ट मौरंग, बजरी, रेता, सरिया, टाईल, बजरफुट, सेनेटरी आईटम, हैण्डपम्प का मैटेरियल आदि) निर्माण स्थल पर आपूर्ति करने हेतु मोहर बन्द निविदायें/कुटेशन आमंत्रित की जाती है। इच्छुक फर्मे एवं आपूर्तिकर्ता दिनांक 06.12.2025 से दिनांक 15.12.2025 दोपहर 12 बजे तक ग्राम पंचायत सचिवालय में रखे बॉक्स में सीलबन्द लिफाफे में जमा करें, तथा दिनांक 15.12.2025 को अद्योहस्ताक्षरी के समक्ष दिन के 2 बजे खोली जायेगी। स्वीकृत निविदा/कुटेशन को सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत की परिधि में स्वीकृत दर पर निर्धारित कार्यस्थल पर करनी होगी। सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के आदेशानुसार निर्धारित समय सीमा के अन्तर्गत की जानी अनिवार्य है। सामग्री की गुणवत्ता मानक के अनुरूप नही पायी जाने की स्थिति में भुगतान की धनराशि में नियमानुसार कटौती कर ली जायेगी। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत को होगा।

क्र.	कार्य का नाम	साइज	अनु. लागत
1	पंचम नगला में मेन रोड से अहिवरन के घर तक खडंजा निर्माण कार्य	70 मी.	400000.00
2.	मुलायम के घर से मोर सिंह के घर तक खडंजा निर्माण कार्य	70 मी.	400000.00
3.	रक्षपाल के खेत से मन्दिर तक इण्टरलॉकिंग नाली निर्माण कार्य	70 मी.	400000.00
4.	मेन रोड से उमाशंकर के खेत तक इण्टरलॉकिंग नाली निर्माण कार्य	60 मी.	350000.00

नेम सिंह (सचिव) **श्रीमती रामशीला देवी (प्रधान)**

सेक्शन-1

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड-पीलीभीत।

पता:-कलैक्ट्रेट कम्पाउण्ड, पीलीभीत।

-:: ई-निविदा सूचना ::-

पत्रांक- 790 / ग्रा0अ0वि0 / ई-निविदा / पत्रां0सं0- / बाण्ड क्लर्क / 2025-26 दिनांक- 20.11.2025

महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड-पीलीभीत में भवन/मार्ग निर्माण कार्य हेतु, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, उत्तर प्रदेश में पात्र पंजीकृत ए0, बी0, सी0 एवं डी0 सीमा के अनुरूप, श्रेणी के निविदादाताओं से ई-टेण्डरिंग के माध्यम से नीचे दर्शाये गये कार्यो हेतु प्रतिशत दर पर निविदा आमन्त्रित की जाती है। निविदादाता किसी भी कार्य अथवा सभी कार्यो के लिये निविदा डाल सकता है।

1- तालिका के अनुसार कार्यो का विवरण।

क्र0	जनपद का नाम	कार्य का नाम	कुल लागत (लाख में)	धरोहर धनराशि (लाख में)	निविदा प्रपत्र का (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षा ऋतु सहित)
1	2	3	4	5	6	7
		स्वीकृति की प्रत्याशा में सांसद निधि योजना के अन्तर्गत निर्माण कार्यो का विवरण				
1	पीलीभीत।	ग्राम पंचायत कल्यानपुर नौंगवा में अन्तेष्ठि स्थल/शवदाह गृह का निर्माण। विकास खण्ड मरौरी	24.95	0.50	2356	8 माह

2- वेबसाइट पर बिड डाक्यूमेंन्ट की उपलब्धता की तिथि-10-12-2025

3- ई-निविदा के माध्यम से निविदा करने की अन्तिम तिथि/समय 19-12-2025/दोपहर 12.00 बजे तक।

4- ई-निविदा के माध्यम से निविदा खोलने की तिथि 3/समय 20-12-2025/दोपहर 3:00 बजे।

5- निविदा आमन्त्रणकर्ता को आईटीबी के क्लॉज-09 के अनुसार परिशिष्ट/शुद्धि-पत्र जारी करने का अधिकार है जो किसी भी समाचार-पत्र में प्रकाशित नही किया जाएगा। सभी संभावित निविदादाताओं को सलाह दी जाती है। कि नियमित रूप से ई-निविदा पोर्टल पर निगरानी रखें।

अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग ऑन करे और बिड डाक्यूमेन्ट को डाउनलोड करें।

(इं0 सतीश चन्द्र राघवेन्द्र)
अधिशासी अभियन्ता,
ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग,
प्रखण्ड-पीलीभीत।
राज्यपाल उ0प्र0 की ओर से

UP - 242035 दिनांक: 05/12/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

आईएएस कामिनी रतन को राज्य कर विभाग की कमान मिली

लखनऊ, अमृत विचार: केंद्र प्रतिनियुक्ति से यूपी लौटने के बाद वरिष्ठ आईएएस अधिकारी कामिनी चौहान रतन को राज्य सरकार ने प्रमुख सचिव, राज्य कर के पद पर तैनाती दे दी है। 1997 बैच की अधिकारी कामिनी रतन चौहान ने एम. देवराज से पदभार ग्रहण कर लिया है। अब एम. देवराज केवल नियुक्ति एवं कार्मिक विभाग संभालेंगे।

कामिनी चौहान रतन यूपी की प्रशासनिक सेवाओं में तेज-तर्रार, और साफ-सुथरी छवि के लिए जानी जाती हैं। मेरठ की पहली महिला डीएम रह चुकीं कामिनी केंद्र सरकार में पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार के पद पर महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभा चुकी हैं। राज्य कर विभाग में उनकी तैनाती ऐसे समय हुई है, जब हाल ही में अधिकारियों-कर्मचारियों की अनियमितता, जीएसटी रिफंड और असेसमेंट में लापरवाही से जुड़े कई मामले उजागर हुए हैं। एम. देवराज के कार्यकाल में कई बार अधिकारियों ने उन पर कड़े रुख और दबाव बनाने की शिकायतें भी दर्ज कराई थीं। ऐसे में नई प्रमुख सचिव के सामने सिस्टम को पारदर्शी और जवाबदेह बनाना बड़ी चुनौती होगी।

तंदूरी रोटी बनाते समय थूकने का आरोपी गिरफ्तार

मऊ,एजेंसी : जिले के दोहरीघाट थाना क्षेत्र के एक गांव में शनिवार को प्रीति भोज के दौरान तंदूरी रोटियां बनाते समय आटे पर थूकने के आरोप में एक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार यह घटना शुक्रवार को पूर्व ग्राम प्रधान अवधेश मौर्य के घर पर हुई। अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) अनूप कुमार ने बताया कि आरोपी अहमद समारोह में रोटियां बना रहा था। शिकायत और सामने आए वीडियो के आधार पर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया जा रहा है और आगे की जांच जारी है। इस मामले का वीडियो स्थानीय निवासी अजय राय ने पुलिस के साथ साझा किया, जिन्होंने अधिकारियों को सूचित किया और एक लिखित शिकायत दर्ज कराई।

न्यूज ब्रीफ

मृत कर्मचारी के खिलाफ बर्खास्तगी पर लगाई फटकार

प्रयागराज, अमृत विचार : इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश के शिक्षा विभाग की गंभीर प्रशासनिक चूक पर तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि मृत व्यक्ति के खिलाफ बर्खास्तगी की कार्यवाही शुरू किया जाना कानून और न्याय दोनों के प्रतिकूल है। कोर्ट ने स्पष्ट रूप से प्रश्न उठाया कि कोविड-19 महामारी के दौरान एक वर्ष पूर्व मृत सहायक शिक्षक के खिलाफ सेवा समाप्ति की प्रक्रिया किस कानूनी प्रावधान के तहत शुरू की गई। न्यायालय ने कहा कि यह स्थापित विधि है कि मृत व्यक्ति के खिलाफ न तो जांच और न ही दंडात्मक कार्यवाही प्रारंभ की जा सकती है। अब इस मामले की अगली सुनवाई आगामी 16 दिसंबर को होगी।

निजी वाहन से आज नहीं जा सकेंगे कैंचीधाम

हल्द्वानी, अमृत विचार : कैंची धाम में रविवार को दर्शन की ख्वाहिश रखने वाले भक्तों को अपना वाहन रास्ते में ही छोड़ना पड़ेगा। दरअसल, लोगों को जाम से बचाने के लिए पुलिस ने रूट डायवर्जन प्लान जारी किया है और भक्तों के लिए शटल सेवा की व्यवस्था की है। पुलिस के मुताबिक 7 दिसंबर को कैंची धाम यात्रा रूट में वाहनों का दबाव अधिक होने पर प्रातः 8 बजे से पर्यटक वाहनों और भारी वाहनों के लिए डायवर्जन प्लान लागू किया गया है।

भेड़िए ने दो बच्चियों पर किया हमला, घायल

बहराइच, एजेंसी : जिले में भेड़िए के हमले में चार और पांच वर्षीया दो बच्चियां गंभीर रूप से घायल हो गयीं। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी ने शुक्रवार शाम वन्यजीव हमलों से पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर उन्हें ढाढस बंधाया। ग्रामीणों के अनुसार, कैसरगंज तहसील के मल्लहनपुरवा गांव में शुक्रवार तड़के घर के अंदर सो रही पांच वर्षीय अनुष्का निषाद को अचानक घर में घुसा भेड़िया उठाकर ले जाने लगा। उन्होंने बताया कि चीख-पुकार सुनकर परिजन व ग्रामीण घर की तरफ दौड़े, इतने में शोर-गुल सुनकर भेड़िया बच्ची को छोड़कर खेतों की ओर भाग गया।

थाना प्रभारी ने स्वयं को गोली मारी, मौत

जालौन, एजेंसी : जिले के थाना कुठौंद के प्रभारी निरीक्षक ने अपनी सर्विस रिवॉल्वर से कथित तौर पर स्वयं को गोली मार ली जिससे उनकी मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी देते हुए बताया कि थाना प्रभारी को घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

पीलीभीत में एक और फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़, 6 गिरफ्तार

तीन मोबाइल, 13 लैपटॉप, 2 कंप्यूटर एलईडी और यूएई का सिम बरामद

संवाददाता, पीलीभीत/घुंघचिहाई

अमृत विचार: पुलिस ने एक और फर्जी कॉल सेंटर का पर्दाफाश कर छह जालसाजों को गिरफ्तार किया है। ये सभी दुबई में कॉल सेंटर में नौकरी कर चुके थे और अब अपना गिरोह चला रहे थे। कई प्रदेशों में इन्होंने ठगी की है।

एनसीआरपी पोर्टल से प्राप्त स्थानीय क्षेत्र के पॉश वेरिफिकेशन के दौरान 3 दिसंबर को पुलिस ने फर्जी कॉल सेंटर पकड़ा था। अमृतपाल गिरोह का सरगना था। उससे पूछताछ में पुलिस को सुराग मिले थे। इसी आधार पर एक और फर्जी कॉल सेंटर का धंधा पकड़ा गया। एसओजी और घुंघचिहाई पुलिस ने गिरोह के सरगना बसंतपुर नौनेर निवासी मनजीत सिंह उर्फ सोनू, गाबा चौक रुद्रपुर (उत्तराखंड) निवासी विक्रांत पंडित उर्फ विक्की सानागांव और च्रक खड़का, भोपाल के कालरा चौक निवासी कपिल मेहरा व कुनाल

पुलिस की गिरफ्त में पकड़े गए फर्जी कॉल सेंटर चलाने वाले जालसाज।

- अमृतपाल से आरोपियों ने ठगी का काम सीख शुरू किया काल सेंटर

प्रजापति, भोपाल के ही दानिशकुंज के प्रशांत सिंह को पकड़ा। इनके पास से 13 मोबाइल, 13 लैपटॉप, 2 कंप्यूटर, एलईडी, की-बोर्ड, 01 प्रिंटर जेरोक्स मशीन, 1160 रुपये, 2 सिम कार्ड खुरचे हुए, एक सिम यूएई का और तीन आधार कार्ड भी बरामद किए गए हैं।

अमृतपाल के साथ ही आरोपी मनजीत ने भी काम सीखा था। मनजीत की अगस्त 2024 में दुबई में ही आरोपी विक्रांत उर्फ विक्की और अमृतपाल से मुलाकात हुई थी। विक्की ने उसे कॉल सेंटर में काम दिलाया था और 30 हजार रुपये प्रतिमाह की नौकरी की थी। दो-तीन माह पूर्व वह और अमृतपाल पीलीभीत आ गए थे। अमृत अपने घर से और मनजीत रुद्रपुर व माधोटांडा से कॉल सेंटर संचालित करते थे। पुलिस ने शनिवार को छह लोगों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस से हुई पूछताछ में इस कॉल सेंटर में भी जालसाजी के पीछे गेमिंग एप का ही सहारा सामने आया है। आरोपियों ने बताया कि वह फेयर प्ले 247.गेम्स वेबसाइट पर फ्रोजन सॉफ्टवेयर के द्वारा डायलर के माध्यम से कस्टमर को कॉल करके फंसाते थे। गेमिंग एप एविएटर, रम्मी के जरिए लोगों को कॉल करके गेम खेलने के लिए प्रेरित करते और पहले इनाम जीतने पर ऊंची रकम का झांसा देते थे। सर्वप्रथम व्यक्ति जब पहली बार गेम खेलता तो उसे जीती रकम भेजी जाती और फिर खाते की डिटेल मिलते ही उसमें जमा रकम उड़ा लिया करते थे। आरोपी विक्रांत उर्फ विक्की इन सभी का ट्रेनर है। इनको सिम कार्ड प्रियांशु दीक्षित या बैंक खाते धर्मेंद्र उपलब्ध कराता था।

महापरिनिर्वाण दिवस

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप-मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और केशव प्रसाद मौर्य व अन्य लोग लखनऊ में शनिवार को बाबासाहेब आंबेडकर की पुण्यतिथि (महापरिनिर्वाण दिवस) के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान। ● एजेंसी

गाजियाबाद में बीएलओ की ब्रेन हेमरेज से हुई मौत

गाजियाबाद, एजेंसी : गाजियाबाद में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के लिए बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) के रूप में तैनात एक जीव विज्ञान शिक्षक की मोदीनगर के नेहरू नगर स्थित उनके आवास पर कथित तौर पर ब्रेन हेमरेज से मृत्यु हो गई। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि मोदी विज्ञान एवं वाणिज्य इंटर कॉलेज के लाल मोहन सिंह (58) नामक शिक्षक को साहिबाबाद विधानसभा क्षेत्र में एसआईआर की ड्यूटी सौंपी गई थी। कॉलेज के प्रधानाचार्य सतीश चंद अग्रवाल ने संवाददाताओं को बताया कि सिंह अस्वस्थ थे और घर-घर जाकर सत्यापन कार्य के कारण काफी दबाव में थे। मोदीनगर के सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) अमित सक्सेना ने कहा कि एसडीएम मोदीनगर ने मुझे सूचित किया कि लाल मोहन सिंह की शुक्रवार रात ब्रेन हेमरेज से मृत्यु हो गई।

केएलएफ से जुड़ा तस्कर पकड़ा, विदेशी पिस्टल बरामद

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई में प्रतिबंधित आतंकी संगठन खालिस्तान लिबरेशन फोर्स से ताल्लुक रखने वाले अंतर्राज्यीय हथियार तस्कर आसिम को गिरफ्तार किया है।

उसके तार नाभा जेल ब्रेक से भी जुड़े बताए गए। आरोपी से .32 बोर की चार ऑटोमैटिक विदेशी पिस्टल, मैगजीन, एक डबल बैरल 12 बोर बंदूक, 30 कारतूस 12 बोर और 10 कारतूस 32 बोर बरामद हुए हैं।

एसएसपी ऊधमसिंह नगर मणिकांत मिश्रा ने बताया कि एसटीएफ के प्रभारी एमपी सिंह और रुद्रपुर कोतवाल मनोज रतूड़ी को शुक्रवार रात इनपुट मिला था कि केएलएफ से जुड़ा एक संदिग्ध व्यक्ति हथियारों की बड़ी खेप खपाने की कोशिश में है। ज्वाइंट टीम ने काशीपुर फ्लाईओवर के नीचे उसे चेकिंग के दौरान घेराबंदी में दबोच लिया। पकड़े गए आरोपी ने पूछताछ में

- 4 ऑटोमैटिक पिस्टल, मैगजीन बंदूक और 40 कारतूस बरामद नाभा जेल ब्रेक से भी ताल्लुक

नाम आसिम (32) निवासी गांव धनसारा, बाजपुर बताया, जिससे असलहे और कारतूस बरामद हुए। पूछताछ में पता चला कि आसिम वर्ष 2016 में पंजाब के नाभा जेल ब्रेक कांड में शामिल था और उसके केएलएफ से भी संबंध हैं।

वह बाजपुर से रुद्रपुर अवैध हथियारों की खेप देने आया था। आसिम का बाजपुर में गन हाउस है। वर्ष 2023 में इसी गन हाउस पर एनआईए ने गैंगस्टरों को हथियार और कारतूस सप्लाई किए जाने के मामले में रेड की थी।

कुवैत से भरवाया एसआईआर फॉर्म तीन पर रिपोर्ट

रामपुर, अमृत विचार: रामपुर में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में गलत जानकारी देने के आरोप में एक महिला और विदेश में रहने वाले उसके दो बेटों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज हुई है। मां ने दो बेटों के एसआईआर फार्म पर हस्ताक्षर करके जमा कर दिए थे। सुपरवाइजर की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की। विधानसभा क्षेत्र 37 की भाग संख्या 237 से 248 तक के सुपरवाइजर दिनेश कुमार हैं। बीएलओ द्वारा फॉर्म का डिजिटाइजेशन करने पर पता चला कि भाग संख्या 248 की क्रम संख्या 646 पर दर्ज आमिर पुत्र मुश्ताक हुसैन और क्रम संख्या 648 पर दर्ज दानिश खां पुत्र मुश्ताक हुसैन निवासी पानी की टंकी के सामने, ज्वाला नगर के गणना प्रपत्रों पर इनकी माता नूरजहां द्वारा हस्ताक्षर किए गए हैं। जांच में पाया गया कि दोनों व्यक्ति लंबे समय से कुवैत में रह रहे हैं। इनकी मां ने इनका गणना प्रपत्र भरकर हस्ताक्षर करके बीएलओ को दिया जो लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 की धारा 31 का उल्लंघन है।

उर्स में भिड़े दो पक्ष, कुर्सियां चलीं और हुई फायरिंग, 14 लोग गिरफ्तार

संवाददाता, कुंवरगांव (बदायूं)

अमृत विचार : कुंवरगांव क्षेत्र के गांव खासपुर में दो पक्ष में वर्चस्व की जंग है। दो पक्ष अक्सर आमने-सामने आ जाते हैं। शुक्रवार रात उर्स में चल रही कव्वाली के दौरान रुपयों को लेकर दोनों पक्षों में विवाद हो गया।

कार्यक्रम में दोनों पक्ष के लोगों में मारपीट हुई। एक दूसरे पर कुर्सियां फेंकी गईं। एक युवक के सिर पर चोट आई। पुलिस ने मामले को शांत कराया। घायल को जिला अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने 14 लोगों को गिरफ्तार किया है। मारपीट का वीडियो सोशल साइट्स पर वायरल हुआ है। गांव में पुलिस बल तैनात किया गया है।

गांव खासपुर में हर साल हजरत टिलिया सेमल वाले बाबा की मजार पर उर्स का आयोजन किया जाता है। जिसमें रात भर कव्वाली होती है। कव्वालों के ऊपर रुपये उड़ाए जाते हैं। शुक्रवार रात भी मोहम्मद मियां उर्फ गुड्डू चौधरी की देखरेख में गांव में आयोजन चल रहा था। दिन में थानाध्यक्ष न उर्स में शांति व्यवस्था

कुर्सी लगने से घायल शाहिद आलम।

गांव में तैनात पुलिस।

बनाए रखने का आह्वान किया था, लेकिन खुराफाती नहीं माने। रात में लोग कव्वालों के ऊपर नोट उड़ा रहे थे। बताया जा रहा है कि इसी दौरान एक पक्ष के शाहिद आलम, दूसरे पक्ष के नन्हें, बदर, विकार में कहासुनी होने लगी।

बात बड़ी और मारपीट शुरू हो गई। लात घूसे चलने लगे। एक-दूसरे पर कुर्सी फेंकी। तमंचे से फायरिंग की गई। मौके पर अफरा तफरी मच गई। कुर्सियां फेंकी जाने के दौरान दो पुलिसकर्मी तमाशबीन बने रहे, लेकिन जब फायर की आवाज आई तो पुलिस बल पहुंचा। दोनों पक्षों को अलग किया। मारपीट में शाहिद आलम सिर में कुर्सी लगने से घायल हो गए। रात में उनका मेडिकल परीक्षण हुआ।

शनिवार सुबह से ही मारपीट का वीडियो वायरल हुआ। एक दूसरे पर कुर्सियां बरसाना साफ नजर आ रहा है। एक फायर की भी आवाज सुनाई दे रही है। पुलिस ने घायल के भाई ग्राम प्रधान मोहम्मद सगीर की तहरीर पर अरमान, शारिक, शवाब, आफताब, मोहम्मद शाबेज, मोहम्मद शारिक, मोहम्मद महताब, मुशीर, तारिक, विकार, आकिब, आमीर, मोहम्मद हसनैन और अमजद हसन को गिरफ्तार कर लिया।

ट्रक से कुचलकर दो बहनों की मौत

बिजनौर, अमृत विचार: पिता के साथ बाइक से घर जा रही दो छात्राओं को ट्रक ने कुचल दिया। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। गुस्साए परिजनों ने करीब तीन घटे नजीबाबाद मार्ग जाम कर दिया।

नगीना देहात क्षेत्र के ग्राम झिलमिला निवासी जॉनी की पुत्री वंशिका तथा पायल लाडपुर के एक इंटर कॉलेज में पढ़ती थीं। इसी स्कूल में गांव का बच्चा हिमांशु भी पढ़ता है। दोनों बहने कक्षा 6 व 7 की छात्रा थीं। शनिवार दोपहर जॉनी अपनी दोनों बेटियों व हिमांशु को बाइक से ला रहा था। ट्रक ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। बाइक पर सवार चारों लोग गिर गए। हिमांशु को हल्की चोटें आई वंशिका और पायल की मौके पर ही मौत हो गई। गुस्साए परिजनों और ग्रामीणों ने वंशिका व पायल के शव को सड़क पर रखकर जाम लगा दिया और पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की। पुलिस क्षेत्राधिकारी अंजनी कुमार तथा पुलिस पहुंची और लोगों को शांत कर शव उठाने के लिए कहा लेकिन ग्रामीणों ने वाहन को पकड़ने तक जाम खोलने से इनकार कर दिया। पुलिस ने दुर्घटना करने वाले ट्रक को पकड़ लिया।

लखनऊ : कांग्रेस प्रदेश कार्यालय पर डॉ. भीमराव आंबेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते पार्टी नेता प्रमोद तिवारी, विधायक आराधना मिश्रा, सांसद तनुज पुनिया व अन्य।

बीएलए का सहयोग लें बीएलओ : रिणवा

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि बीएलओ को चिन्हित अनुपस्थित, शिफ्टेड तथा मृत मतदाताओं का एक बार पुनः अपने स्तर पर गहन जांच करने के निर्देश दिए गए हैं, साथ ही इस कार्य में राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त बीएलए का पूर्ण सहयोग लेने को भी कहा गया है। शनिवार को उन्होंने अपील की है कि राजनीतिक दल भी बूथों पर नियुक्त बीएलए को अपने स्तर से सहयोग करने के लिए निर्देशित करें, जिससे प्रदेश की आलेख्य मतदाता सूची में पात्र मतदाताओं के नाम दर्ज हो सकें। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि अब तक प्रदेश में 34 विधानसभा क्षेत्रों में तथा 91,441 बूथों पर शत प्रतिशत कार्य बीएलओ द्वारा पूर्ण कर लिया गया है।

उत्तराखंड का देवत्व खराब नहीं होने देंगे

बागेश्वर, अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि पूर्व की सरकारों की गलत नीति व राजनैतिक कारणों के चलते राज्य की डेमोग्राफी खराब हुई है, जिसको सुधारने के लिए उनकी सरकार कार्य कर रही है। प्रदेश में अतिक्रमण हटाने के लिए कड़ी कार्रवाई की जा रही है। राज्य के देवत्व को किसी भी कीमत पर प्रभावित या खराब नहीं होने देंगे, जिसका कार्य सरकार कर रही है। कितना भी प्रभावशाली व्यक्ति क्यों न हो, उसका भी अतिक्रमण हटाया जाएगा। हमारा प्रयास है कि आने वाली पीढ़ी को सुरक्षित राज्य दिया जाए। पार्टी कार्यालय में शनिवार को पत्रकारों से वार्ता में मुख्यमंत्री ने कहा कि एसआईआर का कार्य चुनाव आयोग द्वारा नियमों के तहत किया जा रहा है।

बसपा के अच्छे दिन कब आएंगे : मायावती

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : बसपा प्रमुख मायावती ने भारतरत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर नई दिल्ली स्थित अपने आवास पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने अपरोक्ष रूप से केंद्र सरकार से सवाल करते हुए कहा कि संविधान के मानवतावादी और कल्याणकारी उद्देश्यों के अनुरूप बहुजन समाज के आत्म-सम्मान और स्वाभिमान वाले "अच्छे दिन" कब आएंगे।

बसपा प्रमुख ने शनिवार को जारी बयान में कहा कि अब तक बहुजन समाज को वह सम्मान नहीं मिल सका, जिसकी अपेक्षा थी। यही कारण है कि देश का बहुजन समाज शासक वर्ग बनने

लखनऊ में अंबेडकर सामाजिक परिवर्तन स्थल पर आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में बाबा साहेब की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करते बसपा प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल आदि।

के लिए संघर्षरत है, जबकि उन्हें रोकने के लिए लगातार हर प्रकार के हथकंडे और साजिशें की जा रही हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि बसपा इन चुनौतियों का डटकर मुकाबला करती रहेगी। उन्होंने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि आर्थिक सलाहकारों पर निर्भर रहने के बजाय इस स्थिति को गंभीरता से लेते हुए इसके समाधान के ठोस और प्रभावी कदम उठाए जाएं। उन्होंने देशभर में डॉ. आंबेडकर के अनुयायियों द्वारा दी गई श्रद्धांजलि के लिए विशेष रूप से उत्तर प्रदेश के लोगों का आभार व्यक्त किया।

शव की ऐसी दुर्दशा, चूहों ने कुतरा

हरिद्वार, अमृत विचार : हरिद्वार के जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखे शव को चूहों द्वारा कथित तौर पर कुतरे जाने का गंभीर मामला सामने आया है। परिजनों का दावा है कि अस्पताल के डीप फ्रीजर में रखे जाने के बावजूद शव की आंख, नाक और कान को चूहों ने कुतर दिया। इस घटना को लेकर परिजनों ने अस्पताल में जमकर हंगामा किया।

फर्जीवाड़ा

तीन वर्ष में सात मदरसों में सिर्फ एक की मान्यता हुई रद्द, बाकी पा रहे सरकारी अनुदान

मानकविहीन मदरसों पर पूर्व रजिस्ट्रार की रही विशेष कृपा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मानकविहीन मदरसों पर पूर्व रजिस्ट्रार की विशेष कृपा रही है। शासन ने मार्च 2022 में प्रदेश के सात मदरसों के मानक पूरे न होने के कारण अनुदान वापस लेने की संस्तुति की थी। आदेश के डेढ़ वर्ष बाद मदरसा बोर्ड ने सिर्फ एक के खिलाफ कार्रवाई की।

वहीं बचे हुए छह मदरसों को करोड़ों रुपये का सरकारी अनुदान दिया जा रहा है। बोर्ड ने सिर्फ संतकबीरनगर के दारुल उलूम अहले सुन्नत फैजुल इस्लाम नाम के मदरसे की मान्यता निलंबित की है। जांच में सामने आया कि 35 मदरसे ऐसे हैं, जिन्होंने ग्राम पंचायत की सरकारी जमीनों पर कब्जा कर भवन बनवा लिये। वहीं,

- 35 मदरसों ने ग्राम पंचायतों की जमीन पर कब्जा कर बनवा लिया भवन

कुछ के मानक अधूरे हैं। कार्रवाई के लिए तीन बार का समय भी दिया गया था। कुछ दिन बाद 25 मदरसों ने मानक पूरा होने का लिखित शपथ पत्र दिया।

प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने के बाद मदरसों की जांच का आदेश दिया गया। वर्ष 2017 में प्रदेश के ऐसे सभी अनुदानित मदरसे जो सरकारी फंड पा रहे थे। शासन द्वारा उनके मानक को जांचने के निर्देश सभी जिलों में जिलाधिकारियों को भेजे गए। लगभग आठ महीने में जिलों से रिपोर्ट आई। जांच में सामने आया कि पूरे प्रदेश में लगभग 35 मदरसे

मदरसों को दी गई खुली छूट

मंडलायुक्तों की रिपोर्ट के आधार पर शासन ने 25 मार्च, 2022 को सात अनुदानित मदरसों की मान्यता समाप्त करने का लिखित आदेश जारी किया गया। इस आदेश का अनुपालन कराने के लिए तत्कालीन रजिस्ट्रार मदरसा बोर्ड ने सभी सातों मदरसों को नोटिस जारी की। मदरसा बोर्ड नोटिस जारी होते ही इन मदरसों में हड़कंप मच गया। मदरसा माफिया नोटिस को दबवाने के लिए सक्रिय हो गए। इन सात मदरसों में दो मदरसे तो प्रयागराज से थे। जिसकी नोटिस वहां के तत्कालीन उपनिदेशक जगमोहन सिंह बिष्ट के माध्यम से तामील कराई गई थी। सूत्रों की मानें तो इन मदरसों ने मिलकर प्रयागराज में इन्हीं सात मदरसों में से एक मदरसे रहमते निस्वां, अकबरपुर प्रयागराज के प्रबंधक के घर पर बैठक की। जिसमें खुद पूर्व रजिस्ट्रार मौजूद थे। इसी गिरोह ने उपनिदेशक जगमोहन बिष्ट को मदरसा बोर्ड का रजिस्ट्रार बनवाने का ठेका लिया। एक आईएएस की मदद से रजिस्ट्रार के पद पर आसीन कराया। इसके बाद इन मदरसों को खुली छूट मिल गई। साथ ही सरकार की तरफ दिये जाने वाला करोड़ों रुपये का अनुदान खुलेआम दिये जाने लगा। इन मदरसों से मानक के बारे में कोई सवाल-जवाब नहीं किया गया। करीब एक वर्ष तक इस मामले को पूर्व रजिस्ट्रार ने दबाये रखा।

ऐसे हैं, जो या तो ग्राम पंचायत की सरकारी जमीनों को कब्जा करके बनाए गए हैं। कुछ मदरसा मानक को पूरा ही नहीं करते हैं। शासन द्वारा इन सभी मदरसों को मानक पूरा करने के लिए उन्हें तीन बार का समय भी दिया गया। कुछ समय बीतने के बाद लगभग 25 मदरसों ने मानक पूरा होने का लिखित शपथ पत्र दिया। सरकार ने इन शपथ पत्रों के आधार पर संबंधित मंडलों के मंडलायुक्तों से दोबारा जांच कराने का निर्णय लिया। वर्ष 2021 में सभी मंडलायुक्तों की ओर से जांच रिपोर्ट शासन को भेज दी गई, जिसमें सात मदरसे मानकविहीन पाए गए। जिसमें से कुछ सरकारी जमीनों पर कई साल से अवैध कब्जा करके चला रहे थे। इन मंडलों के मंडलयुक्तों ने प्रदेश के कुल सात मदरसों की मान्यता समाप्त करने की संस्तुति की।

BAREILLY INTERNATIONAL UNIVERSITY, BAREILLY
REQUIREMENT
- Senior/Junior Accountants
- Computer Operator
Proficient in MS-Office, English and Hindi Typing
- Salesman (Pharmacy)
- Experienced Technician (CSSD), BOTT/DOTT
Experience- 5 Year
Rohilkhand Medical College Campus, Pilibhit Bypass Road, Bareilly -243006 (U.P)
Resume may be sent within 15 days from the date of Advertisement at :
e-mail : hrrmch@gmail.com Whatsapp : 9548624286

टेंपो पलटा, वृद्धा की मौत

भर्ती मरीज को देखने शहर जा रहे थे, पांच यात्री घायल

संवाददाता, आंवला

अमृत विचार : आंवला-अलीगंज मार्ग पर शनिवार दोपहर करीब 12 बजे मोहब्बतगंज गौंटिया के समीप एक टेंपो अचानक सामने आए कुत्ते को बचाने के प्रयास में बेकाबू होकर पलट गया। इसमें एक वृद्धा की टेंपों के नीचे दबकर मौत हो गई।

शनिवार को वजीरगंज थाना क्षेत्र के पेपल गांव निवासी विलकिशन (60) पत्नी नेकसू अली की टेंपो के नीचे दबने से मौके पर ही मौत हो गई। टेंपो में सवार सभी लोग बरेली के निजी अस्पताल में भर्ती मरीज को देखने जा रहे थे। घायलों में ओरछी थाना फैजगंज बेहटा निवासी अबुवकर और शहाना पत्नी महफूज, पेपल निवासी फरजाना पत्नी मोहम्मद जान, बेगम खातून पत्नी पप्पू और भवानीपुर इस्लामनगर निवासी रुखसाना पत्नी नन्हे शामिल हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र आंवला भेजा, जहां चिकित्सकों ने अबुवकर व फरजाना को गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर कर दिया। मृतका के परिजनों ने शव का पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया और उसे गांव ले गए।

सीएचसी के बाहर एंबुलेंस में मृतका को देखते लोग। अमृत विचार

ट्रक ने बाइक सवार को मारी टक्कर, मौत

बरेली, अमृत विचार : जाट रेजिमेंट सेंटर के आगे शुक्रवार रात ढाबा बंद करके घर लौट रहे युवक की बाइक में तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में युवक की मौत हो गई। हादसे के बाद चालक ट्रक लेकर फरार हो गया। ।सिरौली थाना क्षेत्र के लिलौर गांव निवासी लल्लन सिंह मौजूदा समय में सुभाषनगर की बीडीए कॉलोनी में परिवार के साथ रहते थे। लल्लन के भाई बृजेश ने बताया कि उनके भाई इन्वर्टिस विश्वविद्यालय के पास हाईवे किनारे ढाबा चलाते थे। शुक्रवार रात ढाबा बंद करके वह अपने नौकर धर्मपाल के साथ बाइक से घर लौट रहे थे। जैसे ही वे जाट रेजिमेंट और सेटेलाइट के बीच पहुंचे, तभी एक तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में लल्लन की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि धर्मपाल बाल-बाल बच गया। हादसे के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने परिजनों को हादसे की जानकारी दी। पति की मौत के बाद पत्नी नमिता का रो-रोकर बुरा हाल है।

स्कूल में छात्र गुटों में मारपीट, 14 पर रिपोर्ट

आंवला, अमृत विचार: स्कूली विवाद में छात्रों के दो गुटों में मारपीट हो गयी। जिससे एक छात्र घायल हो गया। छात्र के पिता ने 4 नामजद और 10 अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

मोहल्ला किला अनुपुरा निवासी जावेद खां ने बताया कि उसके पुत्र शावेज पर बाल विद्यापीठ इंटर कॉलेज के निकट दोपहर 3 बजे पार्थ शर्मा के इशारे पर विपिन व सुमित प्रशांत यादव और 10 अन्य ने जानलेवा हमला कर दिया। शोएब (कक्षा 11) व पार्थ के बीच 3 दिसंबर को स्कूल में बैठने को लेकर विवाद के बाद पार्थ ने धमकी दी थी। शावेज भाई को लेने स्कूल पहुंचा तो हमलावरों ने पीटकर अधमरा छोड़ भाग गए।

घटना के 80 दिन बाद लूट की रिपोर्ट दर्ज

बिशारतगंज, अमृत विचार : भैंस खरीदने जा रहे एक युवक को टक्कर मारने के बाद एंबुलेंस चालकों ने 80 हजार रुपये निकाल लिए। एंबुलेंस का चालक मामूली चोटिल होने पर भी जबरन अस्पताल ले गया। अस्पताल में बेहोशी का इंजेक्शन देकर 50 हजार रुपये ठग लिए। पीडित ने एसएसपी के आदेश पर घटना के 80 दिन बाद एंबुलेंस के 3 चालक और डॉक्टर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

प्रेमिका ने कराई मुकेश की हत्या

संवाददाता, सेंथल

अमृत विचार : गेहूं के खेत में शुक्रवार को मिले युवक के शव की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में बेरहमी से पिटाई का मामला सामने आया है। परिजनों ने दूसरे समुदाय की प्रेमिका पर प्रेमजाल में फंसाकर हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। शनिवार को एसपी उत्तरी और सीओ ने घटनास्थल का दौरा किया।

शुक्रवार सुबह कस्बा निवासी मुकेश मौर्य (22) का शव क्षेत्र के श्मसान घाट के पास गेंहू के खेत में मिला था। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया तो उसमें खुलासा हुआ कि मुकेश की हत्या बर्बरता से की गई है। हत्या से पहले उसकी पिटाई की गई जिससे उसकी पसलियां, फेफड़े और लिवर फट गए थे। उसके बाद उसकी गला दबाकर हत्या की गई थी। मुकेश बृहस्पतिवार रात घर से मेला देखने का कहकर निकला था और शुक्रवार सुबह उसका शव क्षेत्र के श्मसान घाट के पास गेंहू के एक खेत में मिला था।

शनिवार को मृतक के बड़े भाई रूप किशोर ने थाने में दी तहरीर में आरोप लगाया है कि कस्बे के ही दूसरे समुदाय की युवती ने मुकेश को प्रेम जाल में फंसा लिया था। मुकेश की शादी तय हो चुकी थी। युवती उसकी शादी नही होने दे रही थी। उसके बदले में वह मुकेश से एक लाख रुपये मांग रही थी। साथ ही वह उसको ब्लैकमेल कर दो वर्षों में दो से तीन लाख रुपये भी ले चुकी है। युवती की शादी समीपवर्ती गांव टांडा में हो चुकी है। शादी के बाद भी युवती ने मुकेश से मिलना नहीं छोड़ा और उसे ब्लैकमेल करती रही। मृतक के भाई रूपकिशोर का आरोप है कि युवती ने अपने पति शानू, बहनोई बब्लू, बहनोई चांद, मां वरिसन और भाई मो. हैरान के साथ मिलकर मुकेश की बेरहमी से हत्या कर दी है।

शनिवार को एसपी उत्तरी मुकेश मिश्रा और सीओ ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और घटना के शीघ्र खुलासे का निर्देश दिया7

शनिवार को घटनास्थल का निरीक्षण करते एसपी उत्तरी और सीओ। ● अमृत विचार

- परिजनों ने दूसरे समुदाय की शादीशुदा महिला पर पति सहित पांच लोगों के साथ मिलकर हत्या का लगाया आरोप
- पोस्टमार्टम में खुलासा, हत्या से पहले युवक को बेरहमी से पीटा पसलियां फटी, रिपोर्ट दर्ज
- एसपी देहात उत्तरी ने किया घटनास्थल का निरीक्षण, घटना का खुलासा करने के दिए निर्देश

अमृत विचार Lifelines MEDICAL OF BAREILLY
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

धार्मिक स्थल पर इलाज के भरोसे आई युवती की मौत

आंवला, अमृत विचार : शुक्रवार शाम शाहजहांपुर के सहोरा सिधौली गांव निवासी रामखिलावन की 18 वर्षीय पुत्री रोशनी पेट दर्द से पीड़ित होकर आंवला कस्बे के समीप एक धार्मिक स्थल पर पहुंची थी। परिजनों को पूर्ण भरोसा था कि धार्मिक स्थल पर इलाज से युवती ठीक हो जाएगी। लेकिन रास्ते में ही उसकी हालत बिगड़ गई। परिजन घबराहट में रोशनी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र आंवला ले गए। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। युवती की मौत के कारणों का पता नहीं चल सका।

हत्या का मुकदमा दर्ज, फॉरेंसिक टीम ने की जांच

संवाददाता, फरीदपुर

अमृत विचार : संतोष पॉलीफेव (हरियाली बाजार) फेक्ट्री में ठेकेदार शिवनन्दन सिंह की संदिग्ध मौत मामले ने नया मोड़ ले लिया है। हत्या का मुकदमा दर्ज होते ही रविवार को फॉरेंसिक टीम ने फैक्ट्री पहुंचकर शिवनन्दन के कमरे की गहन जांच की। टीम के साक्ष्य जुटाने के दौरान फैक्ट्री कर्मियों द्वारा मीडिया कवरेज रोकने की हरकत ने मामले को और संदिग्ध बना दिया। कमरे को सील कर लंबी जांच के दौरान पत्रकारों को अंदर न जाने देना कई सवाल खड़े कर रहा कि आखिर फैक्ट्री प्रबंधन सच को क्यों छिपाना चाहता है।

परिजनों का आरोप है कि कम्पनी पर 35 लाख रुपये की उधारी बकाया थी और पैसा मांगने पर फैक्ट्री प्रबंधन के लोग शिवनदंन पर लगातार दबाव बना रहे थे। शिकायतकर्ता गुरूपाल के मुताबिक 4 दिसंबर को लापता हुए शिवनन्दन फैक्ट्री के एक कमरे में बेहोश मिले। होश आते ही उन्होंने बताया कि अधिकारियों ने उन्हें जहरीला पदार्थ पिलाया है। कुछ ही देर में उनकी मौत हो गई।

पुलिस ने परिजनों की तहरीर पर चारों जिम्मेदारों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है। फॉरेंसिक रिपोर्ट आने तक पूरे इलाके में दहशत और फैक्ट्री प्रबंधन पर अविश्वास का माहौल बना हुआ है।

घटनास्थल पर जांच करने पहुंची फॉरेंसिक टीम। ● अमृत विचार

- मीडिया कर्मियों को कमरे में जाने से रोका
- फॉरेंसिक रिपोर्ट आने तक इलाके में प्रबंधन के खिलाफ अविश्वास

न्यूज डायरी

खेल प्रतियोगिता में सेजल फर्स्ट, पलक सेकेंड व राहिमा रहीं थर्ड

मीरगंज, अमृत विचार : बीआरसी चुरई दलपतपुर पर ब्लॉक स्तरीय खेल प्रतियोगिता में परिषदीय विद्यालयों के बच्चों ने उत्साह से भाग लिया। इसमें प्राथमिक स्तर पर प्राथमिक विद्यालय रसूलपुर की छात्रा सेजल ने प्रथम, प्राथमिक विद्यालय भगौतीतपुर की छात्रा पलक ने द्वितीय एवं कंपोजिट विद्यालय मुगरा की छात्रा राहिमा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। जूनियर स्तर की प्रतियोगिता में उच्च प्राथमिक विद्यालय नंदगांव की छात्रा हीरा बी ने प्रथम उच्च प्राथमिक विद्यालय नौसेना की छात्रा इकरा ने द्वितीय एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय दियोरिया के आरिश खान ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजय प्रतिभागियों को बीईओ अवनीश कुमार ने पुरुस्कृत किया।

ब्लाक में 38 टीमें कर रहीं बच्चों का टीकाकरण

शेरगढ़, अमृत विचार : टीका उत्सव अभियान में शनिवार को बच्चों और किशोर-किशोरियों का टीकाकरण किया गया। इस दौरान स्वास्थ्य कर्मियों ने ग्रामीणों को अपने लाड़लों को बीमारियों से बचाव और उनकी अच्छी सेहत के लिए टीकाकरण कराने को प्रेरित किया। ब्लॉक क्षेत्र में स्वास्थ्य कर्मियों की 38 टीमों को लगाया गया है। इस दौरान स्वास्थ्य कर्मी टीकाकरण से वंचित 0-5 वर्ष के बच्चों, किशोर-किशोरियों और गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण करने के साथ ही ग्रामीणों में स्वास्थ्य जागरूकता की अलख जगा रहे हैं। इस अवसर पर डॉ शोएब, डॉ वसीम, बीपीएम प्रेम गंगवार, प्रतिरक्षण अधिकारी लाल बहादुर सिंह तथा विद्या आदि मौजूद रहे।

सीएचसी स्टेमी सेंटर पर ईसीजी की सुविधा शुरू

मीरगंज, अमृत विचार : सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर ईसीजी की सुविधा प्रारंभ कर दी गई है। चिकित्सा अधीक्षक डॉ वैभव राठौर ने बताया कि हृदय रोगियों के उपचार में अब ई सी जी की सुविधा भी बढ़ा दी गई है। पहले आम जनता को इसके लिए जिला अस्पताल या प्राइवेट अस्पतालों में अधिक पैसा खर्च करना पड़ता था। अब यह सुविधा सी एच सी पर नि:शुल्क मिलेगी और जनता को इधर उधर भागने की जरूरत नहीं पड़ेगी। डा. अमित कुमार ने बताया कि सरकार द्वारा मरीजों को दिन प्रतिदिन बेहतर सुविधाएं प्रदान करने हेतु प्रयास किए जा रहे है। इस मौके पर डॉ रोहन दिवाकर, डॉ अनीता रानी, डॉ सुरेंद्र कुमार पाल आदि रहे।

राजकीय हाई स्कूल नवीनगर में मनाया वार्षिकोत्सव

कैंट, अमृत विचार : विकास क्षेत्र क्यारा के गांव नवी नगर स्थित राजकीय हाई स्कूल में शनिवार को हुए वार्षिकोत्सव में छात्र-छात्राओं ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किये। इसमें राजस्थानी, पंजाबी नृत्य तथा लोकगीतों की प्रस्तुति पेश की। मेधावी छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। खेल प्रतियोगिताओं में बैडमिंटन, दौड़, वॉलीबॉल प्रतियोगिता आयोजित की गई। ढोलक वादन, निबंध प्रतियोगिता, रंगोली व अन्य विशेष कलाओं के प्रदर्शन में विजेता छात्र-छात्राओं को मुख्य अतिथि द्वारा पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाध्यापिका शमां रफीक ने की। इस दौरान राजकीय हाई स्कूल के प्रधानाचार्य सुभाष चंद्र मौर्य, उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की प्रधानाध्यापिका रेनू गुप्ता, प्रफुल्ल आर्य, स्वेता चौरसिया, रितु, सारिका, भूमिका, पारस रस्तोगी, अमित राघव आदि उपस्थित रहे।

ग्राहक के खाते से एक लाख रुपये किए साफ

संवाददाता, कैंट

अमृत विचार : साइबर ठगों ने यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के एक ग्राहक के खाते से एक लाख रुपये उड़ा दिए। ठगी की यह वारदात इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से की गई। पीड़ित की तहरीर पर कैंट थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सदर बाजार निवासी पृथ्वीराज साहू ने बताया कि उनका बीआई बाजार में यूनियन बैंक में खाता है। 13 नवंबर को उनके खाते से दो फर्जी ट्रांजेक्शन किए गए। दो बार में 50-50 हजार रुपये निकाल लिए गए। पीड़ित का कहना है, कि ये दोनों ट्रांजेक्शन उसके द्वारा नहीं किए गए। उसे इस बात का पता चलते ही उसने तुरंत राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत की है। इसकी पावती भी पीडित को मिल गई है।

पीड़ित ने रिपोर्ट दर्ज कर खाते से निकला पैसा दिलाने की मांग करते हुए तहरीर दी। पुलिस ने तहरीर के आधार मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच साइबर सेल के साथ मिलकर की जाएगी। शीघ्र ही असली गुनाहगार पुलिस की पकड़ में होगें।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम पहले कु. भावना गुप्ता (KM BHAWNA GUPTA) प्रचलित था। किंतु, अब मैंने अपना नाम परिवर्तित कर भावना गुप्ता (BHAVANA GUPTA) कर लिया है। अब मुझे हर जगह इसी परिवर्तित नाम से ही जाना व पहचाना जाय। **भावना गुप्ता पत्नी मोहित गुप्ता निवासी-पलिया कलां, तहसील पलिया कलां, जिला खीरी।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम पहले मोहित कुमार गुप्ता (M0HIT KUMAR GUPTA) प्रचलित था। किंतु अब मैंने अपना नाम परिवर्तित कर मोहित गुप्ता (MOHIT GUPTA) कर लिया है। अब मुझे हर जगह इसी परिवर्तित नाम से ही जाना व पहचाना जाय। **मोहित गुप्ता पुत्र रमेश चंद्र गुप्ता निवासी- पलिया कलां, तहसील पलिया कलां, जिला खीरी।**

सूचना

मैंने अपनी पुत्री उमा मौर्या को गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगी। **श्याम लाल पुत्र सुखलाल निवासी ग्राम फरीदापुर बरकली साहब पो. मोहनपुर थाना बिथरीचैनपुर जिला बरेली हाल निवासी शिवधाम कालोनी लाल फाटक थाना कैन्ट जिला बरेली।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पूर्व में मेरा नाम अंश आहूजा (ANSH AHUJA) पुत्र जयन्त कुमार आहूजा (JAYANT KUMAR AHUJA) था जिसे बदलकर अब मैंने अपना नाम अंशदीप सिंह (ANSH DEEP SINGH) पुत्र जयन्त कुमार आहूजा (JAYANT KUMAR AHUJA) कर लिया है। ये दोनों नाम मेरे ही है और मुझे इन दोनों नाम से जाना व पहचाना जाता है। **अंशदीप सिंह पुत्र जयन्त कुमार आहूजा निवासी 22 महावीर होटल के सामने, जनकपुरी, बरेली।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने वर्ष 2018 में कक्षा 12 की परीक्षा उत्तीर्ण की थी। मेरी इण्टरमीडिएट की अंकतालिका जिसका अनुक्रमांक 0881908 है। जो कि वास्तव में कहीं खो गई है। काफी तलाशने के बाद अभी तक नहीं मिली। **रोहिताश गंगवार पुत्र गेंदनलाल निवासी ग्राम अकबराबाद पो. नौगवां तह. बीसलपुर जिला पीलीभीत**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र अमित कुमार गोस्वामी व उसकी पत्नी शीतल गोस्वामी को उसके गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण उन्हें अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य का मुझसे व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई सरोकार नहीं होगा। **राकेश चन्द्र गोस्वामी निवासी मोहल्ला गांधी नगर निगोही, शाहजहांपुर**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

बरेली न्यूरो एण्ड स्पाईन सुपर स्पेशलिटी सेंटर
डा. मोहित गुप्ता
M.Ch. Neurosurgery (AIIMS)
Senior Consultant Neurosurgeon
मस्तिष्क एवं रीढ़ रोग विशेषज्ञ
Reg. No. UPMCI 65389
सुविधायें
● सिर की चोट का इलाज व आपरेशन
● रीढ़ की हड्डी की चोट का इलाज व आपरेशन
● ब्रेन ट्यूमर, दिमागी की गांठ तथा ब्रेन हेमरेज का आपरेशन
● दूरबीन विधि द्वारा हाइड्रोसिफेलस (दिमाग में पानी भरना) का इलाज व आपरेशन
● सिर दर्द (माइग्रेन) व मिर्गी के दौरे का ईलाज
● दिमाग के फोड़े का इलाज व आपरेशन
● गर्दन (सर्वाइकल) व पीठ का दर्द, सियाटिका, स्लिम डिस्क का ईलाज व ऑपरेशन
● रीढ़ की नस का ट्यूमर (स्पाइनल ट्यूमर) का आपरेशन
● बच्चों के पीठ की गांठ का आपरेशन
● अत्याधुनिक माइक्रोस्कोप द्वारा ईलाज
● रीढ़ की हड्डी व दिमाग की टी.बी. का इलाज व ऑपरेशन
● लकवा तथा पैरालायसिस का इलाज
बरेली न्यूरो एण्ड स्पाइन सुपर स्पेशलिटी सेन्टर
सी-427, डिवाइन अस्पताल के सामने, के.के. अस्पताल रोड, राजेन्द्र नगर, बरेली
समय : प्रातः 10 12 बजे तक एवं सायं 6 से 8 बजे तक
लकवा के मरीजों के लिए 24 घंटे इमरजेंसी हेल्पलाइन नंबर
7017678157, 8077790358
7417389433, 9897287601

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज
बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ

डॉ. दर्शन मेहरा
एम.बी.बी.एस., एम.डी. (मेडिसिन)
Cardiopulmonologist, Diabetologist & Intensivist
आयुष्मान एवं TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
डायबिटीज, थायराइड, डेंगू, मलेरिया, टी.बी., पेट रोग, गठिया, फेफड़ों के रोग, तेज बुखार, एलर्जी, जटिल रोगों का उचित इलाज
दर्पिन हॉस्पिटल
संजय नगर रोड, पीलीभीत बाईपास, बरेली
हैल्प लाइन – 8979252222, 9457663289

डॉ. नितिन अग्रवाल
एम.डी. (गोल्ड मेडिलिस्ट), डी.एम. (कार्डियोलॉजी)
हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777
2D ECHO + TMT
हृदय रोग के लक्षण : ■ घबराहट ■ छाती में दर्द या भारीपन ■ सांस फूलना ■ पैरों में सूजन ■ हाई ब्लडप्रेशर ■ हाई कोलेस्ट्रोल ■ डाइबिटीज (शुगर) ■ सीने या पेट में जलन या दर्द ■ हार्ट अटैक ■ हार्ट फेल
APPLE CARDIAC CARE
ए-3, एकता नगर, केयर अस्पताल के सामने, स्टेडियम रोड, बरेली। सम्पर्क करें:- 9458888448

डॉ. प्रेम गंगवार
B.H.M.S. (Homeo Cafe Gwalior)
वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सक
मो. 8859517808
सैक्स रोग, शीघ्रपतन, नामर्दी, त्वचा, गुर्दे, कैंसर, जोड़, नस, थायराइड व महिलाओं का बांझपन
होम्योपैथिक से जुड़ी समस्या व दवाईयों के लिये नि:शुल्क सम्पर्क करें। | अत्याधुनिक जर्मन दवाईयों द्वारा कुशल डाक्टर के मार्गदर्शन में इलाज
11 वर्षो का अनुभव प्रेम जर्मन होम्योपैथिक
रूहेलखण्ड यूनिवर्सिटी के सामने, पीलीभीत बाईपास, एच.के. टावर, बरेली

प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ
डा. दीक्षा गंगवार
एम.बी.बी.एस., डी.जी.ओ. (गोल्ड मेडलिस्ट) (के.जी.एम.यू. लखनऊ)
नि:शुल्क परामर्श हेतु संपर्क करें
+91 78952 78992
समय : प्रातः 9 से 10 बजे तक, सायं 4 से 5 बजे तक
पता : स्व. केसर सिंह गंगवार कार्यालय, अशर्फी बैंकट हाल, 100 फुटा रोड, बरेली

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSL) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
समय दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक हेल्पलाईन 9837549348, 9897838286

मानवाधिकार
समानता की ओर एक कदम

अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस (10 दिसंबर विशेष)

हर वर्ष 10 दिसंबर को हम सब अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस मनाते हैं। यह दिवस केवल औपचारिकताओं के लिए नहीं, बल्कि मानव इतिहास के उन संघर्षों, बलिदानों और चेतन प्रयासों की स्मृति है, जिनका उद्देश्य था, मानव मात्र की गरिमा, स्वतंत्रता और समानता की रक्षा अर्थात जहां मानव गरिमा सुरक्षित नहीं, वहां सभ्यता भी सुरक्षित नहीं हो सकती। मानव इतिहास के प्रत्येक युग में शक्ति, सत्ता और व्यवस्था रही है, परंतु हर युग में मनुष्य की गरिमा सुरक्षित रही हो, ऐसा नहीं कहा जा सकता। अनेक सभ्यताएं विकसित हुईं, पर अनेक मानवाधिकारों के अभाव में नष्ट भी हो गईं। इसलिए मानवाधिकारों की अवधारणा केवल आधुनिक राजनीतिक विमर्श नहीं, बल्कि मानव अस्तित्व और मानवता की प्रथम शर्त भी है। आज जब विश्व तकनीकी रूप से उन्नत है, पर नैतिक रूप से अस्थिर, जब कानून लिखे जा रहे हैं, पर समान रूप से लागू नहीं हो पा रहे, तब मानवाधिकार दिवस का महत्व और भी बढ़ जाता है।

आलोक तिवारी
लेखक, लखनऊ

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

10 दिसंबर 1948 को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने पेरिस में मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा को अंगीकार किया। यह वही दस्तावेज है, जिसने पहली बार समस्त मानव जाति के लिए समान अधिकारों का वैश्विक घोषणापत्र प्रस्तुत कर मनवाधिकारों का उद्घोष किया था। इस घोषणा के निर्माण की पृष्ठभूमि अत्यंत पीड़ादायक थी। प्रथम विश्व युद्ध, द्वितीय विश्व युद्ध– नाजी जर्मनी का यहूदी नरसंहार, औपनिवेशिक शोषण, नस्लीय भेदभाव और दासता इन सभी ने मानवता को यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि यदि मनुष्य के मूल अधिकारों को संरक्षित नहीं किया गया, तो सभ्यता स्वयं नष्ट हो सकती है। 1948 की मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा में कहा गया कि सभी मनुष्य स्वतंत्र और समान गरिमा व अधिकारों के साथ जन्म लेते हैं अर्थात "कुछ अधिकार ऐसे हैं, जो किसी राज्य द्वारा नहीं, बल्कि मनुष्य को अपने जन्म के साथ प्राप्त होते हैं।"

मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा के अनुच्छेद–30 में जीवन और स्वतंत्रता का अधिकार, समानता और भेदभाव–निषेध, विचार, अभिव्यक्ति और धर्म की स्वतंत्रता, न्याय, निष्पक्ष सुनवाई और कानून के समक्ष समानता, कार्य, शिक्षा और गरिमापूर्ण जीवन का उल्लेख है। यद्यपि यह घोषणा कानूनी रूप से बाध्यकारी संधि नहीं है, फिर भी इसने अंतर्राष्ट्रीय कानून–राष्ट्रीय संविधान–मानवाधिकार न्यायशास्त्र की दिशा तय की है। घोषणा का यही दर्शन आधुनिक मानवाधिकार सिद्धांत की नींव बना, जिसे आज लगभग सभी राष्ट्र कागज पर ही सही, लेकिन स्वीकार तो करते ही हैं।

भारतीय संस्कृति में मानवाधिकार की अवधारणा

मानवाधिकार को अक्सर पश्चिमी अवधारणा बताने का प्रयास किया जाता है, किंतु यह ऐतिहासिक रूप से अधूरा और बौद्धिक रूप से एक भ्रमित दृष्टिकोण है। भारतीय संस्कृति में मानवाधिकारों की भावना हजारों वर्ष पुरानी है। वसुधैव कुटुंबकम् "संपूर्ण पृथ्वी एक परिवार है" यह केवल एक आदर्श वाक्य नहीं, बल्कि मानव समानता का वैश्विक सिद्धांत है। हर प्रार्थना में उद्घोष किया जाने वाला वाक्य सर्वे भवंतु सुखिन:, प्राणियों में सद्भावना हो, विश्व का कल्याण हो, स्वयं में मानवाधिकारों का दर्पण है।" राजनीति शास्त्र के सिरमौर आचार्य चाणक्य का अर्थशास्त्र मात्र मानवाधिकारों का घोषणापत्र नहीं है।

अपितु मानव गरिमा पर आधारित राज्य कर्तव्यों का प्राचीन संविधान है। सम्राट अशोक ने तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व में धार्मिक सहिष्णुता दया, पशु अधिकार और नारी सुरक्षा जैसे सिद्धांतों को राज्य नीति बनाया। अशोक के शिलालेख और धम्म आज भी मानवाधिकारों का प्रारंभिक दस्तावेज माने जा सकते हैं।

भारतीय संविधान : मानवाधिकारों का जीवित दस्तावेज

भारत का संविधान आधुनिक विश्व में मानवाधिकारों के सबसे व्यापक ढांचों में से एक है, जो नागरिकों के मौलिक अधिकारों की बात करता है। संविधान का अनुच्छेद 14 से 18 समानता का अधिकार देता है, वहीं अनुच्छेद 19 से 22 स्वतंत्रता का अधिकार देता है। अनुच्छेद 25 से 28 धार्मिक स्वतंत्रता की बात करता, वहीं अनुच्छेद 21 को, तो भारतीय न्यायपालिका ने "मानवाधिकारों की आत्मा" कहा है, जो नागरिकों के जीवन और गरिमा की बात करता है, जो प्रत्येक व्यक्ति को जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार देता है। विश्व में भारत अकेला ऐसा देश है, जिसने मानवाधिकारों के साथ–साथ नागरिक कर्तव्यों को भी संवैधानिक दर्जा दिया है, जो भारतीय दृष्टिकोण की प्राचीन परंपरा एवं परिपक्वता को दर्शाता है। भारतीय संविधान के नीति–निदेशक तत्व राज्य को यह निर्देश देते हैं कि शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक न्याय गरिमापूर्ण जीवन के अभिन्न अंग हैं, जिसे प्रत्येक नागरिक को उपलब्ध कराया जाए।

वैश्विक वर्तमान परिदृश्य में मानवाधिकारों की स्थिति

आज मानवाधिकार केवल नैतिक विषय नहीं रहे। ये राजनयिक दबाव और कूटनीति का हथियार बन गए हैं। आर्थिक प्रतिबंधों का आधार बन जाते हैं और कभी-कभी तो सैन्य हस्तक्षेप का औचित्य भी बनते हैं। मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा को स्वीकार किए हुए दशकों बीत गए, लेकिन आज भी दुनिया के कई देशों में नागरिक अपने अधिकारों के लिए भीख नहीं, संघर्ष कर रहे हैं। यह विडंबना नहीं, बल्कि आधुनिक विश्व व्यवस्था पर एक कठोर आरोप है कि जहां मानवाधिकारों की सबसे अधिक बातें होती हैं, वहीं मनुष्य सबसे अधिक असुरक्षित है। यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि मानवाधिकार केवल कमजोर देशों की समस्या नहीं है। कई जगह वे सत्ता की सुविधा बन चुके हैं, जहां स्वीकार हों, तो मानवाधिकार और असहज हों, तो "राष्ट्रीय हित"। ईरान में मानवाधिकार उल्लंघन किसी युद्ध या आपातकाल का परिणाम नहीं, बल्कि राज्य की घोषित नीति बन चुका है। यहां प्रश्न वस्त्र का नहीं, बल्कि उस अधिकार का है कि क्या महिला को अपने शरीर, जीवन और अभिव्यक्ति पर अधिकार है या नहीं। अफगानिस्तान में बालिकाओं की शिक्षा पर प्रतिबंध केवल प्रशासनिक निर्णय नहीं, बल्कि भविष्य को अपराध घोषित करने जैसा है। जब किसी समाज की आधी आबादी को सोचने, पढ़ने और सपने देखने से रोका जाए, तो वहां मानवाधिकार नहीं केवल भय शेष रहता है। म्यांमार का अनुभव बताता है कि जहां लोकतंत्र छीना जाता है, वहां मानवाधिकार स्वतः दम तोड़ देते हैं। सेना के शासन में नागरिक स्वतंत्रता, न्याय और गरिमा तीनों औपचारिक शब्द बन जाते हैं। चाहे यूक्रेन हो या अन्य युद्धग्रस्त क्षेत्र, हर संघर्ष में सबसे पहले मानवाधिकार ही मारे जाते हैं। गोली किसी संविधान, किसी अंतर्राष्ट्रीय दस्तावेज या किसी दिवस को नहीं पहचानती। वर्तमान की वैश्विक सच्चाई यह है कि कुछ देश मानवाधिकारों का उल्लंघन करते हैं, कुछ देश मानवाधिकारों की राजनीति करते हैं और कुछ देश तो ऐसे हैं, जो मनवाधिकारों का उल्लंघन ही नहीं उस पर राजनीति भी करते हैं। इसी दोहरे मानदंड के कारण मानवाधिकार की अवधारणा पर ही प्रश्न उठते हैं। यह मानवाधिकार विमर्श की सबसे बड़ी कमजोरी है। विश्व के देश और राज्य जब अपने कर्तव्यों में विफल होते हैं, जब न्यायालय भी दबाव में होते हैं, जब नागरिक, महिलाएं या बच्चे असहाय होते हैं, तब मानवाधिकार ही अंतिम नैतिक सुरक्षा कवच बनकर प्रस्तुत होता है।

आज के दौर की प्रमुख मानवाधिकार चुनौतियां

डिजिटल युग में निजता का संकट, आतंकवाद और राष्ट्रीय सुरक्षा बनाम मानवाधिकार, शरणार्थी और प्रवासी अधिकार, नारी और बाल अधिकारों का व्यावहारिक हनन, सोशल मीडिया ट्रायल और सम्मान का अधिकार मानवाधिकार केवल सरकारों के लिए चुनौती नहीं, बल्कि समाज की भी सामूहिक परीक्षा है।

भारत और मानवाधिकार संतुलन की आवश्यकता

भारत जैसे विविध देश में मानवाधिकार का प्रश्न सदैव संतुलन से जुड़ा रहा है। अधिकार बनाम कर्तव्य, स्वतंत्रता बनाम सुरक्षा और अभिव्यक्ति बनाम उत्तरदायित्व। भारतीय न्यायपालिका ने समय–समय पर यह स्पष्ट किया है कि मानवाधिकार निरंकुश स्वतंत्रता नहीं, बल्कि एक गरिमामय अनुशासन है। मानवाधिकारों की रक्षा से संबंधित संयुक्त राष्ट्र के चार्टर में 48 देशों ने हस्ताक्षर किए थे, जिनमें भारत भी शामिल था, लेकिन भारत में मानवाधिकारों से जुड़ी एक स्वतंत्र संस्था बनाने में 45 वर्ष लग गए। 12 अक्टूबर 1993 में मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम 1993 के तहत राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC) का गठन किया गया था।

केवल उत्सव नहीं, चेतावनी

10 दिसंबर का दिन केवल भाषण देने और घोषणाएं करने के लिए नहीं है, बल्कि हमारे आत्मचिंतन के लिए भी महत्वपूर्ण है। क्या हम दूसरों के अधिकारों का सम्मान करते हैं? क्योंकि दूसरों के अधिकारों का सम्मान ही मानवाधिकार की पहली सीढ़ी है फिर चाहे वो पत्नी हो, पड़ोसी हो या आपका अधीनस्थ हो। दूसरा महत्वपूर्ण प्रश्न है कि क्या हम असहमति को सहर्ष स्वीकार कर पाते हैं? और फिर क्या शक्ति का उपयोग न्याय के लिए हो रहा है? यदि आप इन प्रश्नों के उत्तर से असहज हैं, तो मानवाधिकार दिवस का उद्देश्य अभी अधूरा ही है। मानवाधिकार न तो केवल पश्चिम की देन हैं, न ही केवल कानून की उपज। वे मनुष्यता की आत्ममानव सभ्यता की नैतिक रीढ़ हैं। भारत की संस्कृति, उसका संविधान और उसका दर्शन तीनों मानवाधिकारों को केवल अधिकार नहीं, बल्कि कर्तव्य आधारित गरिमा के रूप में देखते हैं।

मानवाधिकार दिवस का असल अर्थ यह नहीं कि हम दूसरों से क्या मांगते हैं, बल्कि यह है कि हम दूसरों को क्या देते हैं। यही भारतीय दृष्टि है, यही वैश्विक आवश्यकता है। भारतीय दर्शन में अधिकारों से पहले कर्तव्यों की चर्चा है। यही कारण है कि राजा को "राज–धर्म" का पालनकर्ता और सेवक कहा गया है न कि निरंकुश शासक। मानवाधिकार दिवस हमें स्वयं के किए गए प्रयासों के आत्मचिंतन को विवश करता है। क्या हम असहमति का सम्मान करते हैं? क्या हम कमजोर की आवाज सुनते हैं? क्या हम अपने अधिकारों के साथ कर्तव्यों को याद रखते हैं? यदि उत्तर ईमानदार नहीं है, तो मानवाधिकार दिवस अधूरा है।

साइबर इंश्योरेंस
डिजिटल ठगी से रक्षा का नया हथियार

पटना की अंबिका (बदला हुआ नाम) हर सुबह की तरह उस दिन भी मोबाइल पर बैंक बैलेंस चेक कर रही थीं। स्क्रीन पर नजर गई, तो दिल सहम गया–अकाउंट से 42,000 रुपये गायब थे। एक दिन पहले ही उन्हें एक ईमेल आया था, जिसमें बैंक अधिकारी बनकर केवाईसी अपडेट करने को कहा गया था। अंबिका ने बिना सोचे क्लिक किया और अपनी जानकारी भर दी। उन्हें लगा था कि यह बस एक साधारण प्रक्रिया है, लेकिन यह एक गहरा साइबर जाल था। घबराहट, पछतावा और डर–तीनों ने एक साथ घेर लिया। पर उनकी सबसे बड़ी राहत यह रही कि उन्होंने कुछ महीने पहले साइबर इंश्योरेंस ले रखा था। शिकायत दर्ज होते ही कंपनी ने तुरंत मदद शुरू की, राशि वापस मिली और तकनीकी टीम ने उनका अकाउंट सुरक्षित भी कर दिया। अंबिका जैसे लाखों लोग रोज डिजिटल दुनिया से जुड़े हैं। हम मानते हैं कि मोबाइल पर आ रही हर नोटिफिकेशन, हर मैसेज और हर लिंक सुरक्षित है, लेकिन हकीकत कहीं ज्यादा खतरनाक है। साइबर अपराधी हमारी एक छोटी–सी चूक का फायदा उठाकर हमारे पैसे, पहचान और निजता तक पर हमला कर देते हैं। ऐसे समय में साइबर इंश्योरेंस डिजिटल युग का वह कवच बनकर सामने आता है, जो न केवल हमारे नुकसान की भरपाई करता है, बल्कि हमें तकनीकी और मानसिक सहारा भी देता है।

डॉ. मोनिका राज
लेखिका

क्या है साइबर इंश्योरेंस और क्यों जरूरी है

साधारण शब्दों में कहें, तो साइबर इंश्योरेंस वह सुरक्षा पॉलिसी है, जो ऑनलाइन ठगी, हैकिंग, डेटा चोरी या किसी भी तरह के साइबर अपराध से होने वाले आर्थिक नुकसान की भरपाई करती है, लेकिन इसकी उपयोगिता सिर्फ पैसों की वापसी तक सीमित नहीं रहती। यह पॉलिसी आपको तकनीकी सहायता, कानूनी मदद, डेटा रिकवरी और जरूरत पड़ने पर मानसिक तनाव से निपटने के लिए काउंसलिंग जैसे महत्वपूर्ण सहारे भी प्रदान करती है। यानी डिजिटल दुनिया चाहे जितनी तेज और आधुनिक क्यों न हो, उसके साथ आने वाले छिपे जोखिमों को कम करने का जिम्मा साइबर इंश्योरेंस ही निभाता है। आज के समय में यह सुरक्षा इसलिए और जरूरी हो गई है, क्योंकि डिजिटल जीवन में हम हर दिन ऐसे सूक्ष्म खतरों से घिरे रहते हैं, जिनका अंदाजा भी नहीं होता। न जाने कौन-सा ईमेल असली है या नकली, कौन-सी लिंक सुरक्षित है या जाल बिछाकर बैठी है, किस ऐप में मालवेयर छुपा है या कब कोई ठग हमारी पहचान चुराकर उसका गलत इस्तेमाल कर ले। साइबर हमले अचानक होते हैं और एक पल में बड़ा नुकसान करा सकते हैं। ऐसे समय में साइबर इंश्योरेंस एक भरोसेमंद ढाल बनकर खड़ा होता है, जो मुसीबत में न केवल आपका आर्थिक सहारा बनता है, बल्कि डिजिटल जीवन के प्रति आपका आत्मविश्वास भी कायम रखता है।

डिजिटल सुविधा के साथ बढ़ता खतरा

ऑनलाइन काम जितने तेज हुए हैं, साइबर अपराधियों की चालें उससे भी ज्यादा चतुर हो गई हैं। डिजिटल सुविधाओं ने जिंदगी आसान की है, पर अनदेखे जोखिम कई गुना बढ़ा दिए हैं। एक फर्जी ईमेल या लिंक बैंक अकाउंट खाली कर सकता है, मालवेयर चुपचाप डेटा मिटा सकता है और ठग पहचान चुराकर आपके नाम पर लोन तक खुलवा सकते हैं। ये हमले अचानक होते हैं और एक क्लिक महीनों की मेहनत को खतरे में डाल सकता है। ऐसे समय में साइबर इंश्योरेंस अनिवार्य सुरक्षा ढाल बनकर आर्थिक नुकसान की भरपाई ही नहीं करता, बल्कि यह भरोसा भी देता है कि डिजिटल संकट में आप अकेले नहीं हैं।

किन-किन ऑनलाइन खतरों में देता है साइबर इंश्योरेंस मदद

- **अकाउंट से पैसे चोरी होना :** फिशिंग, स्पूफिंग या हैकिंग जैसे साइबर हमलों में एक गलत क्लिक आपका बैंक खाता खाली कर सकता है। ऐसे हालात में साइबर इंश्योरेंस आपका आर्थिक सहारा बनता है। आप जितनी राशि का कवर लेते हैं, नुकसान की भरपाई उसी सीमा तक की जाती है। यानी यदि आपने 5 लाख का कवर लिया है, तो उतने तक का वित्तीय सुरक्षा कवच आपको मिलता है।
- **पहचान की चोरी (Identity Theft) :** आजकल साइबर ठग आधार नंबर, पैन, मोबाइल नंबर और सोशल मीडिया प्रोफाइल जैसी संवेदनशील जानकारियां चुराकर आपकी नकली पहचान तैयार कर लेते हैं। इससे वे फर्जी लोन, क्रेडिट कार्ड या बैंक खाते खोलकर भारी नुकसान पहुंचा सकते हैं। ऐसे मामलों में साइबर इंश्योरेंस पहचान मॉनिटरिंग, डेटा रिकवरी, क्रेडिट स्कोर निगरानी, कानूनी सहायता और आय के नुकसान की भरपाई जैसे महत्वपूर्ण सहारे प्रदान करता है।
- **मालवेयर या डेटा ब्रीच :** मोबाइल, लैपटॉप या किसी भी स्मार्ट डिवाइस में मालवेयर घुसने पर फाइलें खराब हो सकती हैं, डिवाइस बेहद स्लो होकर काम करना बंदकर सकता है और महत्वपूर्ण डेटा भी मिट सकता है। ऐसे मामलों में साइबर इंश्योरेंस आईटी विशेषज्ञों की सहायता, डेटा रिकवरी, मालवेयर हटाने और सिस्टम को पहले जैसी सुरक्षित स्थिति में बहाल करने की सेवाएं प्रदान कर आपकी डिजिटल सुरक्षा सुनिश्चित करता है।
- **आपकी गलती से दूसरों को नुकसान (Third Party Liability) :** यदि आपके डिवाइस से अनजाने में भेजा गया वायरस किसी अन्य व्यक्ति को नुकसान पहुंचा दे, तो वह आप पर दावा कर सकता है। ऐसी स्थिति में साइबर इंश्योरेंस तीसरे पक्ष के नुकसान की भरपाई के साथ वकील की फीस और अन्य कानूनी खर्चों का भी सहारा देता है।
- **साइबर बुलिंग या स्टॉकिंग :** ऑनलाइन हैरसमेंट, खासकर बच्चों के लिए, गहरा मानसिक तनाव पैदा कर सकती है और उनके आत्मविश्वास पर असर डालती है। ऐसे मामलों में साइबर इंश्योरेंस काउंसलिंग, जरूरत पड़ने पर स्कूल बदलने का खर्च और सुरक्षा से संबंधित अन्य आवश्यक सहायता प्रदान कर परिवार का सहारा बनता है।
- **साइबर एक्सटॉर्शन :** हैकर्स अक्सर सिस्टम लॉक कर रैनसम की मांग करते हैं और संवेदनशील डेटा लीक करने की धमकी देते हैं। ऐसी स्थिति में साइबर इंश्योरेंस सिस्टम अनलॉक कराने, एक्सटॉर्शन से निपटने की प्रक्रिया, डेटा सुरक्षा सुनिश्चित करने और कुछ मामलों में रैनसम की राशि तक कवर करने में मदद करता है।
- **ऑनलाइन शॉपिंग का धोखा :** नकली वेबसाइट, फर्जी ऑफर और गलत क्यूआर कोड जैसी ऑनलाइन धोखाधड़ी अब बहुत आम हो गई है, जिससे लोग तुरंत आर्थिक नुकसान झेलते हैं। ऐसे मामलों में साइबर इंश्योरेंस सीधे हुए नुकसान की भरपाई करता है। बशर्ते घटना की जानकारी 48 घंटे के भीतर बैंक को दी जाए और रिफंड लेने का प्रयास किया गया हो।
- **स्मार्ट होम डिवाइस में साइबर अटैक :** आज कई घर स्मार्ट लॉक, स्मार्ट कैमरा, स्मार्ट लाइटिंग और होम ऑटोमेशन जैसे उपकरणों पर निर्भर हो चुके हैं, लेकिन इनमें मालवेयर घुसने पर पूरा सिस्टम अचानक बिगड़ सकता है। ऐसे मामलों में साइबर इंश्योरेंस मरम्मत, सिस्टम को दोबारा सामान्य स्थिति में लाने और तकनीकी खर्च की भरपाई जैसी सहायता प्रदान करता है।

किन स्थितियों में नहीं मिलता है इंश्योरेंस

साइबर इंश्योरेंस हर नुकसान नहीं भरता। कुछ खास स्थितियां कवर में नहीं आतीं–

- पॉलिसी लेने से पहले मौजूद कोई समस्या
- जानबूझकर की गई गलती या फ्रॉड
- बिजनेस से संबंधित साइबर घटना (पर्सनल प्लान में)
- डिवाइस का फिजिकल डैमेज
- शेयर/क्रिप्टो ट्रेडिंग का नुकसान
- क्रिप्टोकरेंसी का खो जाना
- परिवार के अंदर आपसी दावा
- युद्ध या किसी सैन्य घटना से नुकसान
- जुआ/सट्टेबाजी से नुकसान

आज के दौर में डिजिटल इंडिया में साइबर इंश्योरेंस अब विकल्प नहीं, आवश्यकता है। हम ऑनलाइन दुनिया में जितने सक्रिय हैं, उतना ही जरूरी है कि हम अपने आपको सुरक्षित रखें। साइबर इंश्योरेंस न सिर्फ आर्थिक सुरक्षा देता है, बल्कि डिजिटल हमलों के बाद उठने वाले तनाव और परेशानियों में भी साथ खड़ा रहता है। डिजिटल जीवन का विस्तार हो रहा है और उसके साथ बढ़ते जोखिमों से बचने के लिए साइबर इंश्योरेंस एक समझदार, जिम्मेदार और जरूरी कदम है।

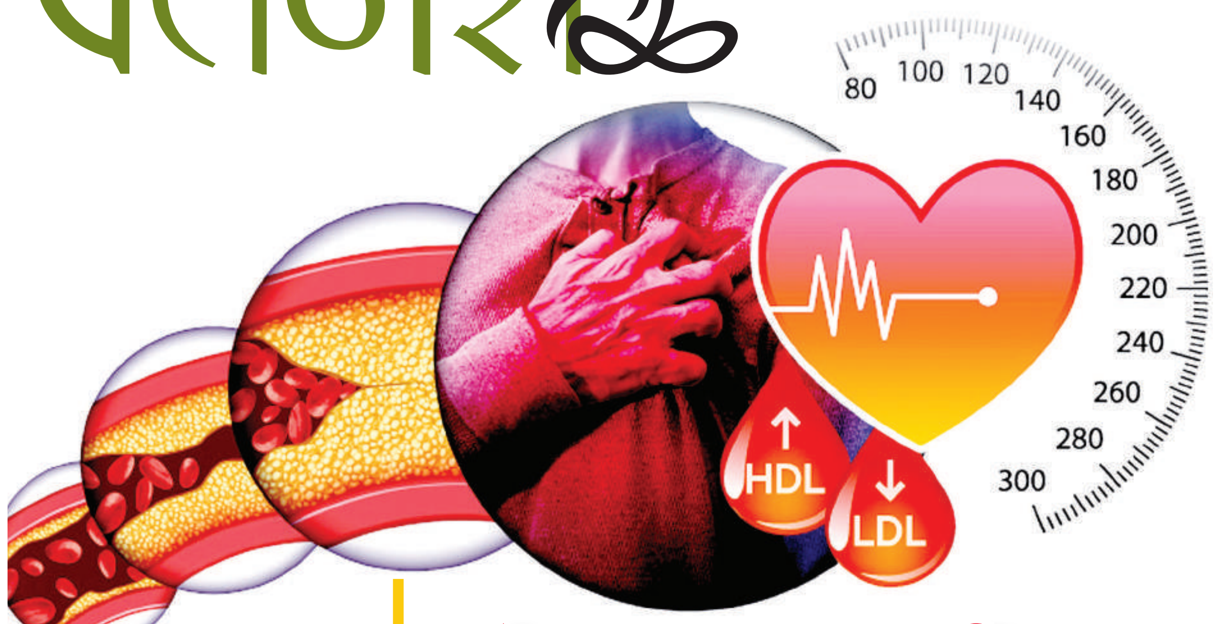

कैसे ठीक रखें कोलेस्ट्रॉल को

- सुबह 1 गिलास गुनगुना पानी और नींबू लें। नींबू में मौजूद सिट्रिक एसिड वसा को घोलने में मदद करता है। आयुर्वेद में इसे "आमनाशक" कहा गया है यानी चिपचिपाहट हटाने वाला।
- दिन में 5 बादाम+1 अखरोट- HDL बढ़ाने का आयुर्वेदिक-वैज्ञानिक कॉम्बो, इसमें मौजूद हेल्दी फैट और विटामिन-ई खराब कोलेस्ट्रॉल को नूट्लाइज करते हैं। यह रेयर टेस्टटेड कॉम्बो है।
- मेथी के दाने रातभर भिगोकर सुबह खाना, इस मेथी LDL और ट्राइग्लिसराइड्स दोनों कम करती है। ये बात कई शोधों में साबित है। इसमें ओमेगा-3 पॉली अनसैचुरेटेड फैट्स होते है, जिससे यह खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करता है।
- लहसुन खाली पेट लेना- धमनियों से चर्बी हटाने में चमत्कारी लहसुन में एलिसिन नामक तत्व जमा वसा को घोलकर रक्त प्रवाह तेज करता है। 1-2 कली सुबह दूध के साथ अच्छी तरह मुंह में चबाने के बाद निगलना आयुर्वेद में 'रसोन क्षीरपाक' अत्यंत प्रभावी औषधि है।
- रात में 1 कप गुनगुना हल्दी वाला दूध लेना बहुत फायदेमंद होता है। यह धमनियों की सूजन कम करती है और ऑक्सीडेशन रोकती है।

  इससे प्लाक बनने की गति धीमी होती है। इसमें पाया जाने वाला 'कर्कुमिन' शरीर की चर्बी को नियंत्रित करने में सर्वश्रेष्ठ है।
- प्रतिदिन 20 मिनट तेज वॉक- HDL को बढ़ाने का सबसे सस्ता तरीका, रिसर्च कहती है कि सिर्फ 20 मिनट तेज चलने से गुड कोलेस्ट्रॉल (HDL) 5-7 प्रतिशत बढ़ जाता है।
- खाना हमेशा 70 प्रतिशत पेट भरकर-अधिक खाना कोलेस्ट्रॉल बढ़ने का सबसे बड़ा कारण।

  आयुर्वेद का सिद्धांत है- "अतिमात्रा हि भोजना-मेदवृद्धि का मूल कारण।"
- हफ्ते में दो बार सत्तू या जौ का शर्बत, जौ प्राकृतिक "चर्बी-शोषक" कहा गया है। यह ट्राइग्लिसराइड्स को तेजी से गिराता है।
- तली चीजें और मिठाई कभी एक साथ न खाएं, दोनों मिलकर रक्त को चिपचिपा बनाते हैं और इंसुलिन स्पाइक को तेज करते हैं। इसे शरीर तुरंत ट्राइग्लिसराइड्स में बदल देता है।
- धनिया- रात में 1 चम्मच धनिया भिगोकर सुबह उबालकर पिएं। यह लीवर की सफाई करता है और रक्त की चर्बी को संतुलित रखता है। आयुर्वेद में इसे "रक्त-शोधक" माना गया है।

हेल्थ अलर्ट: खराब और अच्छा कोलेस्ट्रॉल

आमतौर पर लोग कोलेस्ट्रॉल को केवल हानिकारक मानते हैं, मगर वास्तविकता यह है कि यह शरीर के लिए जरूरी चर्बी है। कोलेस्ट्रॉल बढ़ गया तो खतरा, लेकिन कम लोग जानते हैं कि यह हार्मोन विशेषकर पुरुष एवं स्त्रियों के जीवन रक्षक स्टेरॉयड हार्मोन, सेक्स हार्मोन आदि बनाता है और कोशिकाओं की सुरक्षा करता है। समस्या तब शुरू होती है, जब यह अपनी सीमाओं से बाहर चला जाता है। यानी-संतुलन बिगड़ा, स्वास्थ्य बिगड़ा। आयुर्वेद में इसे "रक्त मेद दुष्टि" कहा गया है-जहां शरीर में 'मेद' (फैट) की गुणवत्ता खराब हो जाती है और रक्त को चिपचिपा बनाकर उसकी गति धीमी कर देती है।

क्या कहता है आयुर्वेद

"पथ्य ही औषधि है।" यानी अगर खाना सही कर लिया, तो 70 प्रतिशत काम आप वहीं जीत लेते हैं। कोलेस्ट्रॉल दुश्मन नहीं-असंतुलन दुश्मन है कोलेस्ट्रॉल शरीर का जरूरी "कर्मचारी" है, लेकिन जब इसका कामकाज बिगड़ता है, तो यह धीरे-धीरे दीवारें चढ़कर दिल की राहें बंद करने लगता है। सही खाना, सही समय पर खाना, और सही जीवनशैली यही इसकी चाबी है।

कोलेस्ट्रॉल के प्रकार

- LDL (बेड कोलेस्ट्रॉल) यह धमनियों की दीवारों में चिपकता है और धीरे-धीरे प्लाक बनाता है।
- ज्यादा बढ़ जाए तो दिल की नलियां संकरी हो जाती हैं।
- HDL (गुड कोलेस्ट्रॉल) यह शरीर का सफाईकर्मी है।
- LDL को उठाकर लिवर तक पहुंचाता है ताकि शरीर उसे बाहर कर सके।
- ट्राइग्लिसराइड्स आपकी बॉडी में अतिरिक्त खाई गई शक्कर और कार्ब्स यहीं जमा होते हैं। सर्दियों में मीठा ज्यादा खाने से ये अक्सर तेजी से बढ़ जाते हैं।
- कोलेस्ट्रॉल बढ़ने के कई कारण होते हैं। गलत खानपान जैसे तली चीजें, अधिक वसा वाले खाद्य पदार्थ, मीठा, जंक फूड और मैदे से बने उत्पाद LDL बढ़ाते हैं। सुस्त जीवनशैली और व्यायाम की कमी भी HDL को कम करने और वसा जमा करने में बड़ी भूमिका निभाती है। तनाव, मोटापा, धूम्रपान, शराब तथा आनुवंशिक कारण भी इस समस्या को बढ़ाते हैं। जब कोलेस्ट्रॉल बढ़ जाता है, तो शरीर में थकान, भारीपन, सांस फूलना, सीने में दर्द, ब्लड प्रेशर बढ़ना, फैटी लिवर और दिल से जुड़े रोग जैसी समस्याएं सामने आने लगती हैं। धीरे-धीरे धमनियों में प्लाक जमा होने लगता है, जिससे रक्त प्रवाह रुकावट का कारण बनता है और हार्ट अटैक का खतरा बढ़ जाता है।

क्यों खतरनाक है कोलेस्ट्रॉल बढ़ना

- धमनियां धीरे-धीरे "जंग" खाती हैं -LDL का अतिरिक्त जमा होना ऑक्सीडेट होकर जंग की तरह दिल की नलियों को कठोर बना देता है। इसे वैज्ञानिक भाषा में एथेरोस्क्लेरोसिस कहा जाता है, जो हार्ट अटैक की जड़ है।
- दिमाग तक ऑक्सीजन का प्रवाह कम हो जाता है- कोलेस्ट्रॉल जमा होने से ब्रेन-फॉग, भूलने की आदत और सिर में भारीपन बढ़ता है। यह संकेत है कि दिमाग तक खून सही से नहीं पहुंच रहा।
- दिल का दबाव अचानक बढ़ता है- दिल को संकरी नलियों से खून पंप करने में ज्यादा ताकत लगती है, इससे बीपी बढ़ता है और हार्ट अटैक का खतरा कई गुना तक बढ़ जाता है।

जीवनशैली बदलाव भी उतना ही महत्वपूर्ण है, जिसमें रोजाना 30-45 मिनट तेज चलना, योग और प्राणायाम करना, वजन नियंत्रित रखना, तनाव घटाना और पर्याप्त नींद लेना शामिल है। इन उपायों से LDL कम और HDL बढ़ने लगता है, जिससे हृदय की सुरक्षा बेहतर होती है और शरीर ऊर्जा से भरपूर बना रहता है।

समग्र रूप से देखा जाए तो कोलेस्ट्रॉल शरीर का दुश्मन नहीं, बल्कि आवश्यक तत्व है। इसका असंतुलन ही रोगों का कारण बनता है। यदि व्यक्ति संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, तनाव रहित जीवन और सही आयुर्वेदिक दृष्टिकोण अपनाता है, तो वह बिना दवाओं के भी अपने कोलेस्ट्रॉल स्तर को नियंत्रित रख सकता है। आयुर्वेदिक चिकित्सा कई मामलों में सबसे सुरक्षित और असरदार सिद्ध होता है, जिससे हृदय और संपूर्ण स्वास्थ्य दोनों का दीर्घकालिक संरक्षण संभव हो पाता है।

हृदय स्वास्थ्य के क्षेत्र में **रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सालय, बरेली,** महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यहां चिकित्सक रोगियों में कोलेस्ट्रॉल बढ़ने के कारणों को संपूर्ण प्रकृति, आहार-अभ्यास, पाचन शक्ति, जीवनशैली और कफ-मेद दोषों के संदर्भ में समझते हैं। अस्पताल में औषधियों का वैज्ञानिक एवं नियंत्रित उपयोग किया जाता है, पंचकर्म विभाग में उद्वर्तन, स्वेदन, बस्ती और विशेष तेल अभ्यंग जैसे उपचार उपलब्ध हैं, जो शरीर से अतिरिक्त कफ-मेद को घटाकर चयापचय (मेटाबॉलिज्म) बढ़ाते हैं। संस्थान नियमित रूप से हृदय-स्वास्थ्य जागरूकता शिविर, लिपिड प्रोफाइल जांच, मोटापा प्रबंधन परामर्श और जीवनशैली सुधार कार्यक्रम भी चलाता है, जिससे मरीजों को भोजन, व्यायाम, योग, प्राणायाम और तनाव-नियंत्रण पर व्यक्तिगत मार्गदर्शन मिलता है।

रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सालय का उद्देश्य दवाओं के बजाय रोगी की जीवनशैली को सुधारकर कोलेस्ट्रॉल के मूल कारण पर कार्य करना है, ताकि लोग दीर्घकाल तक स्वस्थ हृदय के साथ बेहतर जीवन जी सकें।

आयुर्वेदिक दिनचर्या: स्वास्थ्य का रहस्य

साक्षी मित्तल

आयुर्वेदिक चिकित्सक

आयुर्वेद हमेशा एक बात बहुत स्पष्ट रूप से सिखाता है। अगर आपकी दिनचर्या सही है, तो आपका स्वास्थ्य हमेशा सही रहेगा। दिनचर्या का मतलब है अपने दिन को प्रकृति के अनुसार जीना। छोटी-छोटी आदतें भी बहुत बड़ा बदलाव लाती हैं। सूर्योदय से पहले उठें या जितना जल्दी हो सके उठें। यह एक आदत आपका मूड, पाचन, ऊर्जा सब कुछ सुधार देती है। सूर्योदय से पहले उठना कई लोगों के लिए चुनौतीपूर्ण होता है, इसलिए शुरुआत में रोज 20 मिनट पहले उठें और धीरे-धीरे इस समय को बढ़ाएं। इस समय प्रकृति शांत होती है, इसलिए आपका मन भी शांत होता है।

- गुनगुने पानी से दिन की शुरुआत करें, सुबह खाली पेट एक कप गुनगुना पानी (इससे ज्यादा नहीं) अग्नि यानी पाचन शक्ति को जागृत करता है और पेट को स्वस्थ रखता है।
- इंद्रियों की सफाई करें- तांबे की जीभ साफ करने वाली से जीभ साफ करें।
- चेहरा और आंखें धोएं- शरीर की जरूरत के अनुसार नाक में 1-2 बूंद घी या तेल डालें, यह आदत एलर्जी, सिरदर्द को कम करती है और सांस लेने की क्षमता बढ़ाती है।
- अभ्यंग- तेल मालिश बस 5 मिनट, गर्म तेल पूरे शरीर पर लगाएं या कम से कम पैरों, जोड़ों और सिर पर। यह नसों को शांत करता है, नींद सुधारता है और तुरंत वात को संतुलित करता है।
- हल्का व्यायाम- अधिक जोर लगाने की जरूरत नहीं। सूर्य नमस्कार या हल्की तेज चाल से 10-15 मिनट चलना बस इतना काफी है कि शरीर हल्का गर्म हो जाए।
- गर्म पानी से स्नान और साधारण नाश्ता- गुनगुने पानी से स्नान शरीर को तरोताजा करता है, लेकिन बालों को कभी भी गर्म पानी से न धोएं। हमेशा सामान्य नल के पानी का उपयोग करें।
- नाश्ता हल्का होना चाहिए कुछ गरम, ताजा और पचने में आसान। पैकेट वाला और ठंडा खाना सुबह के समय न खाएं।
- दोपहर का खाना सबसे मुख्य भोजन- आपकी अग्नि दोपहर में सबसे अधिक मजबूत होती है। यह दिन का सबसे भारी भोजन होना चाहिए। दाल, रोटी, चावल, सब्जियां, घी सब संतुलित मात्रा में लें। यह पाचन को बहुत स्थिर बनाता है।
- धीमी शामें अपने जैविक घड़ी के साथ तालमेल बैठाएं- सूर्यास्त के बाद स्क्रीन टाइम कम करें। हल्का टहलें, संगीत सुनें, परिवार से बात करे। शरीर को आराम की ओर जाने दें।
- जल्दी रात का भोजन अपनी भूख का आधा खाएं-रात का खाना हल्का रखें और कोशिश करें कि 9 बजे से पहले कर लें। यह एक आदत नींद, त्वचा, पाचन और वजन सबकुछ सुधार देती है।
- खाने के बाद लंबी वॉक नहीं आयुर्वेद कहता है शतपद, यानी सिर्फ सौ कदम। सोने से पहले- पैरों के तलवों पर घी लगाएं, फोन दूर रखें और जल्दी सो जाएं। आयुर्वेद कहता है अच्छी नींद ही सबसे अच्छी दवा है।

साप्ताहिक राशिफल

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी
ज्योतिषाचार्य, कानपुर

मेष — यह सप्ताह राहत भरा रहने वाला है। यदि बीते कुछ समय से किसी के साथ अनबन चल रही थी तो किसी व्यक्ति विशेष की मदद से आपके रिश्ते पटरी पर आ जाएंगे। करियर-कारोबार की दृष्टि से यह सप्ताह ठीक-ठाक जाने वाला है। इस संबंध में की गई यात्राएं शुभ और मनचाहा फल देने वाली साबित होंगी।

वृष — इस सप्ताह हर कदम फूंक-फूंक कर आगे बढ़ाने की आवश्यकता रहेगी। सावधानी हटी तो दुर्घटना घटी। इस बात को आपको हर समय याद रखना होगा। आप किसी पर आंख मूंदकर विश्वास न करें और अहम फैसले बहुत सोच-समझकर लें।

मिथुन — इस सप्ताह आपको अपने कार्य को योजनाबद्ध तरीके से समय पर करने का प्रयास करना चाहिए अन्यथा आपको मिलने वाले लाभ और सफलता का प्रतिशत कम हो सकता है। आपकी महत्वाकांक्षा बढ़ी हुई रहेगी। हालांकि करियर और कारोबार की आपाधापी के बीच आपको शारीरिक एवं मानसिक थकान बनी रह सकती है।

कर्क — इस सप्ताह आपको बहुप्रतीक्षित शुभ समाचार की प्राप्ति संभव है। यदि आप लंबे समय से पदोन्नति अथवा मनचाहे स्थान पर तबादले के लिए प्रयासरत थे तो आपकी यह मनोकामना पूरी हो सकती है। बेरोजगार लोगों को रोजगार की प्राप्ति होगी।

सिंह — यह सप्ताह शुभता और सौभाग्य लिए हैं। इस सप्ताह आप अपनी जीवन को खूब आनंद उठाते हुए नजर आएंगे। सप्ताह की शुरुआत में आपको किसी धार्मिक अथवा मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर प्राप्त होगा। इस दौरान आपकी लंबे अरसे बाद किसी प्रिय व्यक्ति के साथ मुलाकात संभव है।

कन्या — यह सप्ताह शुभता लिए हुए है। सप्ताह की शुरुआत करियर और कारोबार की दृष्टि से अनुकूल रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में सीनियर और जूनियर दोनों का पूरा सहयोग मिलेगा। सीनियर आपके कामकाज से प्रसन्न होकर कोई अहम जिम्मेदारी सौंप सकते हैं। व्यवसाय के संबंध में की गई यात्राएं अत्यंत ही शुभ रहने वाली है।

तुला — इस सप्ताह की शुरुआत में किसी भी कार्य को असमंजस की स्थिति में करने से बचना चाहिए। इस सप्ताह आप यदि आप किसी चीज भाग्य भरोसे छोड़ते हैं तो आपको उसमें खासा नुकसान झेलना पड़ सकता है। आपको कामकाज में कुछेक अड़चनों का सामना करना पड़ सकता है।

वृश्चिक — इस सप्ताह आपको किसी भी काम में लापरवाही बरतने और नियमों का उल्लंघन करने से बचना होगा अन्यथा बेवजह की आर्थिक औरमानसिक परेशानी झेलनी पड़ सकती है। घर के किसी बुजुर्ग सदस्य की खराब सेहत और परिवार में भाई-बहनों के साथ किसी बात को लेकर हुआ मतभेद आपकी चिंता का कारण बनेगा।

धनु — यह सप्ताह जरा ज्यादा ही भागदौड़ भरा रह सकता है। यदि आप इस सप्ताह अपने काम को समय पर योजनाबद्ध तरीके से करते हैं तो आपको उम्मीद से कहीं ज्यादा सफलता और लाभ प्राप्त हो सकता है। इस सप्ताह करियर-कारोबार के सिलसिले में अपने जन्मस्थान से कहीं दूर यात्रा करनी पड़ सकती है।

मकर — यह सप्ताह थोड़ा उतार-चढ़ाव लिए रहने वाला है। सप्ताह की शुरुआत में आपके सिर पर अचानक से कुछ बड़े खर्च आ सकते हैं, जिसके चलते आपका बना बनाया बजट बिगड़ सकता है। यह पूरा सप्ताह खर्चीला रहने वाला है। आर्थिक संतुलन को बनाए रखने के लिए आपको इस सप्ताह अधिक मेहनत और प्रयास करने होंगे।

कुंभ — यह सप्ताह सामान्यत: अनुकूल फलप्रद रहने वाला है। इस सप्ताह आप किसी नई योजना में धन निवेश कर सकते हैं, जिसका भविष्य में आपको लाभ प्राप्त होगा। सत्ता-सरकार से जुड़े लोगों के साथ आपके संबंध मजबूत होंगे। इस सप्ताह आपको दूर स्थान अथवा विदेश आदि से करियर-कारोबार को लेकर बड़ा अवसर मिल सकता है।

मीन — यह सप्ताह राहत भरा रहने वाला है। इस सप्ताह आपके द्वारा किए प्रयासों के सकारात्मक फल मिलते हुए नजर आएंगे। इस सप्ताह आपकी रुचि रचनात्मक कार्यों में रहेगी। आप करियर-कारोबार को चमकाने के लिए आप दो कदम आगे बढ़कर कार्य करेंगे। इस संबंध में लंबी अथवा छोटी दूरी की यात्रा भी संभव है।

ठंड में राहत का सहारा

गुनगुनी धूप और स्वास्थ्य

सर्दियां शुरू होते ही ज्यादातर लोग जोड़ों के दर्द और शरीर की नसों में होने वाली अकड़न-जकड़न की शिकायत करने लगते हैं। बहुत से लोगों का तो खून भी गाढ़ा होने लगता तो वे उसकी वजह से शरीर में अकड़न-जकड़न का अनुभव करते और परेशान रहते हैं। दरअसल इन दिनों शीत लहर व तापमान में गिरावट होने के कारण सभी के शरीर में रक्त का संचार सही ढंग से नहीं हो पाता, तो उसकी वजह से सुन्नपन और ऐंठन आदि भी महसूस होती है। जैसे-जैसे सर्द हवा बढ़ती जाती है वैसे-वैसे ही लोगों को उसकी वजह से अपने शरीर के जोड़ों में भी तनाव और खिंचाव महसूस होता है तो वे इसे लेकर दर्द में तड़पते रहते हैं।

इंदु सिंह

लेखिका

सभी को इन दिनों सुबह की धूप में कुछ देर जरूर बैठना चाहिए। हड्डियों और रीढ़ में धूप की गर्माहट को धीरे-धीरे उतरने दें, इससे हर एक नस में गर्माहट पहुंचती और नसे धीरे-धीरे खुलने लगती हैं। इसके अलावा घुटने व उंगलियों के जोड़ों को भी आराम अनुभव होता और रक्त संचार में भी कुछ तीव्रता आती, जिससे संपूर्ण शरीर में एक नूतन ताजगी भर जाती है।

सर्दियों में धूप सबको भली लगती और सुबह की हल्की गुनगुनी धूप तो प्रकृति का वरदान है, जिसमें नहाकर शरीर का रोम-रोम नाचने लगता है। जैसे-जैसे धूप के कण त्वचा के छिद्रों से धीरे-धीरे भीतर समाते हैं वैसे-वैसे ही हमारे शरीर की हर एक नस में ऊर्जा व ऊष्मा का संचार होता, जो तन को सर्दियों में गर्मियों के अहसास से जागृत कर देता है। इसके अलावा हर रिसर्च में यही सामने आता है कि लोगों के शरीर में विटामिन-डी की कमी भी पाई जा रही, जिसकी वजह से उन्हें हड्डियों के जोड़ों व शरीर की नसों में तकलीफ होने लगती है। यह भी हम सब बेहतर तरीके से जानते हैं कि सूरज ही विटामिन-डी का प्राकृतिक स्त्रोत, जिसमें कुछ समय बिताने से हमारे शरीर को प्राकृतिक ढंग से विटामिन-डी प्राप्त होता है, जिसकी पूर्ति भले हम सप्लीमेंट्स लेकर कर सकते हैं, पर यदि उसे सही तरीके से प्राप्त करने का प्रयास करें, तो यह हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छा हो सकता है। वैसे भी आयुर्वेद में धूप स्नान की महिमा का वर्णन किया गया, जो कहता है कि, सुबह की हल्की धूप हमारे तन-मन दोनों के लिए ही बेहद जरूरी और रोज यदि कुछ समय इसे लिया जाए, तो हड्डियां मजबूत बनी रहती हैं।

सर्दियों में तो धूप लेना वैसे भी सबको भला लगता पर, समय अभाव का बहाना करके बहुत से लोग इससे बचते हैं। अतः सबको सुबह जितना संभव हो समय निकालने का प्रयास करना चाहिए। समय का न होना कहकर इससे बचना हमारे लिए दिक्कतें पैदा कर सकता है। बेहतर है कि समय का ऐसा प्रबंधन करें कि तन और मन धूप में नहाकर अपने आपको तरोताजा महसूस कर सकें।

वर्ग पहेली (काकुरो)

काकुरो पहेली वर्ग पहेली के समान हैं, लेकिन अक्षरों के बजाय बोर्ड अंकों (1 से 9 तक) से भरा है। निर्दिष्ट संख्याओं के योग के लिए बोर्ड के वर्गों को इन अंकों से भरना होगा। आपको दी गई राशि प्राप्त करने के लिए एक ही अंक का एक से अधिक बार उपयोग करने की अनुमति नहीं है। प्रत्येक काकुरो पहेली का एक अनूठा समाधान है।

काकुरो 37

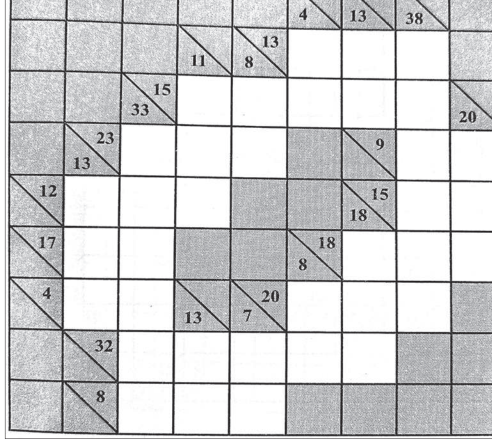

काकुरो 36 का हल

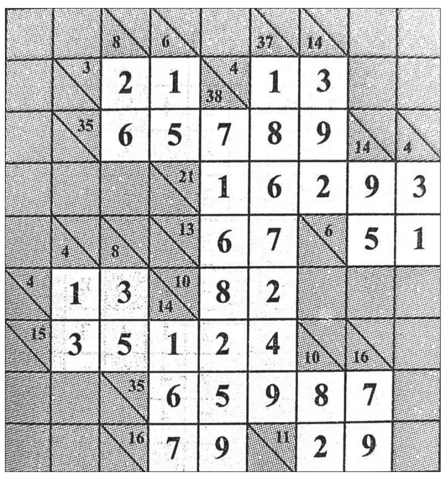

शब्द संसार

कहानी

एक थी मालती

मालती सत्रह बरस की थी-उजली, शांत और अल्हड़। उसकी आंखों में कुछ ऐसा था, जो किसी को भी थाम ले, लेकिन उनमें छिपा एक दर्द कोई नहीं पढ़ पाता था। बनखेड़ी गांव की यह लड़की अपनी पढ़ाई में अव्वल थी, पर अपने अंदर जैसे किसी अनकहे डर का बोझ उठाए फिरती थी।

उसकी मां विधवा थी-दिन-रात दूसरों के घरों में काम करके बेटी को पढ़ा रही थी। मालती को कॉलेज भेजना उसके लिए किसी तपस्या से कम नहीं था। गांव की औरतें अक्सर कहतीं- "लड़की को इतना पढ़ाकर क्या करोगी? आखिर तो ब्याह ही करना है।" पर मां बस मुस्कुराकर रह जाती। उसे उम्मीद थी कि मालती उसका अधूरा सपना पूरा करेगी।

इसी बनखेड़ी में कुछ लड़के 'मोबाइल गैंग' के नाम से मशहूर थे। दिनभर वीडियो बनाते और यूट्यूब पर डालते। उनमें एक था विनोद, जो अपने चैनल की बदौलत गांव में 'सेलिब्रिटी' बन गया था। स्मार्टफोन, बाइक, ब्रांडेड कपड़े और रोज नई वीडियो-यही उसकी पहचान थी।

वाजिद हुसैन सिद्दीक़ी
कहानीकार

विनोद की नजरे अक्सर मालती पर टिक जाती। कॉलेज जाते-आते वह उसे देखता, बातें करने की कोशिश करता। एक दिन उसने मौका पाकर कहा- "मालती, एक बात कहूं?" "कहो।"

"तुम बहुत समझदार हो, पर मुझे लगता है, तुम्हारी मां को तुम्हारी पढ़ाई का खर्च उठाने में मुश्किल होती होगी।"

मालती चौंकी। उसकी आवाज धीमी पड़ गई- "हां, कुछ हद तक सही कहा तुमने।"

विनोद ने चालाकी से मुस्कुराते हुए कहा- "तुम बहुत सुंदर हो, तुम्हारी आंखें नशीली हैं। अगर तुम यूट्यूब पर अपने वीडियो डालो, तो लोग तुम्हें स्टार बना देंगे। दौलत तथा शोहरत तुम्हारे क़दम चूमेगी।

"मालती ने झिझकते हुए कहा -पर मेरे पास मोबाइल नहीं है, और न ही इतनी खर्च करने की औकात।" विनोद हंसा- "वह मेरी ज़िम्मेदारी है।"

कुछ दिन बाद उसने मालती से कहा- "देखो, मैंने यूट्यूब से अच्छी खासी आमदनी की है। यही खुशी तुमसे साझा करने का मन है।" उसने खुशी में एक मोबाइल मालती को उपहार में दिया- "मेरे लिए बनखेड़ी का तुम मस्त वीडियो बनाना-जब अपलोड करने का टाइम हो, मैं मिलुंगा वहीं-जहां कोई आता-जाता नहीं।"

पहली बार मालती के चेहरे पर सपनों की लहर दौड़ी। उसने मोबाइल को चोली में छुपा लिया। मालती उन्हीं ख्यालों में खोई थी कि उसका मोबाइल बज उठा- "मैं आ रही हूं।" और फोन कट हो गया था। मालती ने इतनी चतुराई से फोन निकाला, अंदर डाला। शायद ही उस पर किसी की नजर गई हो।

उसने अपना रूप-रंग संवारा, वेशभूषा बदली और अगले ही पल वह बनखेड़ी से गायब हो चुकी थी।

"किसी ने देखा तो नहीं तुम्हें आते हुए।" विनोद ने चांद की मधुर रोशनी में मालती से कहा। धीरे-धीरे कॉलेज छूटने लगा। मालती हर दूसरे दिन विनोद से मिलती। फिर यह उनका रोज का शगल बन गया था। दोनों नहर किनारे, खेतों की पगडंडियों पर वीडियो बनाते- डांस, रील्स, हंसी मजाक। विनोद उससे बार-बार कहता, "देखना, एक दिन तेरे लाखों फॉलोअर्स होंगे।" पर उसे नहीं बताया कि वह वीडियो कैसे और किन चैनलों पर अपलोड हो रहे हैं।

मालती के हाव-भाव, कपड़े और बोलने का तरीका बदलने लगा। अब वह गांव की लड़की नहीं, किसी अजनबी ग्लैमर की दुनिया का हिस्सा लगती थी।

फिर एक दिन किसी ने उसकी मां से कहा- "तेरी बेटी कॉलेज नहीं जा रही। रोज उस विनोद के साथ घूमती रहती है।"

मां का चेहरा राख हो गया। रात को उसने मालती से पूछा- "बेटी गांव वाले बातें बना रहे हैं। अगर तू चाहे तो मैं गिरधर से तेरा विवाह कर दूं, वही जो परचून की दुकान चलाता है। अच्छा लड़का है।"

मालती ने दृढ़ आवाज में कहा, "अब शादी के लिए 'जी और घी' लगाने का समय नहीं रहा। मैं अब वह नहीं, जो पुराने ढर्रे पर चलूं, जो सच्ची ताकत और समझदारी रखेगा, वही मेरा जीवनसाथी बनेगा।

मां के होंठ कांप उठे। आंखों में आंसू ढलके, पर शब्द नहीं निकले। कुछ दिन बीते। एक शाम गांव में शादी थी। डीजे की धुन पर सब झूम रहे थे, पर मालती का मन कहीं और था। वह बार-बार फोन देखती। तभी विनोद का मैसेज आया- "आज पूरा चांद खिला है। चलो नहर किनारे- कुछ रील्स बनाते हैं।"

मालती बिना किसी को बताएं चुपचाप निकल गई। नहर के पास चांदनी फैल रही थी। हवा में ठंडक थी, लेकिन उसका दिल तेजी से धड़क रहा था। वहां विनोद पहले से मौजूद था- साथ में उसके दो दोस्त भी।

विनोद ने मुस्कुराकर कहा- "डर क्यों रही हो, हम बस शूट करेंगे। पर उसकी आंखों में वह चमक नहीं थी, जो पहले हुआ करती थी।

सुबह जब सूरज उगा, नहर के पानी में एक शव तैर रहा था। गांव के लोग जमा थे। पुलिस आई। इंस्पेक्टर ने पूछा-"किसी को इस लड़की के बारे में जानकारी है?"

मौन छा गया। कोई नहीं बोला कि यह गांव की बेटी है। इस समय शव की चोली से मोबाइल बज उठा। महिला कांस्टेबल ने झुककर मोबाइल निकाला। स्क्रीन पर नाम चमका, "अम्मा कॉलिंग..."

कांस्टेबल ने फोन उठाया, पर बोल नहीं पाई। दूसरी ओर से बस एक थकी हुई मां की आवाज आई- "मालती... तू लौट क्यों नहीं रही?"

हवा में एक अजीब सन्नाटा था। नहर की सतह पर चांदनी थरथरा रही थी- मानो वह भी उसे मासूम चेहरे को ढक लेना चाहती हो। भीड़ में से किसी ने व्यंग्य किया- "देखो, यही है पाश्चात्य सभ्यता का असर।"

कविता/गीत

स्लीप डाइवोर्स

हां आज एक नया फैशन बन
गया है
जोड़ों के बीच, मुख्य कारण
दोनों में से किसी एक का
बाहर प्रेम संबंध
जब कोई एक का बाहर रिश्ता
मजबूत होने लगता है
तब साथ ही घर के भीतर संबंध
खोकला होने लगता है
एक दिन में ही नहीं संपन्न हो
जाता है स्लीप डायवोर्स
पहले व्यक्ति मन से अलग
होता है
फिर बगल में सोने से कोफ्त
होती है
उसे कोफ्त को कम करने के
लिए दूर सोना शुरू कर देता है
और फिर एक समय बाद
ये आदत में शामिल हो जाता है
दोनों तरफ से स्वीकार कर
लिया जाता है
स्त्री पहले तो सकुचाती है
फिर स्वीकार कर लेती है
हक जताना छोड़ देती है
अब दुनिया के समक्ष
दोनों साथ हैं, पर अलग हैं
एक ही छत के नीचे, पर दूर हैं
न कोई झगड़ा, न कोई बहस
बस एक शांति, एक
उदासीनता

स्लीप डायवोर्स, एक नया नाम
एक नई दिशा, एक नया काम
दोनों अपनी दुनिया में मग्न
एक दूसरे के बिना भी, अकेले

न कोई प्रेम, न कोई आकर्षण
बस एक सहजीवन, एक
मजबूरी का बंधन
दोनों साथ हैं, पर अलग हैं
एक ही छत के नीचे, पर दूर हैं

स्लीप डायवोर्स, एक नई सोच
एक नई दिशा, एक नया मोड़
दोनों अपनी दुनिया में खुश
एक दूसरे के बिना, भी अकेले
नहीं।
अब स्पेस ही स्पेस है
दोनों तरफ
न कोई प्रश्न न उत्तर

सीमा मधुरिमा
लखनऊ

सूरज गढ़ना है

लगता है इस घर से निकलने
में सालों लगेंगे
जुबां चुप है पर आंखों को कैसे
ताले लगेंगे,

समझना अभी चल रहा है बड़े
जोर-जोर से
पर दुख है कुछ इल्जाम तेरे भी
हवाले लगेंगे,

तख्तो -ताज पर बैठे हैं सत्ता
के भूखे-प्यासे
उनको तो इंसानियत
समझाने वाले लगेंगे,
क्यों नजर से उतारकर
बुरा बन रहे हो
सब बदलते हैं...जब चार
लोग आने लगेंगे,

वक्त बुरा है, सब दिल भर बुरा
कर लो
अच्छे वक्त में तुम्हीं हमारे गीत
गाने लगोगे।

रेखा शाह
बलिया

गिराओ मत, साथ चलो

अब, यहां कौन गिराएगा?
यहां कोई नहीं है ऐसा

न कोई डर, न कोई भय है,
मैं सबका और सब मेरे हैं,
जिंदगी बिंदास है यहां,
आसमान में भी धुंधली नहीं
है यहां,
सभी को दूर तक साफ
दिखता है यहां,
इसीलिए तो सब के दिल शीशे
की तरह साफ हैं यहां,
इस जहां को रोशन के लिए
सभी की चमकती आंखें
है यहां,
जिसको जितना मिल जाता है,
उसी में जीभर जी लेते हैं यहां,
मतलब साफ है, सब खुलकर
जीते हैं अपनी जिंदगी यहां,
मेरा-मेरा नहीं, "हमारा है"
की थ्योरी है यहां,
अब इन प्रेम भरे हालातों में
कौन गिराएगा यहां?
गिराने वाले नहीं, साथ चलने
वाले है यहां!
फिर भी गिराओगे? तो
वक्त तुम्हारा भी जाया होगा,
तो क्यों न हम साथ चलें!
जो तुम अकेले नहीं कर पाए,
उम्मीद है मिलकर कर लेंगे
पूरा उसे, यहां।

डॉ बी. पी. सिंह
भाकृअनुप-उत्तर पूर्वी पर्वतीय क्षेत्र अनुसंधान परिसर उमियाम

लघुकथा

किसका घर

"सुनों प्रतिभा, कुंभ स्नान के लिए चलते हैं। कुछ दिन घर से बाहर रहेंगे, तो सुकून मिलेगा। बेटे और बहुओं में आए दिन की कलह से बचे भी रहेंगे।" देवेश ने पत्नी से कहा। पत्नी ने पति को लाचार निगाहों से देखा। कुछ क्षण मौन रही। फिर कहने लगी- "आत्मिक शांति के लिए अध्यात्म ने प्रयास तो बहुत किए, लेकिन सफलता नहीं मिली। चार दिन बाद वापस यहीं लौटकर आना पड़ेगा। चार दिन की खुशियों से बाकी बचा जीवन तो कटने वाला नहीं?"

डॉ. सुरेश वशिष्ठ
साहित्यकार, नई दिल्ली

"आस्था के मार्ग से भटक जाना ही दोष है। क्या पता, इस मार्ग से हम भी भटक रहे हों? और वहां सुकून के अच्छे दिनों में क्या मालूम, हम भगवान को प्यारे हो जावें। पहले चल तो पड़ें। वहां तय कर लेगें कि कहां समय बिताना है? और कैसे बचे दिनों को जीना है?"

"नहीं। जिस औलाद को जन्म दिया। समझा कि बुढ़ापे में ये हमारा ख्याल रखेंगे। वही बेकद्री करने लगें, तो बात समझ से परे हो जाती है।... उस दिन, तीनों लड़कों के बीच नौंक-झौंक के बाद जो झगड़ा हुआ, उसे बर्दाश्त करने की हिम्मत न तुम्हारी रही, ना मेरी?"

"अभी तक तो इनके खर्चे हम ही कर रहे हैं। इतने पर भी ये हालत? खर्च करना बंदकर देगें, तब देखना-ये न तुम्हारे रहेंगे, न मेरे?"

"बात तो ठीक है। अब मोह, प्रीत और ममता मिटती जा रही है। यहां भी रहने को मन नहीं है। सोचा नहीं था, ऐसे भी दिन देखने पड़ जाएंगे। जैसा आपको अच्छा लगे, वही ठीक। आगे नसीब में जो होगा, देखा जाएगा?"

अगली सुबह। कंधों पर बैग लादे दोनों पति-पत्नी घर से बाहर निकल लिए। बेटे और बहुएं तो नींद से जागे भी नहीं थे। वे सोकर ही देर से उठते हैं। उन्हें तो मालूम भी नहीं कि मां-बाप कहीं बाहर जाने की तैयारी में हैं। घर से निकले और दस-पन्द्रह कदम ही चले थे कि पत्नी पीछे मुड़कर घर की तरफ अजीब-सी नजरों से देखने लगी। देवेश ने पूछा- "पीछे मुड़कर क्या देख रही हो प्रतिभा?"

"देख रही हूं, इस बसेरे को बनाने में, पूरा एक जन्म बीत गया। कितना परिश्रम किया और पसीना बहाया। तिनका-तिनका जोड़कर इसे पूरा किया। सुख के दिन और रातें बीत गई। हमारा मोह था, इसे बनाने और संवारने में। यह कभी हमारे सपनों का महल था। आज सोचती हूं- "जानते नहीं थे कि यह घर कभी हमारा नहीं रहेगा?"

कुछ अलग

तलाश आत्मा की

प्रत्येक आत्मा के दो हिस्से होते हैं और ये दोनों हिस्से किन्हीं अलग-अलग दो शरीरों में कहीं न कहीं समाये रहते हैं। आत्मा के इसी मिलन के प्रयास में अक्सर मनुष्य का सारा जीवन गुजरता है, जिसे हम आज आधुनिक युग की भाषा यानी अंग्रेजी में "बैटर हाफ कहते हैं"। पर मैं जहां तक समझती हूं, यदि इसी अंग्रेजी शब्द के सही एवं तार्किक अर्थ की सही व्याख्या की किया जाए, तो वह सही शब्द "बैस्ट हाफ होना चाहिए"। क्योंकि उसी बैस्ट हाफ की सच्ची तलाश का नाम ही तो जीवन है।

सरल शब्दों में यदि समझा जाए तो सुनिए! एक राजा था और उसकी आत्मा किसी पक्षी में निवास करती थी अर्थात जीवन का संचालन कहीं दूर जाकर बैठे पक्षी पर निर्भर था। ठीक वैसे ही, जैसे प्रत्येक आदमी अपनी जिंदगी में, उसी पक्षी रूपी आत्मा की खोज करता रहता है। वैसा ही जीवन अपनी "बेटर हाफ" (दांपत्य) में खोजता है।

सीमा शर्मा "तमन्ना"
नोएडा

अब यहां ध्यान देने योग्य बात यह है कि, जिसकी यह कोशिश पूरी हो जाती है, उसका जीवन सुखमय हो जाता है, अन्यथा जीवनभर उसी की खोजे में भटकता रहता है। एक के बाद दूसरा, दूसरे के बाद तीसरा और जब तक आत्मा का वह हिस्सा, मिल नहीं जाता तब तक, उसकी खोज में लगा रहता है। किसी को भी धन यश और यौवन की चाहत न हो, यदि उसकी यह खोज पूरी हो जाए। अपना सब कुछ दान करने वाले राजा हरिश्चंद्र का जीवन, जिन्हें रहने के लिए जगह मिली भी तो वह बनारस के श्मशान घाट पर, वे अपनी पत्नी के साथ घास-फूस की झोपड़ी में रहने लगे। एक रात जब बारिश में झोपड़ी टपक रही थी, तो राजा ने पत्नी से कहा- "हे प्रिये! देखो मैं तुम्हें कितनी तकलीफ दे रहा हूं, राज महल छोड़कर तुम्हे यहां रहना पड़ रहा है। जानते हैं राजा हरिश्चंद्र के इस प्रश्न के उत्तर रानी ने क्या दिया? रानी बोली-"हे आर्य! जब कोई अपने प्रिय के सानिध्य में है, तो उसे क्या फर्क पड़ता है? फिर उसके लिए महल और झोपड़ी एक समान ही प्रतीत होती हैं।" यदि सच पूछो तो दोस्तों जब आधी आत्मा हमारे साथ है, तो हमें किसी बात से क्या फर्क पड़ता है। सत्य है इसी सकारात्मक निर्मल निश्छल भाव को रख यदि हम अपनी खोज में कहीं एक स्थान पर संतुष्ट हो जाएं, तो भटकना ही न पड़े, किंतु उससे पहले स्वयं के मन-मस्तिष्क द्वारा यह तय करना पड़ेगा कि हम जो खोज रहे क्या हम स्वयं भी उस खोज की कसौटी पर खरे उतरते हैं, जिसके कारण हम उसके अंत (संतुष्टी) तक नहीं पहुंच पाते।

समीक्षा

खूबसूरत कहानियां

वीना सिंह साहित्य के आकाश पर एक चमकता हुआ ऐसा सितारा है, जो साहित्य की सभी विधाओं पर अधिकार रखती हैं। वह समसामयिक विषयों पर जितना सटीक और सकारात्मक लेख लिखती हैं, उतना ही ज्ञानवर्धक निबंध और कल्पनाओं की उड़ान से परिपूर्ण कहानियां भी लिखती हैं और इसी के साथ-साथ उनकी तीखी, चुटकीली और व्यंग्यात्मक शैली इतनी प्रभावशाली होती है कि पाठक उसे गहराई से महसूस करने को मजबूर हो जाता है। गौरतलब है कि व्यंग्य संग्रह "हल्के में ना लो जी" उनकी पांचवी पुस्तक है, जो कि उनका साहित्य के प्रति समर्पण एवं रुचि को प्रदर्शित करती है। पुस्तक के मुख्य पृष्ठ पर दृष्टि डालें, तो वह स्वयं में बहुत कुछ कहता हुआ नजर आता है और शीर्षक तो नारी के व्यक्तित्व को कमतर आंकने की भूल न करने का संदेश देता हुआ है। जैसा कि समाज में भ्रम है कि महिलाएं शारीरिक, बौद्धिक और आर्थिक रूप से कमजोर अर्थात अबला होती हैं, उन्हें ईश्वर ने केवल हल्के कामों के लिए ही बनाया है। इसलिए वह कभी भी पुरुषों के बराबरी नहीं कर सकती हैं। यह सच है कि ईश्वर ने महिलाओं को शारीरिक रूप से पुरुषों से कमजोर अवश्य बनाया है, परंतु वे मानसिक, बौद्धिक और आर्थिक रूप से पुरुषों की अपेक्षाकृत अधिक मजबूत होती है, ऐसे ही नहीं कहा जाता है कि "यत्र नार्यस्तु पूज्यंते, रमंते तत्र देवताः" अर्थात जहां नारी का सम्मान होता है, वहां देवता का वास होता है। लेखिका ने अपनी लेखनी के माध्यम से समाज में व्याप्त इस भ्रम को दूर करने का सफल प्रयास किया है। संग्रह के सभी व्यंग्य 'गागर में सागर' की तरह छोटे अवश्य हैं, मगर सभी कुछ न कुछ सामाजिक संदेश देते हुए हैं। सच कहें, तो हर व्यंग्य पाठक के मानस पटल पर चोट करता हुआ है, जो कि लेखिका के विषय पर गहरी पकड़ को प्रदर्शित करता है। कम शब्दों में बहुत कुछ लिखना उनकी लेखनी का कमाल है। उनकी लेखन कार्य निरंतर अबाध गति से चलती रहे और वह अपने व्यंग्यों के माध्यम से साहित्य प्रेमियों को ऐसे ही हसांती रहें, गुदगुदाती रहें और समाज में फैली विषमताओं को अपनी धारदार लेखनी से उजागर कर जनमानस का जीवन सरल और सहज बनाती रहें।

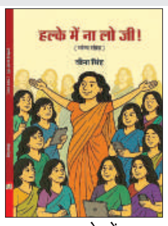

पुस्तक -हल्के में ना लो जी
विधा-व्यंग्य संग्रह
लेखिका-वीना सिंह
प्रकाशन- इंडिया नेटबुक्स प्राइवेट लिमिटेड
मूल्य-रु. 299
समीक्षिका- श्रीमती सुषमा मिश्रा, लखनऊ

व्यंग्य

भैय्या का सूट

वैसे तो राहुल के भैय्या लीडिंग क्रिमिनल लायर हैं, लेकिन प्रोफेसर भाभी के आगे 'मैं तो जोरू का गुलाम' वाले मोड में ही रहते हैं। भाभी के मायके से संबंधित किसी फंक्शन में या ऐसे किसी आयोजन में जहां से निमंत्रण पत्र भाभी के संबंध से आया हो, वहां भैय्या क्या पहनेंगे?, किससे-किससे क्या-क्या बात करेंगे या क्या-क्या करेंगे? सब कुछ भाभी ही फाइनल करती हैं।

भाभी के मायके में नववर्ष पर प्रतिवर्ष रंगा-रंग कार्यक्रम आयोजित होता है, जिसमें भाभी की सभी बहनें, रिश्तेदार बुलाए जाते हैं। चार दिन पहले ही भाभी ने विद्यालय से फोन किया था- "भैय्या के यहां आपको नए सूट में चलना है। विद्यालय आते समय टेलर को कपड़ा दे आई हूं। कचहरी से लौटते हुए नाप दे आना।" वैसे तो भैया बहुत भुलक्कड़ हैं, घर में किसी अन्य सदस्य द्वारा कही बात का चेत जल्दी नहीं रखते पर भाभी की बात विस्मृत हो जाएं, यह संभव नहीं है। वे विद्यालय से सीधे टेलर के यहां ही गए थे। घर आने पर बहन ने जब अपने सूट के विषय में पूछा, जिसे वह टेलर के यहां दे आई थी और आज भैया से उसने भी ले आने बाबत फोन किया था, तो राहुल ने चुटकी ली थी- "सिर्फ भाभी की किसी भी बात में 'का चुप साधि रहे बलवाना' नहीं कहना पड़ता, बाकी हम किस खेत की मूली हैं। भैया कसमसा कर रह गए थे।

राजेश ओझा
गोण्डा

आज समयावधि में टेलर द्वारा सूट न देने से भाभी का पारा सातवें आसमान पर जाना ही था। दुर्वासा या परशुराम के क्रोध भाभी के क्रोध के आगे पानी भरते नजर आ रहे थे। क्रोध अपने सम्मानित स्थान नाक और भौं पर एक साथ बैठने की जादुई कला का प्रदर्शन प्रारंभ कर चुका था। भैय्या विवाह के इत्ते दिन बाद भाभी के आरोह-अवरोह तथा उसके प्रभाव से परिचित हो चुके थे, साथ में गुस्से के पौराणिक आख्यानों से भी बखूबी परिचित हैं। चुपके से बगल वाले शर्मा अंकल के यहां खिसक गए।

"राहुल चल मेरे साथ टेलर के यहां अभी।" भाभी के फरमान को न कहने की हिम्मत शायद राहुल में भी नहीं थी। मरता क्या न करता, रात्रि के नौ बज रहे थे, पर जाना पड़ा उसे। देखते ही टेलर हड़बड़ा गया। बोला- "आइए मैम! बैठिए, सूट कारखाने से आ रहा होगा। भाभी सूट के तैयार हो जाने की सूचना से कुछ कूल हो चलीं थीं। बैठे-बैठे दस बज चुके थे। धैर्य के बांध का अस्तित्व बचाने के उद्देश्य से राहुल ने कहा- "भाभी क्यों न हम कारखाने चलकर सूट स्वयं ले लें।" कारखाना पहुंचते ही देखा, भैय्या का एक हाथ नीचे पड़ा था, तो दूसरे हाथ में तुरपायी चल रही थी। कालर छुटका लिए कुछ कर रहा था, तो पीठ मास्टर लिए थे। देखते ही राहुल को हंसी आनी चाहिए थी, लेकिन भाभी के सामने उसकी इतनी औकात कहां?

"बस मैम दो मिनट..अभी जोड़े देते हैं।" टेलर शायद अपने मास्टर को फोनिक संदेश दे चुका था कि आंधी पहुंचने वाली है। रात्रि बारह बजे वे सूट लेकर घर आईं। बैग में सीधा खड़ा सूट अपने भाग्य पर इतरा रहा था। भाभी हाथ में लिए ही गाड़ी में बैठीं। रात्रि में ही निकलना था। थकान चरम पर थी। राहुल फेसबुक पर व्यस्त। भैय्या 'अनाम दास का पोथा' में व्यस्त...भाभी सूट संभालने में व्यस्त...सुबह तक ससुराल पहुंच ही गए। भाभी ने सूट बैग टांगा और मुस्कुराते हुए अपनी मम्मी से ऐसी मिलीं जैसे पानीपत की लड़ाई बाबर ने नहीं इन्होंने ही जीती हो।

सायं काल कार्यक्रम उफान पर आवै, उसके पहले भाभी का आदेश मिल चुका था- "जाकर फटाफट नहाकर सूट पहन लीजिए और हां इत्र भैरवी ही लगाना। जल्दी करो मेहमान आने प्रारंभ हो गए हैं। आपको कोई इन कपड़ों में देखेगा तो मैं किसी से मुंह दिखाने लायक नही रहूंगी।" मैं किशोर से युवा हो रही कोई ऐसी कन्या नहीं हूं, जिसे कुछ भान नहीं होता। भैय्या ने मन में सोचा था और तौलिया लेकर सीधे बाथरुम में घुस गए थे। खूब रगड़कर नहाया और जैसे ही नहाकर बाथरुम से निकले कि भाभी सूट लिए खड़ी मिलीं। भाभी ने सूट भैया को पकड़ाया ही था कि सासु जी ने भाभी को अपने पास बुला लिया। दोनों भाई तैयार होने लगे। तेल, क्रीम , इत्र जो भी लगाना था लगाया पर जैसे ही भैया ने सूट की पौं पहनी, भैया की चीख निकल गई- "राहुल!"

भैय्या की कातर आवाज ने राहुल को चौंकाया था। फिर ठहाके और केवल ठहाके, हंसी रुक ही नहीं रही थी। भैय्या की कमर 32 इंच, सूट के पैंट की कमर 38 इंच..पीछे कमर के नीचे का फैलाव ऐसा जैसे दो छोटे-छोटे झोले लटक रहे हों। वे दोनों भाई चुपके से पीछे के दरवाजे से घर लौट आए। अब यह बात अलग है कि कल भाभी के लौटने पर भैय्या कहां छुपेंगे? देखा जाएगा।

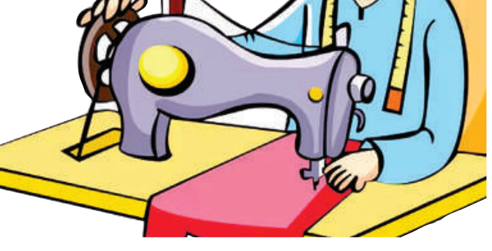

आधी दुनिया

मन की मजबूती
तनाव नियंत्रण की कुंजी

आज की आधुनिक महिला कई भूमिकाओं को एक साथ निभाती है–घर, परिवार, करियर, रिश्ते, समाज और कभी–कभी अपनी ही अपेक्षाएं। इन सभी जिम्मेदारियों के बीच तनाव का बढ़ना स्वाभाविक है, लेकिन इसे पहचानना और संतुलित करना अत्यंत आवश्यक है। तनाव प्रबंधन केवल एक कौशल नहीं, बल्कि एक जीवनशैली है, जो मन और शरीर दोनों को मजबूत बनाती है। जब महिला मानसिक रूप से सशक्त होती है, तो वह अपने निर्णयों में अधिक स्पष्टता महसूस करती है, रिश्तों को बेहतर बनाए रखती है और अपने लक्ष्यों को आत्मविश्वास के साथ प्राप्त कर सकती है। तनाव नियंत्रण का पहला कदम है खुद को सुनना–अपनी थकान, भावनाओं और सीमाओं को समझना। इसके बाद आते हैं वे छोटे–छोटे उपाय जो मन को संतुलित करते हैं : अपने लिए समय निकालना, गहरी सांस लेने की आदत, रोज कुछ मिनट ध्यान या योग, संतुलित दिनचर्या, सकारात्मक सोच और जरूरत पड़ने पर मदद मांगना। आज के तेज रफ्तार जीवन में यह समझना बेहद जरूरी है कि मानसिक मजबूती कमजोरी छिपाने से नहीं, बल्कि सच को स्वीकार कर उससे निपटने से आती है। इसलिए तनाव प्रबंधन केवल तनाव हटाने का तरीका नहीं, बल्कि खुद को बेहतर बनाने, खुश रहने और जीवन को संपूर्णता से जीने की कुंजी है।

मेघा राठी
भोपाल

तनाव क्या है और क्यों होता है

तनाव एक स्वाभाविक प्रतिक्रिया है, जो तब उत्पन्न होती है जब व्यक्ति किसी चुनौती, बदलाव या ऐसी स्थिति का सामना करता है, जो उसकी क्षमता से अधिक लगती है। यह प्रतिक्रिया शरीर और मन दोनों को प्रभावित करती है। महिलाओं में यह तनाव कई बार जिम्मेदारियों के बोझ, सामाजिक अपेक्षाओं और समय की कमी के कारण और अधिक बढ़ जाता है।

तनाव प्रबंधन का महत्व

- शारीरिक स्वास्थ्य की सुरक्षा- लगातार रहने वाला तनाव हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, नींद की कमी और इम्यून सिस्टम कमजोर होने का कारण बन सकता है। तनाव प्रबंधन शरीर में हार्मोनल संतुलन बनाए रखता है।
- मानसिक और भावनात्मक संतुलन- अत्यधिक तनाव चिंता, अवसाद और मानसिक थकान को जन्म देता है। तनाव कम होने से आत्म-विश्वास बढ़ता है और सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित होता है।
- रिश्तों में सुधार- जब मन शांत होता है, तो संवाद बेहतर होता है। इससे पारिवारिक और सामाजिक रिश्तों में सामंजस्य बढ़ता है और महिला को भावनात्मक सहारा मिलता है।

तनाव प्रबंधन की प्रभावी रणनीतियां

- नियमित शारीरिक व्यायाम- योग, ध्यान, तेज चलना या मनपसंद खेल एंडोर्फिन को बढ़ाते हैं, जो तनाव कम करते हैं। प्रतिदिन 30 मिनट का व्यायाम मानसिक-शारीरिक व्यायाम दोनों रूप से आराम देता है।
- ध्यान और माइंडफुलनेस- गहरी सांसें, मेडिटेशन और माइंडफुलनेस मन को स्थिर और शांत बनाते हैं। इससे आत्म-जागरूकता बढ़ती है और एकाग्रता बेहतर होती है।
- समय प्रबंधन- काम, परिवार और स्वयं के लिए समय का संतुलन बेहद जरूरी है। प्राथमिकताएं तय करें और अनावश्यक कार्यों को कम करें।
- रचनात्मक गतिविधियां- कला, संगीत, लेखन, पेंटिंग या किसी भी शौक में समय बिताना मन को हल्का करता है और सकारात्मकता बढ़ाता है।
- सामाजिक समर्थन- परिवार, दोस्तों या सहकर्मियों से अपनी बात साझा करने से मानसिक बोझ कम होता है। जरूरत पड़ने पर मनोवैज्ञानिक या काउंसलर से मदद लेना भी बेहद लाभकारी है।
- स्वस्थ आहार और पर्याप्त नींद- संतुलित भोजन और 7-8 घंटे की नींद शरीर और मन दोनों को ऊर्जा देती है, जिससे तनाव स्वाभाविक रूप से कम होता है।

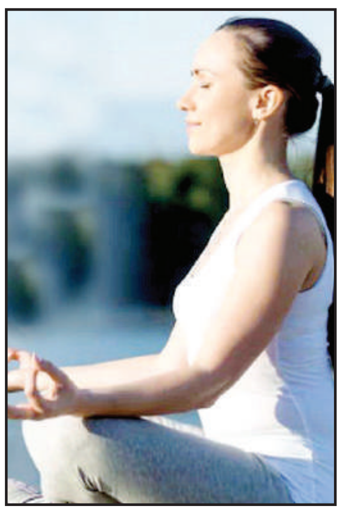

दैनिक दिनचर्या में अपनाने योग्य छोटे-छोटे कदम

- दिन की शुरुआत ध्यान या प्राणायाम से करें।
- वास्तविक और छोटे लक्ष्य निर्धारित करें।
- काम के बीच छोटे-छोटे ब्रेक लें।
- अपनी भावनाओं को पहचानें और व्यक्त करें।
- हर परिस्थिति में सकारात्मक दृष्टिकोण बनाए रखने की कोशिश करें।

महिलाओं में तनाव के प्रमुख स्रोत

- **पारिवारिक जीवन**- पारिवारिक जिम्मेदारियां, रिश्तों का समन्वय और घर-परिवार की देखभाल अक्सर महिलाओं के जीवन का बड़ा हिस्सा होता है। जब अपेक्षाएं बढ़ जाती हैं या प्रयासों की सराहना नहीं मिलती, तो तनाव बढ़ना स्वाभाविक है।
- **कार्यस्थल का दबाव**- महिलाओं के लिए नौकरी, घरेलू कार्य और परिवार-तीनों को संतुलित करना चुनौतीपूर्ण होता है। डेडलाइन, सहकर्मियों की अपेक्षाएं और कैरियर की चिंता तनाव के प्रमुख कारण बनते हैं।
- **आर्थिक चिंताएं**- घर के बजट से लेकर बच्चों की पढ़ाई और भविष्य की योजना तक, आर्थिक दबाव महिलाओं के मानसिक बोझ को बढ़ा सकता है।
- **स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं**- हार्मोनल बदलाव, थायरॉइड, पीसीओएस, एनीमिया या मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दे भी तनाव को बढ़ा सकते हैं। स्वास्थ्य की अनिश्चितता मन पर अतिरिक्त दबाव डालती है।

तनाव प्रबंधन कोई जादुई उपाय नहीं, बल्कि जीवनशैली में किए गए छोटे-छोटे सकारात्मक बदलावों का परिणाम है। आधुनिक समय में महिलाओं की भूमिकाएं कई गुना बढ़ गई हैं -घर, परिवार, करियर और सामाजिक जिम्मेदारियों के बीच संतुलन बनाना आसान नहीं होता। ऐसे में तनाव का बढ़ना स्वाभाविक है, लेकिन इसे पहचानकर समय रहते सही कदम उठाना मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए अत्यंत आवश्यक है।

जब महिलाएं अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता देती हैं, चाहे वह उचित नींद हो, संतुलित आहार, नियमित व्यायाम या कुछ क्षणों का आत्मचिंतन, तो मानसिक शांति और भावनात्मक स्थिरता दोनों बढ़ती हैं। तनाव प्रबंधन के उपाय जैसे ध्यान, प्राणायाम, माइंडफुलनेस, समय प्रबंधन और सामाजिक समर्थन, जीवन को व्यवस्थित और संतुलित बनाने में बड़ी भूमिका निभाते हैं।

हर दिन उठाया गया एक छोटा-सा कदम, चाहे वह सुबह की सैर हो या कुछ मिनटों का ध्यान, मन को हल्का करता है और सकारात्मक ऊर्जा देता है। धीरे-धीरे ये छोटे बदलाव जीवन में बड़ा सुधार लाते हैं। जब महिला स्वयं को समझती है, अपने भावनात्मक स्वास्थ्य का सम्मान करती है और अपने लिए समय निकालती है, तब वह न केवल तनाव को मात देती है, बल्कि एक आत्मविश्वासी, स्वस्थ और खुशहाल जीवन की नींव भी रखती है।

किड्स विंटर स्टाइल
गर्माहट भी, फैशन भी

सर्दियों का मौसम अपने साथ ठंडी हवाओं का एहसास तो लाता ही है, साथ ही लेकर आता है ढेर सारी स्टाइलिश और रंगीन एक्सेसरीज का मजा। खासकर बच्चों के लिए यह मौसम बेहद खास हो जाता है, क्योंकि इस समय वे अपनी पसंदीदा रंग–बिरंगी टोपियां, मुलायम स्कार्फ और फुलफुली ईयर मफलर पहनकर न सिर्फ गर्म रहते हैं, बल्कि एकदम क्यूट, आकर्षक और बेहद स्टाइलिश भी दिखते हैं। बच्चों पर चमकदार रंग, छोटे–छोटे डिजाइन और कार्टून प्रिंट वाले विंटर एक्सेसरीज बेहद प्यारे लगते हैं और उनमें उत्साह भी भरते हैं।

सर्दियों की तैयारी करते समय माता-पिता चाहते हैं कि बच्चे आरामदायक भी रहें और फैशन में भी पीछे न रहें। यही कारण है कि बीनी, स्कार्फ और ईयरमफ़ बच्चों के विंटर वॉर्डरोब का जरूरी हिस्सा बन जाते हैं। ये न केवल ठंड से बचाते हैं, बल्कि हर आउटफिट को आकर्षक बनाते हैं। इन एक्सेसरीज़ को आराम से कैरी कर सकते हैं और सर्दियों में भी फैशन में आगे नज़र आ सकते हैं।

ईयर मफलर

- नर्मी से भरी गर्माहट– ईयर मफलर बच्चों के कानों को ठंड से बचाने का बेस्ट तरीका हैं और वो भी बिना बाल खराब किए।

ऐसे पहनाएं

- फरी (फुलफुली) ईयरमफलर– सफेद, पिंक, ब्लू या पर्पल– ये सभी रंग बच्चों पर बेहद प्यारे लगते हैं। खासकर छोटी बच्चियों को ये बहुत पसंद आते हैं।
- कैरेक्टर ईयरमफलर– बियर, बन्नी, कैट–ईयर डिजाइन। खेलने, पिकनिक या फोटोशूट में बिल्कुल परफेक्ट।
- स्पोर्टी ईयरमफलर (हेडबैंड स्टाइल)– बड़े बच्चों के लिए। स्कूल जैकेट या स्वेटशर्ट के साथ बहुत स्मार्ट लुक देता है।

बीनी (टोपी): बच्चों का फेवरेट विंटर साथी

बीनी बच्चों की सबसे पसंदीदा विंटर एक्सेसरी है। यह सिर को गर्म रखती है और हर तरह की ड्रेस के साथ प्यारा–सा लुक देती है।

ऐसे पहनाएं

- **कार्टून प्रिंट बीनी**– सुपरमैन, मिनियन, स्पाइडरमैन, एल्सा, जो भी उनके फेवरेट हों, फोटो में भी बहुत शानदार लगते हैं।
- **पोम–पोम वाली बीनी**– ऊपर लगी फुलफुली बॉल बच्चों को बेहद क्यूट बनाती है, छोटे बच्चों के लिए बिल्कुल परफेक्ट है।
- **रंग–बिरंगी स्ट्राइप बीनी**– प्लेग्राउंड या स्कूल जाने वाले बच्चों के लिए, हर जैकेट के साथ अच्छी लगती है।
- **स्टाइल टिप**– बीनी को हल्का आगे की ओर रखें ताकि माथा ढका रहे और कान भी हल्के गर्म रहें।

स्कार्फ: सर्दियों का रंगीन जादू

स्कार्फ बच्चों को सिर्फ गर्म ही नहीं रखते, बल्कि उन्हें सबसे अलग और स्टाइलिश भी बनाते हैं।

किस तरह से पहनाएं

- छोटा और हल्का वूलन स्कार्फ – बच्चों के लिए हमेशा हल्का स्कार्फ चुनें। बहुत लंबा स्कार्फ खेलते समय परेशानी दे सकता है।
- ब्राइट कलर स्कार्फ – लाल, पीला, हरा, नीला, पिंक, जो भी रंग बच्चे पसंद करें, फोटो और आउटफिट दोनों में चमक बढ़ाता है।
- कार्टून या पैटर्न वाले स्कार्फ – स्टार, दिल, कार, डायनासोर या प्रिंसेस प्रिंट। इसे बच्चों को खुद पहनने में मजा आता है।

कैसे बांधें

- एक लूप में हल्का–सा घुमा दें या सिर्फ गर्दन के आगे छोड़ दें।
- बच्चों को इंडोर में स्कार्फ न पहनाएं, सिर्फ आउटडोर में स्कार्फ पहनाएं।

तीनों का साथ: बच्चों का परफेक्ट विंटर लुक

- बीनी + स्कार्फ – सबसे प्यारा जोड़ा
- स्कूल, मार्केट, फैमिली आउटिंग हर जगह परफेक्ट।
- ईयर मफलर + जैकेट– क्यूटनेस ओवरलोड
- खासकर छोटी बच्चियों के लिए।
- बीनी + ग्लव्स + स्कार्फ – फुल विंटर स्टाइल
- फोटोशूट, पिकनिक और विंटर फन डे के लिए।

बच्चों के लिए कुछ खास स्टाइलिश टिप्स

- उम्र के हिसाब से हल्की, आरामदायक और इच–फ्री सामग्री चुनें।
- रंग हमेशा ब्राइट रखें– बच्चे रंगों में ही सबसे प्यारे लगते हैं।
- लंबे स्कार्फ से बचें– फंसने का डर होता है।
- ईयर मफलर हेयरस्टाइल को भी सुंदर दिखाते हैं।
- बीनी पर नाम का टैग लगाना अच्छा रहता है (स्कूल/प्लेग्राउंड के लिए)।

सर्दियों का फैशन बच्चों के लिए सिर्फ कपड़ों तक सीमित नहीं है। सही बीनी, प्यारे ईयर मफलर और रंग–बिरंगे स्कार्फ उनके लुक को न सिर्फ गर्माहट देते हैं, बल्कि उन्हें सबसे अलग और मनमोहक भी बनाते हैं। जब बच्चे खुश होकर अपनी पसंद से एक्सेसरी पहनते हैं, तो वे सर्दियों को और मजेदार बना लेते हैं।

खाना खजाना

सरसिया खाजा

गुजरात का पारंपरिक स्वाद जब थाली में उतरता है, तो हर कौर में एक अलग ही आनंद घुल जाता है। ऐसा ही लाजवाब और करारा व्यंजन है सरसिया खाजा– मसालेदार, तीखा और कुरकुरा, जिसे खासतौर पर सूरती लोग आमरस के साथ बड़े चाव से खाते हैं। बाहर से खस्ता और अंदर से मुलायम यह गुजराती स्नैक हर मौसम में खाने वालों का दिल जीत लेता है। सरल सामग्री और थोड़ी सी मेहनत से घर पर भी इसका असली स्वाद तैयार किया जा सकता है। एक बार इसे बनाकर देखिए, इसका जायका आपको बार–बार इसे बनाने पर मजबूर कर देगा। आइए आपको बताते हैं, यह कैसे बनता है।

सामग्री

- ढाई कप मैदा
- आधा कप तेल
- 1 कप पानी
- 1 टेबलस्पून काली मिर्च पाउडर
- आधा टेबलस्पून सफेद मिर्च पाउडर
- 1 छोटी चम्मच हल्दी पाउडर
- 1 छोटी चम्मच बेकिंग सोडा
- नमक स्वादानुसार

बनाने की विधि

सबसे पहले एक बर्तन में तेल और आधा कप पानी को गर्म करें और अच्छे से मिक्स करें। इसके बाद उसमें हल्दी और नमक मिलाकर एक उबाल आने दें। उबाल आने पर गैस बंद करके पानी को ठंडा होने दें।

अब इसमें बेकिंग सोडा मिक्स करके धीरे-धीरे 5 से 7 मिनट तक मिलाएं। अब इसमें कालीमिर्च, सफेद मिर्च व नमक मिलाएं। अब इसमें मैदा मिलाकर के आटे जैसा गूंथ लें। आधे घंटे के लिए ढक्कन लगाकर रख दें। अब इस आटे के तीन भाग कर लें। दो भाग अलग रखें।

एक कढ़ाई में आधा कप गर्म पानी करें। अब एक भाग आटा लें और छोटी-छोटी लोई करके 3 से 4 मिनट तक गर्म पानी में पका लें। 3-4 मिनट में आटा और पानी एकसार हो जाएगा।

अब इस आटे को दो भाग वाले आटे में मिलाकर अच्छे से गूंथ लें। हाथ से छोटी-छोटी लोई बनाएं और चकले पर रखकर पूरी जैसा बेल लें। हाथ से ही बेले। अंगुली या बेलन की सहायता से गोल-गोल छेद कर ले ताकि तलते समय हमारा खाजा पूरी तरह से अंदर तक तला जाए। अब एक कड़ाही में तेल गरम करें और धीमी से मीडियम आच पर खांजे को एक-एक करके 8 से 10 मिनट तक तलें। सुनहरा होने पर खाजे को कड़ाही से निकालें और अच्छे से ठंडे होने पर आम के रस के साथ सर्व करें। आप इन्हें एयरटाइट कंटेनर में स्टोर करके रख सकते हैं।

प्रीतम कोठारी
फूड ब्लॉगर

न्यूज ब्रीफ

खुले में पी शराब, 47 लोग हिरासत में

बहेड़ी, अमृत विचार : पुलिस की मिशन शक्ति टीम ने गुरुवार शाम को क्षेत्र में विशेष अभियान चलाते हुए बस स्टैंड रेलवे स्टेशन, बाजार और सड़क किनारे कई सार्वजनिक स्थानों पर छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान खुले में शराब पीकर हुड़दंग मचाने अश्लील हरकतें करने और महिलाओं–बालिकाओं के लिए असुरक्षित माहौल बनाने वाले 47 व्यक्तियों को पुलिस ने हिरासत में लिया। इंस्पेक्टर पवन कुमार सिंह ने बताया कि मिशन शक्ति के तहत खुले आम शराबियों को पीते हुए गिरफ्तार किया गया है ।

बच्चों से कहासुनी पर तमंचे से हमला,रिपोर्ट

क्योलड़िया, अमृत विचार : बच्चों के बीच हुई लड़ाई में बड़ों के बीच दुश्मनी बढ़ गई। घात लगाकर तमंचे और धारदार वस्तु से हमला कर एक पक्ष के ग्रामीण को घायल कर दिया। थाना क्षेत्र के गांव वौरिया उर्फ़ बउनगला के चरन सिंह और महेंद्र पाल के बच्चों के बीच गत दिनों विवाद हो गया था। इस विवाद में गांव के पंकज ने बीच में पड़े तो उनसे भी कहासुनी हो गई थी। तब मामला शांत हो गया लेकिन सुबह महेन्द्र पाल खेत जाने को निकले तो चरन सिंह के सहयोगी लालता प्रसाद दुर्ग पाल, संजीव, यश, प्रवेश तमंचा और बांका से हमला कर दिया।

ग्राम पंचायत सचिवों ने दिया धरना

बरेली /बहेड़ी, अमृत विचार : मूल विभागीय दायित्वों के अतिरिक्त बिना कोई संसाधन उपलब्ध कराये अन्य विभागों के कार्य लिए जाने, ऑनलाइन उपस्थिति सहित विभिन्न समस्याओं पर प्रभावी निर्णय लिए जाने की मांग को लेकर उत्तर प्रदेश ग्राम पंचायत अधिकारी संघ एवं ग्राम विकास अधिकारी एसोसिशन ने धरना दिया। ब्लॉक परिसर में ग्राम पंचायत स्तर पर कार्यरत क्षेत्रीय ग्राम सचिवों एवं ग्राम विकास अधिकारी ने धरना देते हुए कहा कि मूल विभागीय दायित्वों के अतिरिक्त अन्य विभागों के कार्य उनसे लिये जाना सरासर गलत है। ऑनलाइन उपस्थिति लागू करने का आदेश वापस लिया जाए। इस संबंध में उन्होंने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन बीडीओ को सौंपा।

खेल से शरीर स्वस्थ और टीमवर्क की भावना

आंवला में हुई विधायक खेल स्पर्धा, 100 मीटर दौड़ में सचिन और 200 में अंशु रहे प्रथम

संवाददाता, आंवला

अमृत विचार : युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल विभाग बरेली की ओर से उत्तर प्रदेश खेल लीग के तहत श्री सुभाष इंटर कॉलेज मैदान पर आंवला विधानसभा क्षेत्र के खिलाड़ियों के लिए विधायक खेल स्पर्धा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री एवं आंवला विधायक धर्मपाल सिंह रहे।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि खेल अब केवल औपचारिक गतिविधि नहीं, बल्कि जीवन की आवश्यकता और स्वावलंबन का आधार है, जो शरीर को स्वस्थ बनाने के साथ अनुशासन, टीमवर्क व श्रेष्ठता की भावना विकसित करता है। खेल में सब जूनियर, जूनियर, सीनियर वर्ग में 100, 200, 400, 800, 1500 मीटर दौड़, गोला फेंक, चक्का फेंक, भाला फेंक, लंबी कूद, ऊंची कूद के अलावा कबड्डी व वॉलीबॉल जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित हुईं। जूनियर वर्ग 100 मीटर दौड़ में सचिन

कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय रामनगर की विजेता छात्राएं। ● अमृत विचार

प्रमाणपत्र वितरित करते कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह। ● अमृत विचार

कुमार, 200 मीटर में अंशु यादव व 400 मीटर में गायत्री ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वॉलीबॉल में आंवला व कबड्डी में गैनी की टीम विजेता रही। मंत्री धर्मपाल सिंह ने विजेताओं को प्रमाण पत्र व मेडल प्रदान कर उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान ब्लॉक प्रमुख मझगवां यशवंत सिंह, रामनगर ब्लॉक प्रमुख पति मित्रपाल सिंह, मंडल अध्यक्ष अनमोल गुप्ता उर्फ काकू, क्षेत्रीय युवा कल्याण विभाग के सोमेन्द्र सिंह, श्री सुभाष इंटर कॉलेज प्रधानाचार्य अमर सिंह, सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

एक समोसा-दो केले पर चला पूरा दिन, दो दिन की स्पर्धा एक दिन में ही हुई संपन्न

आंवला, अमृत विचार : सुभाष इंटर कॉलेज मैदान पर आयोजित दो दिवसीय विधायक खेल स्पर्धा पहले ही दिन शाम को समाप्त हो गई। बैनर–पोस्टरों में दो दिनों का उल्लेख होने के बावजूद आयोजकों ने शनिवार की शाम करीब 5 बजे प्रतियोगिता संपन्न होने की घोषणा कर दी। रामनगर और मझगवां ब्लॉक के स्कूल–कॉलेजों के खिलाड़ियों ने सुबह 10 बजे से शुरू हुई इस स्पर्धा में भाग लिया। खिलाड़ियों ने शिकायत की कि पूरे दिन उन्हें केवल एक समोसा और दो केले दिए गए। जिनके सहारे ही उन्होंने खेल प्रतियोगिता में भागीदारी निभाई। कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय की छात्राओं ने बताया कि वह अपने स्कूल में दिन में दो बार भोजन और एक बार नास्ता तक कर लेती हैं। परंतु यहां कुछ छात्राओं को दो केले और कुछ छात्राओं को मात्र एक समोसा ही मिला। इस मामले में आयोजकों ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। पहले ही दिन स्पर्धा संपन्न होने से खिलाड़ियों में असंतोष दिखा। कुछ खिलाड़ियों ने बताया कि यह खेल स्पर्धा नहीं बल्कि प्रमाणपत्र वितरण स्पर्धा है।

बीआरसी पर विज्ञान क्विज में छात्रों ने लिया हिस्सा

संवाददाता, आंवला

अमृत विचार : रामनगर ब्लॉक संसाधन केंद्र पर जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के तत्वावधान में भाषा दक्षता पर आधारित स्पेल बी प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में कक्षा 1 से 5 और कक्षा 6 से 8 तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्राथमिक स्तर पर कुलदीप प्राथमिक विद्यालय दलीपुर और उच्च प्राथमिक स्तर पर ज्योति उच्च प्राथमिक विद्यालय इस्लामपुर ने प्रथम स्थान हासिल किया।

राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के तहत कक्षा 6 से 8 तक के छात्रों के लिए विज्ञान क्विज प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। रामनगर खंड शिक्षा अधिकारी राजेश कुमार ने बताया कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं बच्चों की दक्षताओं को निखारती हैं और उनमें स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करती हैं। स्पेल बी प्रतियोगिता और विज्ञान क्विज में भाग लेने वाले सभी छात्रों को जिला उपाध्यक्ष सतेन्द्र पाल सिंह ने बधाई दी कार्यक्रम में बीआरसी पर ए आर पी अतुल आर्य, महेंद्र सिंह, धर्मेंद्र नैन, राजेश कुमार, चेतन प्रकाश, प्रवीण और कैलाश यादव का योगदान महत्वपूर्ण रहा

बीआरसी में हुई प्रतियोगिता में भाग लेते बच्चे। ● अमृत विचार

रिपोर्ट दर्ज नहीं तो बाजार बंद होगा

फतेहगंज पश्चिमी, अमृत विचार: नगर के प्रांतीय उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष एवं भाजपा नेता आशीष अग्रवाल पर दर्ज हुए झूठे मुकदमे के विरोध में व्यापारी सुरक्षा फोरम के नेतृत्व में एक बैठक का आयोजन कर आंदोलन की रणनीति बनाई गई। व्यापारियों ने बैठक में निर्णय लिया कि अगर दो दिन में आशीष अग्रवाल के खिलाफ दर्ज झूठा मुकदमा वापस एवं ईओ के खिलाफ दी तहरीर। के आधार पर मुकदमा नहीं लिखा गया तो सभी व्यापारिक संगठन एक साथ बाजार बंद कर धरने पर बैठेंगे।बैठक की अध्यक्षता कर रहे व्यापारी सुरक्षा फोरम के अध्यक्ष शोभित अग्रवाल ने व्यापारियों को संबोधित करते हुए कहा कि नगर पंचायत अधिशासी अधिकारी ने बिना कोई

● व्यापारी सुरक्षा फोरम की बैठक में लिया गया निर्णय

नोटिस दिए पालिका अधिनियम के खिलाफ जाकर व्यापारी राहुल गुप्ता की नवनिर्मित दुकान तोड़ने की कार्यवाही शुरू की थी जिसके विरोध में हमारे व्यापारी नेता आशीष अग्रवाल बिना नोटिस किसी व्यापारी का अहित होने के खिलाफ ईओ से वार्ता करने गए थे मगर राजनीतिक षड्यंत्र के तहत उन्हें झूठे केस में फंसाया गया है जिसे नगर का व्यापारी किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं करेगा। उन्होंने सब व्यापारियों से एक मत होकर जिला प्रशासन को दो दिन की मोहलत देकर आगाह किया कि अगर व्यापारी सड़कों पर उतर आया तो ये आंदोलन बरेली जिले के हर कस्बे से होकर बरेली शहर तक जाएगा। पूरा जिला व्यापारी संगठन आशीष अग्रवाल के साथ है व्यापारियों ने बैठक में तय किया कि वे कल मुख्यमंत्री को व्यापारियों की तरफ से ज्ञापन भेजेंगे। व्यापारियों की बैठक में सक्षम अग्रवाल,जतिन अग्रवाल, शुभम अग्रवाल, प्रेमपाल गंगवार, राजीव शर्मा, अजय कुदेशिया,गोविंद गुप्ता, ताहिर रजा नूरी,नदीम अंसारी, अनुज भारद्वाज, दीपक गोयल,मयंक अग्रवाल,राजेश गुप्ता,श्याम सुंदर गुप्ता, सतीश गुप्ता,राकेश गुप्ता, इंद्रेश गुप्ता,अंशुल सक्सेना,शाकिर अंसारी, अजय श्रीवास्तव,अमित गोयल,फईम अंसारी,हसनैन अंसारी, दीपक गुप्ता,गौरव गुप्ता,पंकज गुप्ता, संजीव गोयल, नितिन गुप्ता,अनमोल गुप्ता, कमल गुप्ता,शशांक गुप्ता समेत तीन दर्जन से ज्यादा व्यापारी मौजूद रहे।

समाधान दिवस: 37 में से 12 शिकायतों का निस्तारण

मीरगंज में समाधान दिवस पर समस्या सुनते एसडीएम। ● अमृत विचार

आंवला में समाधान दिवस पर समस्या सुनतीं एसडीएम। ● अमृत विचार

संवाददाता, मीरगंज

अमृत विचार: शनिवार को तहसील में सभागार में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। समाधान दिवस में आए फरियादियों ने अपनी समस्याओं को विस्तार से रखा। कई लोगों ने राशन कार्ड, राजस्व संबंधी विवाद, और विद्युत विभाग से जुड़ी परेशानियां बताईं। संपूर्ण समाधान दिवस में कुल 37 शिकायतें प्राप्त हुईं। जिनमें से मौके पर बारह का निस्तारण किया गया। इस दौरान राजस्व विभाग की 24, पुलिस विभाग की 4, विकास विभाग की 1, पूर्ति विभाग की 6, विद्युत विभाग की 2 रही।

चार शिकायतों का निस्तारण

आंवला में एसडीएम आंवला विदुषी सिंह की मौजूदगी में सम्पूर्ण समाधान दिवस में 45 शिकायतें दर्ज की गयीं। अधिकारियों द्वारा मौके पर 4 शिकायतों का निस्तारण किया। वस में राजस्व विभाग की 19, पुलिस संबंधी 16, विकास संबंधी 4, और अन्य विभागों की 6 शिकायतें शामिल रहीं।

फरीदपुर में 61 में से छह शिकायतों का हल

फरीदपुर, अमृत विचार : शनिवार को फरीदपुर तहसील में अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) पूर्णिमा सिंह उपजिलाधिकारी फरीदपुर मल्लिका नैन की अध्यक्षता में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में 61 शिकायते दर्ज की जिसके सापेक्ष 06 शिकायतों का निस्तारण मौके पर किया गया सबसे ज्यादा शिकायतें रिवेन्यू से संबंधित दर्ज की गई,जिसमें चकबंदी विभाग अवैध कब्जे संबंधित दर्ज की गई उसके अलावा राशन कार्ड आदि की शिकायतें दर्ज की गई। शेष संबंधित विभाग को शीघ्र निस्तारण के लिए सौंप दिए गए ।

वाहनों पर 'रेट्रो रिफ्लेक्टिव टेप' नहीं तो लगेगा जुर्माना

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : सर्दी के मौसम में कोहरा और धुंध की वजह से होने वाली दुर्घटनाओं में कमी लाने को परिवहन विभाग ने सभी व्यवसायिक वाहनों में ''रेट्रो रिफ्लेक्टिव टेप'' (रोशनी पड़ने पर चमकने वाली पट्टी) अनिवार्य कर दिया है। इसके लिए परिवहन विभाग ने मंडल के चारों जिलों में 11 जनवरी तक विशेष प्रवर्तन अभियान शुरू किया है। इस दौरान यदि कोई वाहन बिना टेप लगा मिलेगा तो वाहन स्वामी को 10 हजार रुपये जुर्माना देना होगा।

आरटीओ प्रशासन पंकज सिंह ने बताया कि अक्सर देखा जाता है कि ट्रक, ट्रैक्टर-ट्रॉली, पिकअप, डाला और छोटा हाथी सरीखे विभिन्न

● पहली बार पकड़े जाने पर 10 हजार का जुर्माना, तीन माह के लिए लाइसेंस भी होगा निलंबित

तरह के व्यवसायिक वाहनों में रेट्रो रिफ्लेक्टिव टेप नहीं लगा होता है। इसके चलते तेज गति में आ रहे वाहन के चालक को सड़क पर गाड़ी खड़ी होने का आभास तक नहीं हो पाता है और हादसा हो जाता है। इसे देखते हुए परिवहन विभाग ने अब सभी व्यवसायिक वाहनों में रेट्रो रिफ्लेक्टिव टेप को अनिवार्य कर दिया है। रेट्रो टेप न लगा होने पर पहली बार में 10 हजार रुपये तक का जुर्माना और तीन माह तक लाइसेंस निलंबित किया जा सकता है।

जमीन पर कब्जे के विरोध पर पीटा

मानपुर, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव गुलड़िया केशोपुर निवासी आदेश चन्द्र पुत्र भूपराम ने बताया कि उनकी पुश्तैनी जमीन पर गांव के ही तीन सगे भाई नरेन्द्र, पंकज व कमल ने दबंगई के बल पर अवैध कब्जा कर लिया है। जब उन्होंने इसका विरोध किया तो आरोपियों ने घर मे घुसकर मारपीट की।

उन्होंने बताया कि अपनी इस पुस्तैनी जमीन पर वह वर्षों से पशुओं को बाँधने के साथ ही चारा रखते आ रहे हैं। लेकिन उनकी जमीन पर पड़ोसी नजर गडाए थे और उन्हें इसका भान भी नहीं था। पीड़ित ने जमीन को कब्जा मुक्त कराने व आरोपियों के विरुद्ध क़ानूनी कार्यवाही को तहसील दिवस बहेड़ी व थाना पुलिस से लिखित शिकायत की हैं।

शिक्षक अजय के परिजनों से मिले कांग्रेस अध्यक्ष

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि पर शनिवार सुबह कोतवाली के सामने स्थित आंबेडकर पार्क में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए। उसके बाद उन्होंने कर्मचारी नगर, गली नंबर 5 निवासी दिवंगत शिक्षक अजय अग्रवाल के घर पहुंचकर उनके बेटे और परिजनों से मुलाकात कर शोक संवेदना प्रकट की। वह बहेड़ी भी गये और वहां कार्यकर्ताओं से मिले।

मीडिया से बात करते हुए उन्होंने सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भाजपा बाबा साहब के संविधान को खत्म करने की कोशिश कर रही है, लेकिन कांग्रेस

● कोतवाली के सामने स्थित आंबेडकर पार्क में प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

● मीडिया से बातचीत के दौरान भाजपा सरकार पर भी साधा निशाना

शिक्षक के घर पर परिजन को सांत्वना देते प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष। ● अमृत विचार

ऐसा होने नहीं देगी। वह जल्द से जल्द एसआईआर का कार्य कराना चाह रही है।

इसी जल्दबाजी का परिणाम है कि लगातार एसआईआर के कार्य में लगे हुए कर्मचारियों की अत्यधिक तनाव के चलते मौत हो रही है। जो असली मुद्दे हैं, उनके संबंध में इनके पास कोई जवाब नहीं होता है। उन्होंने कहा कि अजय अग्रवाल एसआईआर के कार्य में लगे थे और ब्रेन हैमरेज से उनकी मौत हो गई थी। कहा कि रूस के राष्ट्रपति भारत के दौरे पर आए तो नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को उनसे मिलने नहीं दिया गया। जिलाध्यक्ष मिर्जा अशफाक सकलैनी ने कहा कि एसआईआर का कार्य देख रहे कर्मचारियों पर अत्यधिक दबाव होने के साथ ही संसाधनों की कमी भी एक गंभीर चिंता का विषय है। इस मौके पर प्रदेश प्रवक्ता डॉ. के बी त्रिपाठी, युवा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष पारस शुक्ला, महानगर अध्यक्ष दिनेश दद्दा एडवोकेट, पूर्व अध्यक्ष अजय शुक्ला, प्रेम प्रकाश अग्रवाल, जिया उर रहमान, राजन उपाध्याय, मुजम्मिल रजा एडवोकेट ,उल्फत सिंह कठेरिया, सुरेश वाल्मीकि, मोबिन कुरैशी, डॉक्टर सरताज हुसैन, तीरथ मधुकर, कमरुद्दीन सैफी बहेड़ी में सलीम अख्तर आदि लोग मौजूद रहे।

एक माह में आधा दर्जन स्थानों पर चोरी

बिशारतगंज, अमृत विचार : सर्दियों के मौसम में चोरों का दबदबा बढ़ गया है। एक माह के अंदर छह स्थानों पर चोरी की घटनाएं हो चुकी हैं। इस्माइलपुर उच्च प्राथमिक विद्यालय से चोरों ने ताला तोड़कर इनवर्टर, बैटरी और टीवी चोरी कर ली थी। पुलिस ने शनिवार को रिपोर्ट दर्ज की है।

प्रधानाध्यापक राजीव कुमार ने बताया कि दोपहर 3 बजे स्कूल बंद कर घर चले गए थे। अगले दिन सुबह लौटने पर कमरे का ताला टूटा मिला और सामान गायब था। जबकि बेहटा बुजुर्ग गांव में 25 नवंबर की रात चुन्ना खां और उनके भाई हारून के घरों से चोरों ने ज्वेलरी व नगदी पर हाथ साफ कर दिया था। गुरुवार को बुलाकी राम कश्यप के घर में भी चोरी हुई।

पुण्य तिथि पर याद किए डॉ. आंबेडकर

संवाददाता, रिठौरा

अमृत विचार : डॉ भीमराव अंबेडकर को उनके 69 वें परिनिर्वाण दिवस के मौके पर अंबेडकर पार्क में उनकी प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई । एडवोकेट जसवीर सिंह राणा ने कहा कि डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जाति विहीन समाज की स्थापना करना चाहते थे। एडवोकेट संजय वर्मा ने कहा डॉक्टर अंबेडकर संविधान के असली शिल्पकार थे। इस मौके पर सुशील कुमार बौद्ध आदि अनुयाई मौजूद रहे।

कैबिनेट मंत्री ने बाबा साहेब को किया नमन: आंवला स्थित कैम्प कार्यालय पर कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह ने बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया।

उन्होंने कहा कि बाबा साहेब का संपूर्ण जीवन समावेशी समाज की स्थापना और सामाजिक उत्थान के लिए समर्पित रहा। मंत्री ने कहा कि लोकतांत्रिक चेतना से ओत-प्रोत बाबा साहेब का व्यक्तित्व हम सभी के लिए सदैव प्रेरणा का स्रोत बना रहेगा।कार्यक्रम में मझगांव ब्लॉक प्रमुख यशवंत सिंह, पूर्व चेयरमैन संजीव सक्सेना, प्रभाकर शर्मा, अनमोल गुप्ता सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

स्कूल में बच्चों ने बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के चित्र पर पुष्प चढ़ाए।

भाषण में अंश प्रथम ,अभिषेक को दूसरा स्थान

मीरगंज : शनिवार को डॉ भीमराव अंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर स्वामी दयानंद सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में अंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर उनके महान कार्य और जीवन पर भाषण प्रतियोगिता कराई गई। इसमें छात्रों ने डॉक्टर अंबेडकर के जीवन और उनके संघर्ष और उनके द्वारा समाज के लिए किए कार्यों के बारे में अपने विचार व्यक्त किए। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्र कक्षा 9 के अंश गंगवार जिन्होंने डॉ अबेडकर के जीवन और कार्यों पर बहुत ही प्रभावशाली भाषण दिया द्वितीय स्थान अभिषेक मिश्रा ने प्राप्त किया जिन्होंने डॉक्टर अंबेडकर के सामाजिक कार्यों पर अपने विचार व्यक्त किया तृतीय स्थान पर कक्षा 11 की छात्रा जुबीन कक्षा 12 की छात्रा इलमा खातून व कक्षा 7 की छात्रा समीक्षा तिवारी काव्या, कनक जिन्होंने डॉक्टर अंबेडकर के आर्थिक विचारों पर अपने विचार प्रस्तुत किया।

सीएम बाल श्रमिक विद्या योजना का 500 बच्चों को मिला लाभ

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर मुख्यमंत्री बाल श्रमिक विद्या योजना के तहत कामकाजी बच्चों को आर्थिक सहयोग और शिक्षा से जोड़ने के लिए श्रम विभाग ने स्पष्ट श्रेणीवार प्राथमिकता तय कर दी है। ऐसे बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है, जो परिवार की मजबूरी में ढाबों, होटलों, फैक्ट्रियों या अन्य प्रतिष्ठानों पर काम करते हैं। योजना के पहले चरण में प्रदेश के 20 जिलों जिसमें बरेली भी शामिल है। प्रत्येक जिले में 100 बच्चों को लाभ देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

सहायक श्रमायुक्त बाल गोविंद ने बताया कि जिले में अब तक योजना से 500 बच्चों को लाभान्वित किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि योजना का मुख्य उद्देश्य है कि किसी भी बच्चे को मजबूरी में मजदूरी न करनी पड़े और उसे शिक्षा व सुरक्षा दोनों मिल सकें।

योजना में बच्चों के चयन के लिए

● श्रम विभाग ने श्रेणीवार तय की प्राथमिकताएं, 12 सौ रुपये प्रतिमाह मिलेंगे

शासन ने नौ प्राथमिकता श्रेणी तय की हैं। सबसे पहले प्राथमिकता उन बच्चों को दी जाएगी, जिनके माता-पिता दोनों नहीं रहे।

परिवार की पूरी आय उन्हीं के काम पर निर्भर है। श्रम विभाग के सर्वे में उन्हें कामकाजी बच्चा चिह्नित किया गया है। ऐसे बच्चे जिनके पिता की मृत्यु, माता-पिता स्थायी दिव्यांग, माता-पिता गंभीर रोग से ग्रसित, परिवार की मुखिया विधवा व तलाकशुदा महिला, माता की मृत्यु या गंभीर बीमारी और भूमिहीन परिवारों के बच्चे शामिल किए गए हैं।

इसमें बच्चों को हर महीने आर्थिक सहायता-बालक 1000 रुपये, बालिका 1200 रुपये दिये जा रहे हैं। लाभार्थी बच्चा लगातार पढ़ता रहता है तो कक्षा 8, 9 और 10 उत्तीर्ण करने पर हर कक्षा पास होने पर 6000 रुपये प्रोत्साहन राशि भी दी जा रही है।

शोध में एआई का सावधानी से करें इस्तेमाल

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : रुहेलखंड विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग के सभागार में शनिवार को राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन पर अलग-अलग तकनीकी सत्रों में कई संस्थानों के प्रतिनिधित्व में ऑग्युमेंटेड रियलिटी, वर्चुअल रियलिटी एवं अन्य विषयों पर 170 से अधिक अधिक शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। सभी प्रतिभागियों ने एजुकेशन 5.0 की अवधारणा को समझते हुए कहा कि भविष्य की शिक्षा में तकनीक के साथ मानवीय मूल्य हमेशा प्राथमिक रहे।

विशेष वक्ता प्रो. तूलिका सक्सेना ने कहा कि हम सभी को तकनीक के समय में मानवीय गुणों का ध्यान रखने की आवश्यकता है। संस्थानों को एक ऐसा लर्निंग इको सिस्टम बनाने कि आवश्यकता है, जहां नवाचार के साथ अच्छा इंफ्रास्ट्रक्चर हो, साथ ही नैतिक जिम्मेदारी का एहसास भी हो। विशिष्ट वक्ता प्रो. आलोक श्रीवास्तव ने कहा कि सभी विद्यार्थियों की समस्या है कि अपना शोध कार्य करते समय वह एआई का

रुहेलखंड विश्वविद्यालय में संगोष्ठी में मौजूद वक्ता। ● अमृत विचार

● रुविवि में संगोष्ठी में 170 से अधिक अधिक शोध पत्र प्रस्तुत किए गए

प्रयोग करते हैं। सभी विद्यार्थियों को सावधानी और समझदारी से एआई टूल्स का प्रयोग करना होगा। ये हम सभी के लिए ये चुनौतीपूर्ण समय हैं। हमें मशीन और मनुष्य के मध्य संतुलन पर कार्य करना होगा।

मुख्य वक्ता प्रो. मनोज सक्सेना ने बताया कि पूर्व की शिक्षा में शिक्षक बालक के निर्माण का प्रमुख केंद्र रहा। शिक्षा में मानवीय मूल्य सर्वोपरि थे। वर्तमान में जब मशीन और आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का युग आया है, तब अच्छे साहित्य और सामग्री का अभाव सा होता जा रहा है। एआई का न्यायसंगत उपयोग करें।

मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के मुख्य नियंता प्रो. रवेंद्र सिंह ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों एवं शिक्षा क्षेत्र में शोधार्थियों के लिए उपयोगी सिद्ध होते हैं। संकाय अध्यक्ष प्रो. संतोष अरोड़ा ने बताया कि तकनीक कभी मनुष्य का विकल्प नहीं हो सकती। शिक्षा में शिक्षक का महत्व हमेशा से रहा है और आगे भी रहेगा। शिक्षक उपयुक्त वातावरण तैयार करें। हमें तकनीक का विरोध नहीं करना है बल्कि हमारे सीखने के उद्देश्य कैसे पूरे हों इस प्रकार का वातावरण हम तैयार करें।

तस्बीह फिरी पर दिल न फिरेया
लैना की तस्बीह हाथ फेर के

बाबा बुल्लेशाह कहते हैं, तुम तस्बीह यानी माला के इर्द-गिर्द गए, लेकिन अपने दिल में कभी नहीं गए। जपने वाली तस्बीह को हाथ में रखकर फिर तुम्हें क्या हासिल हुआ।

बाबा साहब आंबेडकर और आर्य आक्रमण का झूठ

संप्रति राष्ट्र डॉ. आंबेडकर का परिनिर्वाण दिवस मना रहा है। उनके विचार और दर्शन पर तमाम आयोजन हो रहे हैं। डॉ. बीआर आंबेडकर वास्तव में भारत रत्न हैं। प्रख्यात् मनीषी, संविधान सर्जक व श्रद्धेय राष्ट्रनिर्माता। वे अद्वितीय थे, प्रेरक थे और अजर-अमर थे। उन्होंने भारतीय सार्वजनिक जीवन में हस्तक्षेप किया। उनके विचार आधुनिक राजनीति को भी लगातार प्रभावित कर रहे हैं। वे अपने जीवनकाल से ज्यादा आधुनिक काल में भी प्रभावी हैं। वर्तमान जैसे विद्यमान श्रीमान हैं। प्रखर राष्ट्रवादी हैं। डॉ. आंबेडकर अपने समकालीन विद्वानों, राजनेताओं के मध्य श्रेष्ठ बुद्धिजीवी थे। राष्ट्रनिष्ठ और बहुपठित थे।

> डॉ. आंबेडकर ने रंग (वर्ण) भेद के आधार पर आर्यों और शूद्रों को अलग बताने वाली स्थापना को भी गलत बताया। उन्होंने ऋग्वेद के तमाम उद्धरण दिए और लिखा, 'आर्य गौर वर्ण के थे और श्याम वर्ण के भी थे। अश्विनी देवों ने श्याव और रूक्षती का विवाह करवाया। श्याव श्याम वर्ण है, रूक्षती गौर वर्ण है।' डॉ. आंबेडकर की स्थापना है, 'इन उद्धरणों से ज्ञात होता है कि वैदिक आर्यों में रंगभेद की भावना नहीं थी। ऋग्वेद के एक ऋषि दीर्घ तमस् हैं, वे श्याम वर्ण के और कण्व भी श्याम वर्ण के थे।'

वे भारतीय समाज संरचना के तर्कनिष्ठ आलोचक थे। उन्होंने ऋग्वेद सहित संपूर्ण प्राचीन भारतीय वांगमय पढ़ा। उपनिषद पुराण और स्मृति ग्रंथ भी उनके प्रिय विषय रहे। उन्होंने प्राचीन इतिहास का गहन अध्ययन किया। शूद्रों को अलग नस्ल बताने वाली नेतागिरी का प्रतिकार किया। मार्क्सवाद पढ़ा और भारतीय परिस्थितियों खासतौर से दलितों के लिए अनुपयोगी बताया। उन्होंने बहुचर्चित 'आर्य आक्रमण के सिद्धांत' का प्रतिकार किया।

राजनीति ने 'जाति और शूद्र' को भारतीय इतिहास का प्राचीन तत्व बनाया है। ब्रिटिश विद्वान व जातिवादी राजनीति का एक बड़ा धड़ा आर्यों को विदेशी हमलावर और शूद्रों को पराजित नस्ल बताता रहा है। डॉ. आंबेडकर ने लिखा, 'यह धारणा गलत है कि आर्य आक्रमणकारियों ने शूद्रों को जीता। पहली बात तो यह कि आर्य भारत में बाहर से आए थे और उन्होंने यहां के मूल निवासियों पर आक्रमण किया, इस कहानी के समर्थन के लिए कोई भी प्रमाण नहीं है। भारत ही आर्यों का मूल निवास स्थान था, यह सिद्ध करने के लिए प्रमाण-सामग्री काफी बड़े परिमाण में हैं। आर्यों और दस्युओं में युद्ध हुआ, यह साबित करने के लिए कोई प्रमाण नहीं है। फिर दस्युओं का शूद्रों से कुछ लेना-देना नहीं है।' (डॉ. बाबा साहब आंबेडकर राइटिंग्स एंड स्पीचेज खंड 7 पृष्ठ 420) आर्यों को विदेशी मानने का झूठ अभी भी जारी है।

डॉ. आंबेडकर की पुस्तक 'हू वेयर शूद्राज' (शूद्र कौन थे?) (1946) पठनीय है। उन्होंने एक विद्वान अधिवक्ता की तरह पहले पाश्चात्य विद्वानों के विचार दिए हैं। उन स्थापनाओं को तर्क सहित गलत बताया है। उन्होंने ऐसे विद्वानों की 7 मुख्य स्थापनाएं बनाईं- 1. जिन लोगों ने वैदिक साहित्य रचा था, वे आर्य नस्ल के थे। 2. आर्य नस्ल बाहर से आई थी और उसने भारत पर आक्रमण किया था। 3. भारत के निवासी दास और दस्यु रूप में जाने जाते थे और ये आर्यो से नस्ल के विचार से भिन्न थे। 4. आर्य श्वेत नस्ल के थे, दास और दस्यु काली नस्ल के थे। 5. आर्यों ने दासों और दस्युओं पर विजय प्राप्त की। 6. दास और दस्यु विजित होने के बाद दास बना लिए गए और शूद्र कहलाए। 7. आर्यों में रंगभेद की भावना थी, इसलिए उन्होंने चातुर्वण्र्य का निर्माण किया।

हृदय नारायण दीक्षित
पूर्व विधानसभा अध्यक्ष उत्तर प्रदेश

इसके द्वारा उन्होंने श्वेत नस्ल को काली नस्ल से, यथा दासों और दस्युओं से अलग किया। (वहीं, खंड 7, पृष्ठ 65) इसके बाद सातों विचार बिंदुओं की सभी स्थापनाओं को गलत बताया। ऋग्वेद के उद्धरण दिए और लिखा 'इन (शब्दों) के प्रयोग देखने से निष्कर्ष यह निकलता है कि ये शब्द नस्ल के अर्थ में कहीं भी प्रयुक्त नहीं हुए' (वही पृष्ठ 70) वे आर्यों को विदेशी बताने का तर्क काटते हैं, 'जहां तक वैदिक साहित्य का संबंध है, वह इस सिद्धांत के प्रतिकूल है कि आर्यों का मूल निवास भारत से कहीं बाहर था।' (वही) आर्य विदेशी होते तो भारतीय नदियों को माता कहकर प्रणाम न करते। आर्य हम सबके पूर्वज थे। डॉ. आंबेडकर ने रंग (वर्ण) भेद के आधार पर आर्यों और शूद्रों को अलग बताने वाली स्थापना को भी गलत बताया। उन्होंने ऋग्वेद के तमाम उद्धरण दिए और लिखा, 'आर्य गौर वर्ण के थे और श्याम वर्ण के भी थे। अश्विनी देवों ने श्याव और रूक्षती का विवाह करवाया। श्याव श्याम वर्ण है, रूक्षती गौर वर्ण है।' डॉ. आंबेडकर की स्थापना है, 'इन उद्धरणों से ज्ञात होता है कि वैदिक आर्यों में रंगभेद की भावना नहीं थी। ऋग्वेद के एक ऋषि दीर्घ तमस् हैं, वे श्याम वर्ण के और कण्व भी श्याम वर्ण के थे।' आर्यों के दोनों अवतारी पुरुष श्रीराम और श्रीकृष्ण सांवले थे। महाभारत के प्रतिष्ठित योद्धा अर्जुन भी श्याम रंग के थे। समूचा आर्य समाज एक था। हिंदू प्राचीन आर्य समाज की संज्ञा है।

डॉ. आंबेडकर ने लिखा, 'हिंदुओं से अछूतों को अलग करने की मांग पर मुसलमानों ने जोर दिया था। 27 जनवरी 1910 को उन्होंने सरकार के सामने एक आवेदन प्रस्तुत किया था। उनका दावा था कि देश की राजनीतिक संस्थाओं में उनके प्रतिनिधित्व का अनुपात सभी हिंदुओं की संख्या के अनुसार निश्चित न किया जाना चाहिए, वरन् सवर्ण हिंदुओं की संख्या के अनुरूप ही निश्चित होना चाहिए। उनका कहना था कि अछूत हिंदू नहीं हैं।' (बाबा साहब राइटिंग्स एंड स्पीचेस, खंड 5 पृष्ठ 7) लिखा, '1909 में मुसलमानों की ओर से आगा खां ने वायसराय मिंटो के सामने आवेदन पेश किया था- राजनीतिक संस्थाओं और सार्वजनिक सेवाओं में मुसलमानों को पृथक् और पर्याप्त प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए। 1901 में जो मर्दुमशुमारी हुई थी, उसमें मुसलमान कुल आबादी का चौथाई या पांचवां हिस्सा थे। यदि हिंदू समुदाय से अस्पर्श्य अंगों को निकाल दिया जाए, जो प्रकृति पूजक हैं या छोटे-मोटे धर्म मानने वाले हैं, वे निकाल दिए जाएं, तो बहुसंख्यक हिंदुओं के मुकाबले मुसलमानों की संख्या का अनुपात पहले से बढ़ जाता है।' (खंड 7, पृष्ठ 311-12)

ऋग्वेद में कहीं भी चार वर्ण नहीं है। शब्द ब्राह्मण का भी वर्ण के अर्थ में प्रयोग नहीं हुआ। डॉ. रामविलास शर्मा ने लिखा (भारतीय संस्कृति और हिंदी प्रदेश, पृष्ठ 53) है, 'ऋग्वेद में ब्रह्मन् शब्द बहुत बार आया है। इसका अर्थ ब्राह्मण वर्ण नहीं है। ब्रह्मन् की तरह अनेक बार ब्रह्मा का भी प्रयोग हुआ है। इसका मूल अर्थ प्रषस्तिपरक काव्य है। कवि इंद्र से कहता है, हम तेरे लिए अभूतपूर्व स्तोत्र कहते हैं। (8.90.3) ब्रह्मन् की तरह ब्रह्मा भी कवि, गायक, स्तोता हैं। वशिष्ठ इसी अर्थ में ब्रह्मन् हैं। (8.90.3) इंद्र वशिष्ठ से कहते हैं- हे वशिष्ठ, ब्राह्मन्, तू उर्वषी के मन से उत्पन्न हुआ है। (7.33.11) इन तमाम संदर्भों में स्तुति और स्तोत्र की चर्चा है। ब्राह्मणाम् का अर्थ ब्राह्मण जाति या वर्ण नहीं, कवि, ब्रह्मकार गायक है।'

राष्ट्र सर्वोपरि आस्था है। डॉ. आंबेडकर ने लिखा, 'भारत एक भौगोलिक इकाई है। इस इकाई का निर्माण प्रकृति ने किया है। यह सही है कि भारतवासी आपस में झगड़ते रहते हैं, परंतु इन झगड़ों से उस एकता का नाश नहीं हो सकता, जो प्रकृति के समान ही सनातन है। भौगोलिक एकता के साथ ही यहां सांस्कृतिक एकता भी है।' डॉ. आंबेडकर के निष्कर्ष रोमांचकारी हैं। भारत प्रकृति निर्मित राष्ट्र है। राष्ट्र की सांस्कृतिक एकता प्रकृति के समान सनातन है। संविधान निर्माण के आखिरी दिन (25.11.1949) उन्होंने भावुक भाषण दिया। अंत में कहा, 'यहां मैं अपना भाषण खत्म कर देता, किंतु मेरा मस्तिष्क देश की भविष्य चिंता से परिपूर्ण है। क्या भारत अपनी स्वतंत्रता बनाए रखने में कामयाब होगा? जाति और मत-मतांतर राजनीतिक पक्ष बन रहे हैं। क्या भारतीय मत-मतांतरों को राष्ट्र से श्रेष्ठ मानेंगे या राष्ट्र के मत मतांतरों से ऊपर?' डॉ. आंबेडकर की आस्था का केंद्र राष्ट्र था। हम सबको अपने भारत रत्न पर गर्व है।

सत्ता, सियासत व सनातन

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हिंदुत्व का एक ऐसा प्रखर चेहरा बन चुके हैं कि अब इनका कोई विकल्प नजर नहीं आता। यूपी के मुख्यमंत्री के प्रशंसकों की धारणा है कि योगी जैसा कोई नहीं। यदि पूरे देश की सत्ता और सियासत भी धार्मिक, आध्यात्मिक और सनातन रंग में रंग जाए पर हिंदुत्व का सबसे बड़ा चेहरा योगी आदित्यनाथ ही बने रहेंगे। पवित्र भगवा का ओज, प्रताप, वैभव और सम्मान योगी ने इतना बढ़ा दिया है कि साधुओं और भगवाधारियों के कदम सत्ता और सियासत को फलने-फूलने का मार्ग प्रशस्त करने लगे हैं। यूपी के अगले भाजपा अध्यक्ष की दस्तक यही बता रही है।

यदि किसी राज्य का मुख्यमंत्री एक योगी हो और पार्टी अध्यक्ष साधु तब समझ लीजिए कि सनातन के बिना न अब सत्ता चल सकती है और न ही सियासत, क्योंकि लोकतंत्र नंबर गेम पर आधारित है और कौन बहुसंख्यक नहीं चाहेगा कि सांस्कृतिक विकास की धारा, राष्ट्रवादी फिजाएं, श्रीराम की भक्ति और भगवा के साए में उसका देश, समाज, परिवार और जीवन खुशहाल रहे!

नवेद शिकोह
वरिष्ठ पत्रकार

धर्म और आध्यात्म की दुनिया में भी कुछ लाइंस पंचलाइन बन जाती हैं। जैसे- 'सबका मालिक एक है'। इसी तरह अब हिंदुत्व की रक्षा-सुरक्षा और सम्मान के पैरोकारों को लगने लगा है कि देश-दुनिया में हिंदुत्व का चेहरा तो सिर्फ एक ही है। वो चेहरा है उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का। देश भर में योगी का विकल्प कोई नहीं। हां, ये जरूर है कि अब धर्म से लेकर सत्ता और सियासत में भगवा के भाव बढ़ रहे हैं, सम्मान और स्वीकृति भी खूब बढ़ने लगी है।

> किसी राज्य का मुख्यमंत्री एक योगी हो और पार्टी अध्यक्ष साधु, तब समझ लीजिए कि सनातन के बिना न अब सत्ता चल सकती है और न सियासत। कौन बहुसंख्यक नहीं चाहेगा कि भगवा के साए में उसका देश, समाज, परिवार और जीवन खुशहाल रहे!

यदि साध्वी निरंजन ज्योति को भाजपा उत्तर प्रदेश का अध्यक्ष बनाती है, तो इसके निहितार्थ यही हैं कि आने वाले समय में पार्टी अपने पुराने हिंदुत्व के एजेंडे को नई धार देने जा रही है। 2027 के यूपी विधानसभा चुनाव में भाजपा के एजेंडे के रथ का इंजन भले ही विकास हो, पर सनातनियों की रक्षा-सुरक्षा और हिंदुत्व के सम्मान के पहियों से इस रथ को दौड़ाया जाएगा। अखिलेश यादव के पीडीए वर्सेज योगी आदित्यनाथ के हिंदुत्व की लड़ाई नजर आने लगी है। सनातनियों की रक्षा-सुरक्षा के लिए यूपी से घुसपैठियों को खदेड़ने का सिलसिला तेज हो या एक साध्वी को सम्मान मिले, ये सारे संकेत बता रहे हैं और भाजपा की रणनीति भी साफ दिख रही है।

कभी सवर्णों की पार्टी कहे जाने वाली भाजपा को सफलता के शीर्ष पर पहुंचाने वालों में दलितों और पिछड़ी जातियों के आलावा महिला वर्ग का भी बड़ा श्रेय जाता है। पिछड़ों और महिलाओं के इस विश्वास को आगे जारी रखने और 2027 का यूपी विधानसभा चुनाव जीतने के लिए ही भाजपा ने एक तीर से तीन निशाने लगाए हैं। साध्वी निरंजन ज्योति को प्रदेश अध्यक्ष पद ना सिर्फ हिंदुत्व की धार मजबूत करेगा, बल्कि पिछड़ो को साधने और महिला सम्मान का प्रदर्शन करने में भी भाजपा राजनीतिक फायदा उठाने की कोशिश करेगी।

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात के बाद इन चर्चाओं को बल मिल गया कि भाजपा के यूपी अध्यक्ष का इंतजार अब खत्म हो गया। वह यूपी की फतेहपुर से पूर्व सांसद और मंत्री रही हैं। निषाद-जाति परिवार की साध्वी को प्रदेश अध्यक्ष बनाने के राजनीतिक निहितार्थ को नजरंदाज नहीं किया जा सकता है।

धर्म शब्द के हैं व्यापक अर्थ

पाणिनि कृत संस्कृत व्याकरण के अनुसार धृ धारणे धातु में मन् प्रत्यय के योग से धर्म शब्द की सिद्धि होती है, जिसका अर्थ है संभालना, संरक्षित करना, स्थिर बनाए रखना आदि। धारयति इति धर्मः जो धारण करे वही धर्म है। 'धर्म' शब्द भारतीय चिंतन का अत्यंत गहन और बहुआयामी तत्व है। यह केवल किसी विशेष पूजा-पद्धति, संप्रदाय या परंपरा तक सीमित नहीं है, बल्कि संपूर्ण मानव जीवन, समाज और विश्व-व्यवस्था को धारण करने वाला मूल तत्त्व है। इस प्रकार धर्म वह शक्ति है जो जीवन, समाज और सृष्टि के संतुलन को बनाए रखे।

जीवन, समाज, राष्ट्र, विश्व के कल्याण के लिए आचरणीय धारणीय कर्म भाव ही धर्म है। इस दृष्टि से धर्म किसी विशेष अनुष्ठान, पूजापाठ पद्धति का नाम नहीं बल्कि वह सिद्धांत है, जो व्यक्ति एवं समाज में व्यवस्था और स्थिरता प्रदान करे और परस्पर मानवों में मैत्री, करुणा, दया, प्रेम, सत्य, अहिंसा, क्षमा, न्याय, संयम, सहानुभूति आदि जो समाज को स्थिर रखते हैं। जिस प्रकार अग्नि का ताप, जल की शीतलता, वृक्ष का फल देना- यह सब उनका स्वाभाविक धर्म है, उसी प्रकार सत्य, करुणा, अहिंसा, न्याय, प्रेम, सदाचरण और कर्तव्य पालन मनुष्य का धर्म है। इन गुणों से हीन व्यक्ति मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारे, चर्च आदि में जाकर या किसी पूजा अनुष्ठानादि कार्यक्रम को आचरित करते हुए स्वयं को धार्मिक कहे, तो यह धर्म शब्द की व्यापक व्याख्या के प्रतिकूल ही है।भारतीय मीमांसा परंपरा धर्म को इस प्रकार परिभाषित करती है-'यतोऽभ्युदयनिःश्रेयससाधनं सः धर्मः'

डॉ. हेमंत कुमार जोशी
लेखक, नैनीताल

अर्थात् धर्म वह है जो लोककल्याण और आत्मकल्याण दोनों का साधन बने।

धर्म सामाजिक जीवन को दिशा देने वाले नैतिक सिद्धांतों का समुच्चय है। सत्य, अहिंसा, दया, संयम, सहिष्णुता, सत्यनिष्ठता, परस्पर सम्मान, समरसता और न्याय ये सभी धर्म के अभिन्न अंग हैं। समाज के सुचारु संचालन के लिए आवश्यक आचार-विचार और व्यवहार धर्म के अंतर्गत आते हैं। यदि समाज में धर्म के मूल्य समाप्त हो जाएं तो अराजकता, हिंसा, अन्याय और अव्यवस्थाएं पैदा हो जाती हैं।

धर्म व्यक्ति के नैतिक आचरण का मार्गदर्शन भी करता है। प्रत्येक व्यक्ति के लिए उसके स्वभाव, कर्तव्य, स्थिति और उत्तरदायित्व के अनुरूप एक विशिष्ट 'स्वधर्म' होता है। श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान् कृष्ण ने स्पष्ट कहा है कि अपने स्वभावानुकूल कर्तव्य का पालन करना ही धर्म का सर्वोच्च रूप है। धर्म का वास्तविक पालन बाह्य प्रदर्शन से नहीं होता, अपितु आंतरिक निष्ठा, पवित्रता, सत्यनिष्ठता और सच्चरित्र से होता है तथा अपने मूल कर्तव्य कर्म के प्रति पूर्ण समर्पण एवं श्रद्धा से परिलक्षित होता है। कर्तव्यविमुखता के बढ़ते प्रभाव से आज के समय में सोशल मीडिया के माध्यम से ऊंचे-ऊंचे धार्मिक जयघोषों के दिखावे से तो अपने संप्रदाय विशेष को धर्म मानते हुए दूसरे संप्रदाय विशेष को कमतर दिखाना सिद्ध भी प्रतीत होता है। धर्म केवल नैतिकता या सामाजिक आचार तक सीमित नहीं है। यह मानव जीवन में आध्यात्मिक उन्नति का भी आधार है। धर्म मनुष्य को आत्मनियंत्रण, सत्य-जिज्ञासा और आत्मकल्याण की ओर प्रेरित करता है।

लोकतांत्रिक परंपरा या राजनीतिक असुरक्षा!

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन दो दिन के भारत दौरे पर थे। यूक्रेन युद्ध के बाद उनकी भारत की पहली यात्रा है। इस महत्वपूर्ण राजनयिक दौरे से ठीक पहले एक बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया, जो भारतीय लोकतंत्र की बुनियादी परंपराओं पर सवाल उठाता है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार विदेशी नेताओं को विपक्षी नेताओं से मिलने की इजाजत नहीं देती। यह महज एक राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप नहीं है, बल्कि यह सवाल उठाता है कि क्या भारत में लोकतांत्रिक परंपराएं कमजोर हो रही हैं और क्या विपक्ष को राष्ट्र का प्रतिनिधि माना जा रहा है या नहीं।

> पुतिन के दौरे पर बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है, जो भारतीय लोकतंत्र की बुनियादी परंपराओं पर सवाल उठाता है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि केंद्र सरकार विदेशी नेताओं को विपक्षी नेताओं से मिलने की इजाजत नहीं देती।

राहुल गांधी ने संसद परिसर में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि भारत में लंबे समय से यह परंपरा रही है कि जब भी कोई विदेशी राष्ट्राध्यक्ष या प्रधानमंत्री भारत आते हैं, तो वे विपक्ष के नेता से भी मिलते हैं। उन्होंने कहा कि यह परंपरा अटल बिहारी वाजपेयी और मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्रित्व काल में भी कायम थी। राहुल का सीधा आरोप है कि वर्तमान सरकार अपनी राजनीतिक असुरक्षा के कारण इस महत्वपूर्ण लोकतांत्रिक परंपरा को तोड़ रही है। उन्होंने दावा किया कि जब विदेशी गणमान्य व्यक्ति भारत आते हैं या जब वे खुद विदेश जाते हैं, तो सरकार उन्हें सलाह देती है कि नेता प्रतिपक्ष से नहीं मिलना चाहिए। यह आरोप किसी एक घटना तक सीमित नहीं है, बल्कि विपक्ष का कहना है कि यह एक नियमित नीति का हिस्सा बन गया है।

जयदेव राठी एडवोकेट
टिप्पणीकार

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने भी इस मुद्दे पर अपनी आवाज उठाई और कहा कि यह एक स्थापित प्रोटोकॉल है कि विदेशी गणमान्य व्यक्ति नेता प्रतिपक्ष से मिलते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इस सरकार की सभी नीतियां इस सिद्धांत पर आधारित हैं कि वे सब कुछ नियंत्रित करना चाहते हैं और दूसरी आवाजों को सुनना नहीं चाहते। प्रियंका ने कहा कि लोकतंत्र में विविधता और बहुलवाद की जगह होनी चाहिए, न कि एक ही स्वर का प्रभुत्व।

दूसरी ओर, सरकार और सत्तापक्ष ने इन आरोपों को पूरी तरह से खारिज कर दिया है। सरकारी सूत्रों का कहना है कि किसी भी विदेशी यात्रा के दौरान विदेश मंत्रालय आने वाले गणमान्य व्यक्ति के लिए सरकारी अधिकारियों और सरकारी निकायों के साथ बैठकों की व्यवस्था करता है। यह उनका काम है और यह नियमित प्रोटोकॉल के अनुसार होता है। पूर्व विदेश सचिव और राज्यसभा सांसद हर्षवर्धन श्रृंगला ने इस मामले पर सफाई देते हुए कहा कि विदेशी नेता बहुत तंग समय-सारणी पर काम करते हैं। उनके पास सीमित समय होता है और उन्हें कई महत्वपूर्ण बैठकों में शामिल होना पड़ता है।

श्रृंगला ने यह भी स्पष्ट किया कि नेता प्रतिपक्ष से मुलाकात को अनिवार्य बनाने वाला कोई लिखित प्रोटोकॉल नहीं है। यह पूरी तरह से अतिथि के समय, पसंद और प्राथमिकताओं पर निर्भर करता है। भाजपा सांसद संबित पात्रा ने राहुल गांधी के बयान को अनुचित और गलत बताया। उन्होंने कहा कि ऐसे बयान भारत को अच्छी रोशनी में प्रस्तुत नहीं करते और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष को अधिक जिम्मेदारी से व्यवहार करना चाहिए।

अब सवाल यह है कि सच्चाई क्या है? भारतीय लोकतंत्र में विदेशी नेताओं से विपक्षी नेताओं की मुलाकात की परंपरा वास्तव में काफी पुरानी है। यह कोई संवैधानिक या कानूनी बाध्यता नहीं है, बल्कि यह लोकतांत्रिक मर्यादा और संसदीय शिष्टाचार से उपजी एक परंपरा है। अटल बिहारी वाजपेयी के प्रधानमंत्रित्व काल में राजग सरकार ने कई मौकों पर विपक्षी नेताओं को विदेशी राष्ट्राध्यक्षों से मिलने की व्यवस्था की थी।

यह उस दौर की संसदीय गरिमा और राजनीतिक परिपक्वता का प्रतीक माना जाता था। वाजपेयी खुद संसदीय परंपराओं के पक्के समर्थक थे और उन्होंने हमेशा विपक्ष का सम्मान किया। 2004 से 2014 के बीच मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्रित्व काल में भी विपक्षी नेताओं को महत्वपूर्ण विदेशी दौरों में शामिल किया जाता था और उन्हें विदेशी गणमान्य व्यक्तियों से मिलने का अवसर दिया जाता था। इसके पीछे सोच यह थी कि विदेश नीति सिर्फ सत्तापक्ष का विषय नहीं है, बल्कि यह एक राष्ट्रीय मुद्दा है जिस पर पूरे देश की सहमति होनी चाहिए। दुनिया के अधिकांश परिपक्व लोकतंत्रों में यह एक आम प्रथा है कि विदेशी राष्ट्राध्यक्ष न केवल सत्तापक्ष बल्कि विपक्षी नेताओं से भी मिलते हैं।

अपने मन को न बनने दें गलत काम करने का अभ्यस्त

ग्रीन सिग्नल मिलते ही रेल की पटरी पर ट्रेन चलने लगती है। तेज गति से चलती ट्रेन को जब कहीं रेड सिग्नल दिखाई पड़ता है तब ड्राइवर ट्रेन रोक देता है। वह समझ जाता है कि आगे कुछ दिक्कत है, इसलिए रेड सिग्नल दिया गया है। जब तक पुनः ग्रीन सिग्नल नहीं मिलता तब तक वह ट्रेन आगे नहीं बढ़ाता।

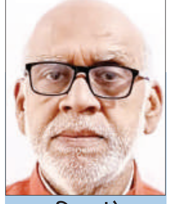

सलिल पांडेय
मिर्जापुर

मनुष्य का जीवन भी कुछ इसी तरह का होना चाहिए। यह कर्तव्य पथ पर ग्रीन सिग्नल मिलने पर आगे बढ़ता जाए, लेकिन रेड सिग्नल दिखाई पड़े तो उसे तब तक रुक जाना चाहिए जब तक पुनः ग्रीन सिग्नल न दिखने लगे। मानव जीवन का ग्रीन सिग्नल का मतलब सकारात्मक आचरण से है। जब मन में लगे कि वह सत्य तथा सदाचार पूर्वक काम कर रहा है, तो उसे करते रहना चाहिए, लेकिन मन के ड्राईवर को लगे कि कुछ गलत हो रहा है, तब उसे तत्काल ट्रेन की तरह तब तक रुक जाना चाहिए, जब तक फिर से सत् आचरण का भाव मन में न आ जाए।

मन एक ऐसा ड्राईवर है, जो गलत-सही के बारे में बताता रहता है। यह दीगर बात है कि मन के मना करने के बावजूद गलत काम करने में इंसान पीछे नहीं रहता। सच्चाई तो यह है कि गलत तरीके से काम करने में सुखद अनुभूति होती है। फिर मन गलत काम करने का अभ्यस्त हो जाता है। मन को दबाकर किए गए काम का पहला नतीजा तो यही होता है कि मन में डर समाने लगता है। लेकिन डर के बावजूद इंसान रेड सिग्नल की परवाह नहीं करता। लिहाज़ा किसी न किसी दिन गलत कामों के दुष्परिणाम सामने आने लगते है।

गलत काम करने वाले की सबसे पहले नींद गायब होती है। वह जब सोने चलता है तब दिन भर के कार्य मस्तिष्क में याद आने लगते है। ऐसा नहीं कि मन में घबराहट नहीं होती, लेकिन मन को मारकर गलत काम करने से जो सुविधा मिलती है, उससे सुखद अनुभूति मिलती है। फिर मन भी रोकना-टोकना बंद कर देता है। आदतों में गलत प्रवृत्तियां समा जाती हैं, लेकिन जिस किसी दिन गलत काम उजागर होते हैं और कानूनी झंझटों का सामना करना पड़ता है, तब पश्चाताप होता है। फिर खुद लगने लगता है कि उसे ऐसा नहीं करना चाहिए था। जब इंसान कानूनी कार्रवाई का शिकार होता है तो जल्दी कोई साथ नहीं देता है।

सोशल मीडिया के दौर में भरोसे की नई जंग

इंटरनेट ने सूचना की दुनिया का ताला लोगों के लिए खोल दिया है। कुछ दशक पहले तक किसी बीमारी को समझने, निवेश का फैसला करने, कानूनी सलाह लेने या बच्चे की पढ़ाई की दिशा तय करने के लिए विशेषज्ञ के पास जाना पड़ता था। आज वही जानकारी कुछ क्लिक की दूरी पर है। यह परिवर्तन जितना अद्भुत है, उतना ही जटिल भी, क्योंकि इसी आज़ादी ने ज्ञान के साथ-साथ भ्रम भी पैदा किया है। एक तरफ इंटरनेट ने सीखने, समझने और जानने की शक्ति को आम लोगों तक पहुंचाया, वहीं दूसरी तरफ उसने बिना योग्यता वाले 'डिजिटल गुरु' भी पैदा कर दिए हैं, जो लोकप्रियता और आत्मविश्वास के आधार पर ऐसी सलाह बांटते हैं, जिनका सीधा असर लोगों की सेहत, बचत, नौकरी और भविष्य पर पड़ सकता है। ठीक यहीं पर डिजिटल स्वतंत्रता और डिजिटल ज़िम्मेदारी के बीच संतुलन जरूरी हो जाता है।

दुनिया इस समस्या को गंभीरता से समझने लगी है। चीन ने नियम लागू किया कि स्वास्थ्य, वित्त, कानून और शिक्षा जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में सलाह सिर्फ प्रमाणित और अधिकृत विशेषज्ञ ही देंगे, जिनका अनुभव और शिक्षा उसी क्षेत्र में है। इसे नियंत्रण कहकर खारिज करना आसान है, लेकिन यह कदम इस सत्य की स्वीकारोक्ति भी है कि पूरी तरह अनियंत्रित अथवा स्वतंत्र इंटरनेट नागरिकों की सुरक्षा की गारंटी नहीं बनता। यह चर्चा इसलिए और महत्वपूर्ण होती जा रही है, क्योंकि भारत तेज़ी से विकसित हो रहे डिजिटल राष्ट्रों में शामिल है।

डॉ. शिवम भारद्वाज
असिस्टेंट प्रोफेसर मथुरा

इंटरनेट कनेक्टिविटी अब आधुनिक भारत की प्रगति की रीढ़ बन चुकी है। इसका पैमाना समझने के लिए आंकड़े काफी हैं। अप्रैल–जून 2025 के बीच देश में इंटरनेट सब्सक्राइबर्स की संख्या 1002.85 मिलियन को पार कर गई। यह सिर्फ तकनीकी विस्तार नहीं, बल्कि उस डिजिटल जीवन शैली का संकेत है, जो समाज के हर उम्र, हर वर्ग और हर पेशे में घुस चुकी है। TRAI के अनुसार 2024 में प्रति उपयोगकर्ता औसतन 31.4 GB डेटा प्रतिमाह खपत हुई। दुनिया में सबसे अधिक। एरिक्सन मोबिलिटी रिपोर्ट इस तस्वीर को और स्पष्ट बनाती है। भारत में प्रति व्यक्ति मासिक डेटा खपत 32 GB है, जो वैश्विक स्तर पर सबसे ज़्यादा है। इसका मतलब यह है कि भारत इंटरनेट का उपयोग करने वाला देश भर नहीं, बल्कि इंटरनेट पर जीने वाला देश बनने लगा है।

यहीं से संवेदनशीलता शुरू होती है, क्योंकि जब रोज़मर्रा के फैसले इंटरनेट के हवाले हो जाएं, तो गलत जानकारी के दुष्परिणाम सामान्य नहीं रहते। महामारी के दौरान घरेलू नुस्खों के नाम पर खतरनाक उपचार वायरल हुए, सोशल मीडिया आधारित निवेश सलाहों ने भी बड़ी तादाद में लोगों को भारी नुकसान पहुंचाया। 2021–24 के बीच 'फटाफट मुनाफ़ा' जैसी रणनीतियों और अविश्वसनीय स्टॉक टिप्स के कारण निवेशकों को हज़ारों करोड़ रुपये का आर्थिक नुकसान हुआ। तमाम मामले ऐसे हैं, जहां कानूनी सलाह के नाम पर भ्रामक वीडियो देखकर लोगों ने ऐसे कदम उठाए, जिनसे पुलिस और अदालतों में उनकी स्थिति और खराब हो गई, इसलिए यह समस्या व्यक्तिगत नुकसान भर नहीं, सामाजिक जोखिम बन चुकी है, क्योंकि अब गलत सलाह लाखों लोगों के व्यवहार को बदल सकती है।

नियामक संस्थाएं अब इस खतरे को समझने लगी हैं। सेबी ने फरवरी 2025 में इनफ्लुएंसर्स पर सख़्त नियम लागू करते हुए यह स्पष्ट किया कि तकनीकी निवेश सलाह सिर्फ पंजीकृत और योग्य विशेषज्ञ ही देंगे। लाइव मार्केट डेटा का उपयोग करके प्रचार या प्रलोभन देने पर प्रतिबंध लगा दिया गया और रिटर्न के दावे बिना प्रमाण के पूरी तरह वर्जित कर दिए गए। ASCI ने भी इसकी पूरक घोषणा करते हुए कहा कि वित्त और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों पर सामान्य जानकारी देना सबके लिए खुला है, लेकिन सलाह देने वाले की योग्यता और पंजीकरण पारदर्शी होना चाहिए। यह अभिव्यक्ति की आज़ादी पर रोक नहीं, बल्कि नागरिकों की सुरक्षा की बुनियादी शर्त है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

वर्ल्ड ब्रीफ

मानहानि मामले में राहुल के खिलाफ 20 तक सुनवाई टली

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे जिले की अदालत ने आरएसएस के स्वयंसेवक की ओर से कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ दायर आपराधिक मानहानि मामले की सुनवाई शनिवार को 20 दिसंबर तक स्थगित कर दी। अदालत ने गवाह की अनुपलब्धता पर यह निर्णय लिया। राहुल के वकील नारायण अय्यर ने सुनवाई स्थगित किए जाने की पुष्टि करते हुए कहा कि गवाह अशोक सायकर व्यक्तिगत कारणों से पेश नहीं हो सके। सायकर वर्तमान में सोलापुर के बार्शी में पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) हैं। सायकर की गवाही अब 29 दिसंबर को दर्ज किए जाने की संभावना है। उनकी गवाही को महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि 2014 में उन्होंने सीआरपीसी की धारा-202 के तहत मामले की शुरुआती जांच की थी।

दुकान में लगी आग, दम घुटने से दंपती की मौत

नई दिल्ली। दिल्ली के टिकरी कलां में किराना की दुकान में आग लगने के बाद अंदर फंसे उत्तर प्रदेश शाहजहांपुर निवासी विनीत और उसकी पत्नी रेनू की दम घुटने से मौत हो गई। दंपती किराने की दुकान चलाते थे। वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार रात 8.17 बजे दुकान से धुआं और आग की सूचना पर पुलिस पहुंची और उन्होंने पाया कि दुकान का शटर आंशिक रूप से नीचे गिरा हुआ था और अंदर घना धुआं था। प्रारंभिक जांच के अनुसार, दुकान के काउंटर के पास शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगने का संदेह है, जिससे दुकान के ऊपर और आसपास रखे प्लास्टिक के पैकेट जल गए।

फैक्ट्री में क्लोरीन गैस रिसाव से पांच बीमार

रतलाम (मप्र)। जनपद के जावरा शहर में फैक्ट्री में क्लोरीन गैस का रिसाव होने से तीन दमकलकर्मियों समेत पांच लोग बीमार पड़ गए। जिला कलेक्टर मीशा सिंह ने बताया कि रतलाम से 35 किलोमीटर दूर औद्योगिक क्षेत्र में फेरिक सल्फेट बनाने वाली एक इकाई में क्लोरीन गैस का रिसाव हुआ। राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) एवं दमकल विभाग की टीमें वहां पहुंचीं और रिसाव बंद किया। दो कर्मचारी और तीन दमकलकर्मी बीमार पड़ गए और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है, सभी लोग खतरे से बाहर बताए गए हैं।

दिल्ली की वायु गुणवत्ता फिर हुई 330 के पार

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी शनिवार को भी प्रदूषण की गिरफ्त में रही और वायु गुणवत्ता 'बहुत खराब' श्रेणी में दर्ज की गई। दिल्ली में 24 घंटे का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 330 दर्ज किया गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के समीर एप के अनुसार, 40 निगरानी स्टेशनों में से 31 में शाम तक एक्यूआई 'बहुत खराब' श्रेणी में दर्ज किया गया और इनमें नेहरू नगर का एक्यूआई (369) सर्वाधिक था। दिल्ली में शनिवार सुबह नौ बजे एक्यूआई 335 था और 36 स्टेशन पर यह 'बहुत खराब' श्रेणी में रहा। सबसे अधिक एक्यूआई मुंडका (387) में रहा। डीएसएस के अनुसार, परिवहन क्षेत्र का प्रदूषण में 14.8 प्रतिशत योगदान रहा।

बाबरी मस्जिद पर भाजपा-तृणमूल में वाकयुद्ध

तृणमूल पर भाजपा ने लगाया ध्रुवीकरण करने का आरोप, बंगाल की सत्तारूढ़ पार्टी ने इसे बताया निराधार

- प. बंगाल के मुर्शिदाबाद में 'बाबरी मस्जिद' की तर्ज पर रखी गई नींव से उपजा विवाद

कोलकाता, एजेंसी

प. बंगाल के मुर्शिदाबाद में 'बाबरी मस्जिद' की तर्ज पर एक मस्जिद की नींव रखने की विधायक हुमायूं कबीर की योजना को लेकर शनिवार को राजनीतिक घमासान मच गया। भाजपा ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पर ध्रुवीकरण का आरोप लगाया जबकि राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी ने इस आरोप को निराधार बताकर खारिज कर दिया। टीएमसी ने कबीर को पार्टी से निलंबित कर दिया है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता अमित मालवीय ने एक्स पर आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी राजनीतिक लाभ के लिए मुसलमानों का ध्रुवीकरण करने को विधायक का इस्तेमाल कर रही हैं। उन्होंने दावा किया कि कबीर के समर्थक कथित बाबरी मस्जिद के निर्माण के लिए ईंट ले जाते दिखे और विधायक ने दावा किया है कि उन्हें पुलिस का समर्थन प्राप्त है। मालवीय ने चेतावनी दी कि कोई भी अशांति राष्ट्रीय राजमार्ग 12 को बाधित कर सकती है जो उत्तर बंगाल को दक्षिण बंगाल से जोड़ने वाला मार्ग है। भाजपा नेता दिलीप घोष ने आरोप लगाया कि टीएमसी विधानसभा चुनाव से पहले सांप्रदायिक भावनाएं भड़काने की कोशिश कर रही है। टीएमसी कबीर का इस्तेमाल चुनाव से पहले तनाव पैदा करने के लिए कर रही है।

टीएमसी ने पलटवार करते हुए कबीर पर भाजपा और राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ की मौन सहमति से जिले में शांति भंग करने के लिए उसके एजेंट के तौर पर काम करने का आरोप लगाया। टीएमसी नेता ने आरोप लगाया कि निलंबित विधायक अशांति भड़काने के लिए विपक्षी दल भाजपा के एजेंट के रूप में काम कर रहे हैं। मुर्शिदाबाद के लोग शांतिप्रिय हैं और उकसावे का समर्थन नहीं करते। टीएमसी नेता ने भाजपा के आरोपों को निराधार बताते हुए खारिज कर दिया।

देश को बर्बाद करने वाली विभाजनकारी ताकतों के खिलाफ जारी रहेगी हमारी लड़ाई: ममता

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि नफरत फैलाने वाली सांप्रदायिक शक्तियों के खिलाफ लड़ाई जारी रहेगी। बनर्जी ने कहा कि यह मिट्टी कभी भी देश को बर्बाद करने वाली विभाजनकारी ताकतों के सामने नहीं झुकी है और न कभी झुकेगी। उनकी सरकार देश के संवैधानिक आदर्शों और सिद्धांतों की रक्षा करने और उन्हें मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। टीएमसी के निलंबित विधायक कबीर के बाबरी मस्जिद की तर्ज पर बनी मस्जिद की आधारशिला रखे जाने से पहले बनर्जी का यह बयान आया है। कबीर ने मस्जिद की आधारशिला से जुड़ा समारोह छह दिसंबर यानी आज आयोजित करने घोषणा की।

कांग्रेस ने कोलकाता में निकाली सद्भावना रैली

कोलकाता। कांग्रेस कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने धार्मिक आधार पर ध्रुवीकरण करने के कथित प्रयासों के खिलाफ नारे लगाते हुए 'सद्भावना रैली' के तहत कोलकाता में उसी सड़क पर स्थित एक मस्जिद से मंदिर तक एक किलोमीटर से अधिक दूरी तक मार्च किया। पार्टी ने लोगों से छह दिसंबर 1992 को बाबरी मस्जिद के विध्वंस के बाद के दिनों को वापस न लाने का आह्वान किया। कांग्रेस की पश्चिम बंगाल इकाई के अध्यक्ष शुभंकर सरकार ने कहा कि हम यह संदेश देना चाहते हैं कि मंदिर और मस्जिद बनाने से भूखमरी दूर नहीं होगी और लोगों को रोजगार नहीं मिलेंगे। हम हर धर्म का सम्मान करते हैं। हम लोगों की धार्मिक भावनाओं को भड़काकर उन्हें धार्मिक पहचान के आधार पर बांटने की राजनीति के खिलाफ हैं। शुभंकर सरकार और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता भी इस रैली में शामिल हुए। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने दावा किया, हम तृणमूल कांग्रेस के शासन के दौरान बंगाल में व्याप्त कदाचार और भ्रष्टाचार की भी निंदा करते हैं तथा धार्मिक आधार पर लोगों के बीच दरार पैदा करने के प्रयासों के बीच युवाओं के लिए घटते रोजगार अवसरों की भी निंदा करते हैं। रैली में शामिल लोगों ने पार्टी और राष्ट्रीय झंडे लिए हुए थे।

सीसीई राज्य में तय समय पर ही आयोजित कराई जाएगी

- जेकेपीएससी अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री उमर की मांग को किया खारिज

श्रीनगर, एजेंसी

जेकेपीएससी ने शनिवार को घोषणा की कि संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा (सीसीई) निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार ही होगी। हालांकि आयु में छूट की मांग और परीक्षा स्थगित करने की मांग को लेकर लोकभवन और उमर अब्दुल्ला सरकार के बीच तनाव जारी है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने इससे पहले जम्मू-कश्मीर लोक सेवा आयोग (जेकेपीएससी) से रविवार को निर्धारित संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा (सीसीई) को स्थगित करने पर विचार करने का आग्रह किया था। इसके लिए उड़ानों के रद्द होने और अभ्यर्थियों के लिए आयुसीमा में छूट को लेकर लोक भवन से अनुमोदन में देरी का हवाला दिया था।

हालांकि उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि उन्होंने उसी दिन फाइल लौटा दी थी और उनसे पूछा था कि यदि ऊपरी आयु सीमा में छूट दी जाती है तो निर्धारित तिथि पर परीक्षा आयोजित करने की संभावना क्या है। जेकेपीएससी के अध्यक्ष एके चौधरी ने शनिवार शाम को एक संक्षिप्त बयान में बताया, सीसीई तय समय पर ही आयोजित की जाएगी। उन्होंने इस विषय पर और कोई टिप्पणी करने से इन्कार कर दिया। आयु सीमा में छूट को लेकर जारी बहस ने बड़ा विवाद खड़ा कर दिया है। निर्वाचित सरकार, राजनीतिक दल और अभ्यर्थी परीक्षा स्थगित करने की मांग कर रहे हैं, जबकि लोक भवन का कहना है कि वह निर्णय में कोई देरी नहीं कर रहा है।

छात्र संघ ने परीक्षा टालने का आग्रह किया : नई दिल्ली। भारतीय युवा कांग्रेस (आईवाईसी) और जम्मू-कश्मीर छात्र संगठन ने शनिवार को जम्मू-कश्मीर प्रशासन से अपील की कि वह यात्रा व्यवधानों और परीक्षा में आयु सीमा में छूट के मसले के आलोक में रविवार को निर्धारित जेकेएएस प्रारंभिक परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों की मदद के लिए तुरंत हस्तक्षेप करे।

दिल्ली: नवंबर में वायु प्रदूषण का स्तर दोगुना

- देश के सबसे प्रदूषित शहरों में चौथे नंबर पर पहुंची दिल्ली

नई दिल्ली, एजेंसी

नवंबर में दिल्ली में वायु प्रदूषण का स्तर अक्टूबर के मुकाबले लगभग दोगुना हो गया, जिससे राष्ट्रीय राजधानी देश के सबसे प्रदूषित शहरों की सूची में चौथे पायदान पर पहुंच गई। ऊर्जा और स्वच्छ वायु अनुसंधान केंद्र (सीआरईए) की ओर से शनिवार को जारी एक रिपोर्ट में इसकी जानकारी दी गई है। रिपोर्ट में इस बात को भी रेखांकित किया गया है कि दिल्ली में वायु प्रदूषण में पराली जलाने की घटनाओं का योगदान पिछले वर्ष के मुकाबले एक-तिहाई ही दर्ज किया गया है, लेकिन फिर भी शहर में आबोहवा की गुणवत्ता गंभीर बनी हुई है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि नवंबर में दिल्ली देश का चौथा सबसे प्रदूषित शहर रहा, जहां पीएम 2.5 कणों का मासिक औसत स्तर 215 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर दर्ज किया गया, जो अक्टूबर के औसत 107 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से लगभग दोगुना है। रिपोर्ट के मुताबिक, राष्ट्रीय राजधानी में नवंबर में वायु गुणवत्ता 23 दिन 'बेहद खराब', छह दिन 'गंभीर' और एक दिन 'खराब' दर्ज की गई। वायु गुणवत्ता में गिरावट के बावजूद, नवंबर में दिल्ली में वायु प्रदूषण में पराली जलाने की घटनाओं का योगदान औसतन केवल सात फीसदी रहा, जबकि पिछले साल इस अवधि में यह 20 प्रतिशत था।

रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी में नवंबर में वायु प्रदूषण में पराली जलाने की घटनाओं का सर्वाधिक योगदान 22 फीसदी दर्ज किया गया, जो नवंबर 2024 के सर्वाधिक योगदान 38 प्रतिशत से काफी कम है। रिपोर्ट में कहा गया है कि नवंबर में पूरे भारत में वायु गुणवत्ता में तेजी से गिरावट दर्ज की गई और देश के दस सबसे प्रदूषित शहरों में से नौ में प्रदूषण का स्तर पिछले साल की तुलना में अधिक रहा। कहा गया है कि शीर्ष दस प्रदूषित शहरों में से एक को छोड़कर बाकी सभी पूरे महीने के दौरान एक भी दिन सुरक्षित दैनिक राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानकों (एनएएक्यूएस) की सीमा के भीतर नहीं रहे।

टॉप टेन प्रदूषित शहरों में आधे से ज्यादा यूपी के

रिपोर्ट के मुताबिक नवंबर में गाजियाबाद भारत का सबसे प्रदूषित शहर बनकर उभरा, जहां मासिक औसत पीएम 2.5 सांद्रता 224 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर रही, जो नवंबर में हर दिन एनएएक्यूएस के मानकों से ज्यादा थी। इस शहर में वायु गुणवत्ता 19 दिन 'बेहद खराब', 10 दिन 'गंभीर' और एक दिन 'खराब' श्रेणी में रही। नोएडा, बहादुरगढ़, दिल्ली, हापुड़, ग्रेटर नोएडा, बागपत, सोनीपत, मेरठ और रोहतक भी दस सबसे प्रदूषित शहरों में शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार, नवंबर में देश के शीर्ष दस प्रदूषित शहरों में से छह उत्तर प्रदेश के और तीन हरियाणा के थे।

पूर्व आईएएस अधिकारी प्रदीप शर्मा को पांच साल की कैद

गुजरात के कच्छ में निजी कंपनी को रियायती दर पर दी थी सरकारी जमीन, पीएमएलए कोर्ट ने सुनाई सजा

अहमदाबाद, एजेंसी

भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के सेवानिवृत्त अधिकारी प्रदीप शर्मा को 2003 से 2006 के बीच एक निजी कंपनी को रियायती दर पर सरकारी जमीन देने से संबंधित धन शोधन के एक मामले में एक विशेष अदालत ने शनिवार को पांच साल कैद की सजा सुनाई। इस अवधि के दौरान शर्मा कच्छ जिला कलेक्टर थे। अदालत ने उन पर 50,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया है।

विशेष पीएमएलए न्यायाधीश केएम सोजित्रा ने उन्हें धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की धारा 3 और 4 के तहत दोषी करार दिया। अदालत ने यह भी आदेश दिया कि जांच के दौरान

- कच्छ के जिला कलक्टर थे शर्मा करीब 20 साल पुराना है मामला

ईडी द्वारा जब्त की गई शर्मा की संपत्तियां केंद्र सरकार के कब्जे में रहेगी। ईडी के अहमदाबाद क्षेत्रीय कार्यालय ने मार्च 2012 में शर्मा और अन्य के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम और आईपीसी के प्रावधानों के तहत एक आपराधिक मामला दर्ज किया था। शर्मा को पहली बार जुलाई 2016 में गिरफ्तार किया गया था और मार्च 2018 में जमानत पर रिहा कर दिया गया था। जांच से पता चला कि जिला भूमि मूल्य निर्धारण समिति के तत्कालीन अध्यक्ष के रूप में शर्मा ने मानदंडों का उल्लंघन करते हुए रियायती दरों पर वेलस्पन इंडिया लिमिटेड को सरकारी भूमि का एक बड़ा हिस्सा मंजूर किया था।

ईडी ने दावा किया कि शर्मा ने वेलस्पन इंडिया और उसकी समूह कंपनियों से प्राप्त अपराध की आय को ठिकाने लगाने के लिए अपनी पत्नी के बैंक खाते का इस्तेमाल किया। अपराध की आय का इस्तेमाल आवास ऋण चुकाने और कृषि भूमि खरीदने आदि में किया गया। अभियोजन पक्ष के अनुसार, शर्मा को कंपनी को अनुचित लाभ पहुंचाने के लिए रिश्वत मिली थी और अमेरिका में रहने वाली उनकी पत्नी के खाते में 29.5 लाख रुपये जमा किए गए थे। उन पर कंपनी से एक मोबाइल सिम कार्ड प्राप्त करने का भी आरोप है, जिसके लिए उन्होंने 2004 और 2009 के दौरान अपराध की आय के रूप में 2.24 लाख रुपये का भुगतान किया था।

ईडी ने आरोपपत्र में कहा था कि रिश्वत की रकम को ठिकाने लगाने के लिए उनकी पत्नी को 2004 से 2007 के बीच एक संबद्ध फर्म, वैल्यू पैकेजिंग प्राइवेट लिमिटेड में 30 प्रतिशत भागीदार बनाया गया था। संघीय एजेंसी ने कहा कि यह साझेदारी वास्तव में एक विशेष प्रयोजन माध्यम था जिसके जरिये अपराध की आय उनके एनआरओ खाते में भेजी जाती थी।

सीआईडी ने 2010 में दर्ज की थी प्राथमिकी

राजकोट स्थित सीआईडी (अपराध) ने मार्च 2010 में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत शर्मा के खिलाफ एक प्राथमिकी दर्ज की थी, जिसके बाद सितंबर 2010 में आईपीसी के तहत एक और मामला दर्ज किया गया था। सीआईडी ने शर्मा पर सरकारी खजाने को 1.20 करोड़ रुपये का नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया था। सितंबर 2014 में एसीबी ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत शर्मा के खिलाफ मामला दर्ज किया था। वर्ष 2010 की प्राथमिकी के आधार पर, ईडी के अहमदाबाद क्षेत्रीय कार्यालय ने मार्च 2012 में शर्मा और अन्य के खिलाफ एक आपराधिक मामला दर्ज किया। जांच के दौरान उनकी संपत्तियों को अस्थायी रूप से कुर्क कर लिया।

रिलायंस व अन्य 10 कंपनियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल

नई दिल्ली। ईडी ने निविदा हासिल करने के लिए 68 करोड़ की फर्जी बैंक गारंटी जारी करने से जुड़े धन शोधन के मामले में व्यवसायी अनिल अंबानी की समूह कंपनी रिलायंस पावर और 10 अन्य कंपनियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया। ईडी के अनुसार, रिलायंस समूह के अधिकारियों को अच्छी तरह पता था कि यह 'फर्जी' बैंक गारंटी है।

अभियोजन पक्ष की शिकायत में नामजद अन्य आरोपियों में रिलायंस पावर के पूर्व सीएफओ (मुख्य वित्तीय अधिकारी) अशोक पाल, रिलायंस एनयू बीईएसएस, रोजा पावर सप्लाई कंपनी (रिलायंस पावर की सहायक), ओडिशा स्थित फर्जी कंपनी बिस्वाल ट्रेडलिंक, कंपनी के प्रबंधन निदेशक पी सारथी बिस्वाल, बायोथेन केमिकल्स और व्यापार वित्तपोषण सलाहकार अमर नाथ दत्ता हैं। एजेंसी के अनुसार, कुछ अन्य आरोपियों में रविंदर पाल सिंह चड्डा, मनोज भैयासाहेब पोंगड़े और पुनीत नरेंद्र गर्ग शामिल हैं।

सीजेआई का कड़ा संदेश...उच्चतम न्यायालय आम लोगों के लिए है

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट आम आदमी के लिए होने का कड़ा संदेश देते हुए प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने शनिवार को कहा कि लंबित मामलों का निश्चित समयसीमा और एकीकृत राष्ट्रीय न्यायिक नीति आधारित शीघ्र फैसला उनकी प्राथमिकता होगी।

सीजेआई सूर्यकांत ने एक कार्यक्रम में न्याय तक पहुंच का उल्लेख करते हुए कहा कि उनकी प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि मुकदमेबाजी की लागत कैसे कम की जाए और मामलों के निर्णय के लिए एक उचित समय-सीमा कैसे निर्धारित की जाए। न्यायपालिका की स्वतंत्रता पर सीजेआई ने शक्तियों के पृथक्करण के संवैधानिक दर्शन का उल्लेख किया और कहा कि संविधान ने न्यायपालिका, विधायिका और कार्यपालिका की संबंधित भूमिकाओं को परिभाषित किया है तथा यह सुनिश्चित किया कि कोई एक दूसरे के क्षेत्र का अतिक्रमण नहीं करे।

सीजेआई ने कहा कि उनकी प्राथमिकता लंबित मामलों के लिए निश्चित समय-सीमा और एकीकृत राष्ट्रीय न्यायिक नीति-आधारित शीघ्र निस्तारण की होगी। मैं सभी बकाया मामलों को समाप्त करने की बात नहीं कर रहा हूं। ऐसा नहीं होना चाहिए, क्योंकि मुकदमेबाजी सतत प्रक्रिया है। मामले तो दायर किए जाएंगे, लेकिन जो पुराने मामले हैं, उनसे निपटने की जरूरत है और इसके लिए मध्यस्थता को शक्तिशाली परिवर्तनकारी उपाय के रूप में तलाशने की जरूरत है। सीजेआई ने कहा कि आने वाले दिनों में उच्चतम न्यायालय में कुछ सुधार होंगे, जिनमें कुछ मुकदमों को प्राथमिकता देना भी शामिल है।

> सुप्रीम कोर्ट में कुछ सुधार किए जाएंगे, जिनमें कुछ मुकदमों को प्राथमिकता देना भी शामिल

- कहा- उनकी प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना कि मुकदमेबाजी की लागत कैसे कम की जाए

न्यायिक प्रणाली के सामने होंगी नई चुनौतियां

सीजेआई ने माना कि न्यायिक प्रणाली के सामने नई चुनौतियां है और उन्होंने डिजिटल अरेस्ट और साइबर अपराधों का हवाला दिया। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने मानव संसाधन के इष्टतम उपयोग और निष्पक्ष मूल्यांकन पर कहा कि संस्थान में योग्यता को मान्यता मिलनी चाहिए। उन्होंने न्यायपालिका में विविधता पर कहा कि जिस तरह से समाज विकसित हुआ और देश आगे बढ़ा है, उसमें न्यायिक प्रणाली में परिवर्तन आया है।

राज्यों को दिव्यांग कैदियों के लिए शिकायत निवारण तंत्र स्थापित करने का निर्देश

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया है कि वे दिव्यांग कैदियों के लिए विशेष रूप से डिजाइन किया गया एक मजबूत, स्वतंत्र और सुलभ शिकायत निवारण तंत्र स्थापित करें। कोर्ट ने कहा कि यह तंत्र शिकायतों का शीघ्र पंजीकरण, प्रभावी निगरानी और समय पर समाधान सुनिश्चित करेगा ताकि कैदियों को संस्थागत उपेक्षा, दुर्व्यवहार और भेदभावपूर्ण से बचाया जा सके। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि दिव्यांग कैदियों को जेल प्रणाली के भीतर समावेशी शिक्षा तक सार्थक पहुंच प्रदान करने के लिए उपयुक्त सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं।

जुबिन मामले के आरोपी से विदेश मंत्रालय के संबंधों पर स्थिति साफ करें जयशंकर

- कांग्रेस नेता गोगोई ने हिमंत के जुबिन की मौत को हत्या बताने पर भी मांगा स्पष्टीकरण

डिब्रूगढ़/गुवाहाटी, एजेंसी

मुख्य विपक्षी कांग्रेस की असम इकाई के अध्यक्ष एवं लोकसभा में पार्टी के उपनेता गौरव गोगोई ने विदेश मंत्री एस जयशंकर से गायक जुबिन गर्ग की मौत के मामले में एक प्रमुख आरोपी के साथ उनके मंत्रालय के संबंधों को स्पष्ट करने का आग्रह किया है। गोगोई ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के इस दावे पर भी जयशंकर से स्थिति स्पष्ट करने की मांग की कि सिंगापुर में जुबिन की मौत एक हत्या की घटना थी।

जुबिन गर्ग की 19 सितंबर को सिंगापुर में समुद्र में तैरते समय संदिग्ध परिस्थितियों मृत्यु हो गई थी। वह नॉर्थ ईस्ट इंडिया फेस्टिवल (एनईआईएफ), 2025 में भाग लेने के लिए सिंगापुर गए थे। असम पुलिस की एसआईटी ने इस मामले में अब तक सात लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें महोत्सव के मुख्य आयोजक श्यामकानु महंत भी शामिल हैं। गोगोई ने बृहस्पतिवार को जयशंकर को लिखे पत्र में कहा कि इस महोत्सव का आयोजन विदेश मंत्रालय द्वारा सिंगापुर स्थित भारतीय उच्चायोग के सहयोग से किया गया था। कांग्रेस नेता ने महंत की ओर इशारा करते हुए कहा कि पुलिस की चल रही जांच में एक आरोपी महोत्सव के आयोजन से सीधे तौर पर जुड़ा हुआ था।

गोगोई ने आरोप लगाया कि आरोपी एक संगठन चलाता है, जिसे उत्सवों और कार्यक्रमों के आयोजन के लिए जयशंकर के मंत्रालय से कई लाख रुपये का भुगतान प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा, विदेश मंत्रालय और एक ऐसे व्यक्ति के बीच संबंध है जो असम के मुख्यमंत्री द्वारा लगाए गए हत्या के आरोप में एक आरोपी है, बेहद परेशान करने वाला है। गोगोई ने कहा, मैं यह बात आपके संज्ञान में ला रहा हूं और मंत्रालय से अनुरोध करता हूं कि वह असम के मुख्यमंत्री के दावे के संबंध में एक बयान जारी करे और विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ नेतृत्व और मामले के एक आरोपी के बीच संबंध को भी स्पष्ट करें।

भेदभाव खत्म करने को सामूहिक प्रयास करें: होसबोले

जम्मू, एजेंसी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने शनिवार को राष्ट्र निर्माण में युवाओं की अधिक भागीदारी पर जोर देते हुए कहा कि सामाजिक सद्भाव को मजबूत करने के लिए उनकी भागीदारी आवश्यक है।

होसबाले ने सभी प्रकार के भेदभाव को समाप्त करने के लिए सामूहिक प्रयास करने का आह्वान किया तथा कहा कि समावेशी समाज संगठन के भविष्य के दृष्टिकोण का केंद्र बिंदु है। वह संघ के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में जम्मू में आयोजित प्रबुद्ध नागरिकों के सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। इस कार्यक्रम में जम्मू-कश्मीर उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश ताशी रबस्तान, प्रांत संघचालक गौतम मेंगी और विभाग संघचालक सुरिंदर मोहन भी शामिल हुए।

आयोजकों ने संक्षेप में 'जन गोष्ठी' के उद्देश्य की व्याख्या की तथा इस बात पर प्रकाश डाला कि आरएसएस का शताब्दी वर्ष उसके सामाजिक और राष्ट्रीय योगदान को याद करने तथा भविष्य पर चर्चा करने का अवसर है। सभा को संबोधित करते हुए, होसबाले ने बताया कि कैसे पिछले 100 वर्षों में संघ ने दैनिक शाखाओं, सेवा कार्यों, शैक्षिक पहलों और सामाजिक सुधार प्रयासों के माध्यम से जमीनी स्तर पर निरंतर काम किया है।

- जम्मू में प्रबुद्ध लोगों के सम्मेलन में बोले संघ के सरकार्यवाह

परीक्षा पे चर्चा का 9वां संस्करण जनवरी में

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी का चर्चा कार्यक्रम परीक्षा पे चर्चा का नौवां संस्करण जनवरी 2026 में आयोजित किया जाएगा, जिसके लिए पंजीकरण 11 जनवरी तक खुले हैं।

शिक्षा मंत्रालय ने कहा कि भारत और विदेश के छात्र, अभिभावक और शिक्षक परीक्षा के तनाव पर चर्चा करने और परीक्षाओं को उत्सव व जीवन का अभिन्न अंग मानने को उनके साथ जुड़ेंगे। प्रतिभागियों के चयन के लिए माइजीओवी पोर्टल पर एक दिसंबर 2025 से 11 जनवरी 2026 तक बहुविकल्पीय प्रश्नों वाली ऑनलाइन प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है।

इंडिया गठबंधन वेंटिलेटर पर, आईसीयू में जाने का खतरा

उमर ने कहा- विपक्ष का मुकाबला भाजपा की 24 घंटे चलने वाली भाजपा की ताकतवर चुनाव मशीनरी से

नई दिल्ली, एजेंसी

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री और नेशनल कांफ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने शनिवार को कहा कि विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' इस समय जीवन रक्षक प्रणाली (वेंटिलेटर) पर है और अंदरूनी खींचतान एवं भाजपा की 24 घंटे चलने वाली चुनावी मशीन से मुकाबला करने में विफलता के कारण उसके आईसीयू में जाने का खतरा है। मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित

एक कार्यक्रम में विपक्षी गठबंधन की संगठनात्मक और रणनीतिक विफलताओं का विस्तार से उल्लेख किया और केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा की कार्य नीति के साथ इसके दृष्टिकोण की तुलना की।

अब्दुल्ला ने विपक्षी 'इंडिया' की वर्तमान स्थिति, विशेष रूप से हाल में हुए बिहार चुनाव के बाद के बारे में कहा, हम एक तरह से जीवन रक्षक प्रणाली पर हैं, लेकिन कभी-कभी कोई अपना चप्पू निकालता है और हमें थोड़ा झटका देता है और हम फिर से उठ खड़े होते हैं। लेकिन फिर दुर्भाग्य से बिहार जैसे परिणाम आते हैं और हम फिर से नीचे गिर जाते हैं, और फिर किसी को हमें आईसीयू में ले जाना पड़ता है। अब्दुल्ला ने नीतीश कुमार की भाजपा नीत राजग में वापसी के लिए भी 'इंडिया' गठबंधन को जिम्मेदार ठहराया।

विपक्षी दलों का कांग्रेस के साथ एकजुट होने के अलावा कोई चारा नहीं

अब्दुल्ला ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी टीम के अपनाए गए राजनीति के 24 घंटे मॉडल को रेखांकित करते हुए कहा, एक चुनाव खत्म होते ही वे अगले क्षेत्र में चले जाते हैं लेकिन हम चुनाव से दो महीने पहले उन राज्यों में कदम रखते हैं। अगर हम नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख से पहले अपने चुनावी गठबंधन बना लें, तो हम भाग्यशाली होंगे। उन्होंने भविष्य की रणनीति पर कहा कि विपक्ष के लिए भाजपा को गंभीर चुनौती देने का एकमात्र तरीका अपने सबसे बड़े घटक दल कांग्रेस के इर्द-गिर्द एकजुट होना है क्योंकि भाजपा के अलावा वह एकमात्र ऐसी पार्टी है जिसकी अखिल भारतीय उपस्थिति है। अब्दुल्ला ने स्वीकार किया कि क्षेत्रीय दल अपनी सीमित भौगोलिक पहुंच के कारण विवश हैं। उन्होंने कहा, कांग्रेस को ही प्रमुखता से काम करना होगा।

इंडियन बैंक ने रेपो से जुड़ी उधारी दर घटाई

चेन्नई। आरबीआई के रेपो दर में की कटौती के बाद इंडियन बैंक ने अपनी रेपो से जुड़ी प्रधान उधारी दर को 8.2 से घटाकर 7.95 प्रतिशत कर दिया है। बैंक ने कहा कि संशोधित उधारी दरें छह दिसंबर से प्रभावी हैं। रेपो से जुड़ी प्रधान उधारी दर (आरबीएलआर) में 0.25 प्रतिशत की कमी से ग्राहकों के लिए कर्ज सस्ता होगा। आवास ऋण और व्यवसाय ऋण जैसे आरबीएलआर से जुड़े कर्ज लेने वाले ग्राहकों को लाभ होगा।

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2550, राज श्री 1800, फ़ॉर्चून कि. 2245, रविन्द्रा 2445, फॉर्चुन 13 किग्रा 1975, जय जवान 1990, सचिन 2020, सूरज 1990, अवसर 1875, उजाला 1910, गृहणी 13 किग्रा 1870, क्लासिक (किग्रा) 2155, मोर 2185, चक्र टिन 2315, ब्लू 2100, आशीर्वाद मस्टर्ड 2330, स्वास्तिक 2505

किराना : हल्दी निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 14000-18000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि.) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4850, शर्बती स्टीम 5200, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7400, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1-5 किग्रा) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, जेनिथ 8400, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350,लाडली 4000

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12000-13400, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7550-8900, मलका छाँटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 11800, उड़द धोवा 9800-10400,चना काला 7050, दाल चना 7450, दाल चना मोटी 7600, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8000, चना अकोला 6800, डबरा 6900-8800, सच्चा हीरा 8500, मोटा हीरा 10400, अरहर गोला मोटा 7800, अरहर पटका मोटा 8300, अरहर कोरा मोटा 8700, अरहर पटका छोटा 10000-10600, अरहर कोरी छोटी 11000

चीनी : पीलीभीत 4360, बहेड़ी 4320

सीमा शुल्क को सरल बनाना होगा अगला बड़ा सुधार

केंद्रीय वित्त मंत्री बोलीं - आयकर में जैसी पारदर्शिता लाई गई, वैसा ही सीमा शुल्क में भी करने की जरूरत

नई दिल्ली, एजेंसी

आम बजट से पहले केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि सीमा शुल्क को सरल बनाना सरकार का अगला बड़ा सुधार एजेंडा होगा। चालू वित्त वर्ष में सरकार ने आयकर और वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में दरों को तर्कसंगत बनाने तथा सरलीकरण जैसे सुधार किए। इससे आम आदमी के हाथ में अधिक नकदी आई और उपभोग बढ़ा।

सीतारमण ने कहा कि हमें सीमा शुल्क का पूरी तरह कायापलट करना है... हमें इसे इतना सरल बनाना है कि लोगों को पालन करना बोझिल न लगे, इसकी पारदर्शिता बढ़ानी होगी। उन्होंने कहा कि आयकर में जैसी पारदर्शिता लाई गई है, वैसा ही सीमा शुल्क में भी करने की जरूरत है। प्रस्तावित सुधार व्यापक होंगे और इसमें सीमा शुल्क दरों को तर्कसंगत बनाना भी शामिल होगा।

इसकी घोषणा आगामी बजट में हो सकती है, जिसके एक फरवरी को पेश होने की संभावना है। सीतारमण ने कहा कि पिछले दो साल में हमने सीमा शुल्क दरें लगातार कम की हैं। लेकिन जिन कुछ वस्तुओं पर हमारी दरें इष्टतम स्तर से ऊपर मानी जाती हैं, उन्हें भी नीचे लाना होगा। सीमा शुल्क मेरा अगला बड़ा सफाई अभियान है। इस साल के बजट में अन्य उपायों के साथ औद्योगिक वस्तुओं पर सात अतिरिक्त सीमा शुल्क दरें खत्म करने का प्रस्ताव किया गया था। इससे पिछले साल (23 जुलाई 2024 के बजट भाषण में) भी सात दरें हटाई गई थीं। अब कुल आठ दर स्लैब रह गए हैं, जिनमें शून्य दर भी शामिल है। डॉलर के मुकाबले रुपये के कमजोर होने पर वित्त मंत्री ने कहा कि यह अपने सहज स्तर पर पहुंच जाएगा। वर्ष 2025 में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले करीब पांच प्रतिशत कमजोर हुआ है। उन्होंने भरोसा जताया कि चालू वित्त वर्ष में जीडीपी वृद्धि सात प्रतिशत या उससे अधिक रहेगी।

सीतारमण ने की अर्थव्यवस्था के लिए उमर के प्रयासों की तारीफ

सीतारमण ने जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि पर्यटन क्षेत्र को बड़ा झटका लगने के बाद भी केन्द्र शासित प्रदेश की अर्थव्यवस्था को फिर से खड़ा करने का काम चल रहा है। वित्त मंत्री ने 2019 से अब तक देश की आर्थिक यात्रा के बारे में कहा कि इस दौरान एक के बाद एक वैश्विक और घरेलू चुनौतियां आईं। उन्होंने जम्मू-कश्मीर में चल रहे खास प्रयासों का जिक्र भी किया। पाकिस्तान का नाम लिए बिना उन्होंने कहा कि हमें अपनी सीमाओं पर हमेशा परेशानी का सामना करना पड़ा। उमर ने शुक्रिया करते हुए कहा, अब अगला काम मैम – कृपया मुझे धन दीजिए, क्योंकि पैसा बहुत कम है! उन्होंने माना कि केन्द्र सरकार उनके प्रशासन के लिए बहुत सहयोगी रही है, भले ही इससे कुछ लोग नाराज हो जाएं। उन्होंने कहा कि मैं अपनी हर बात की जिम्मेदारी लेता हूं। अगर मैंने अपनी सरकार और राजनीति को भारत सरकार से अच्छे कामकाजी रिश्ते की तरफ मोड़ा है, तो मैं उसकी जिम्मेदारी लेता हूं और उसके नतीजे भी स्वीकार करूंगा। उन्होंने साफ किया कि केन्द्र से अच्छा रिश्ता होने का मतलब भाजपा से गठबंधन नहीं है। मैं भाजपा की राजनीति से सहमत नहीं हूं, उसका विरोध करता रहूंगा। लेकिन भारत सरकार के साथ जितना अच्छा काम हो सकेगा, करूंगा। जम्मू-कश्मीर के उप-राज्यपाल मनोज सिन्हा से रिश्ते पर उमर ने कहा क ये रिश्ता अभी बन रहा है, बस इतना ही कहूंगा।

जनधन खातों में जमा हैं 2.75 लाख करोड़ : वित्तीय सचिव

हैदराबाद। वित्तीय सेवा विभाग के सचिव एम नागराजू ने शनिवार को कहा कि देश भर के जनधन खातों में वर्तमान में लगभग 2.75 लाख करोड़ रुपये जमा हैं, यानी प्रति खाता औसतन 4,815 रुपये। नागराजू ने एडमिनिस्ट्रेटिव स्टाफ कॉलेज ऑफ इंडिया (एएससीआई) में भारत की वित्तीय समावेशन यात्रा पर 69वें स्थापना दिवस पर कहा कि चालू वित्त वर्ष में प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) के माध्यम से कुल 3.67 लाख करोड़ रुपये हस्तांतरित किए गए हैं।

- **नागराजू ने एएससीआई में वित्तीय समावेशन यात्रा पर 69वें स्थापना दिवस को किया संबोधित**

उन्होंने कहा कि भारत की वित्तीय समावेशन की यात्रा एक चमत्कार से कम नहीं रही है। उन्होंने यह भी बताया कि 2014 में प्रधानमंत्री जन धन योजना की शुरुआत एक ऐतिहासिक क्षण थी, जिसने 57 करोड़ से अधिक लोगों को औपचारिक बैंकिंग प्रणाली में शामिल किया। उन्होंने कहा कि जन धन खातों में वर्तमान में लगभग 2.75 लाख करोड़ रुपये की राशि है, जिसका औसत प्रति खाता लगभग 4,815 रुपये है। करीब 78.2 प्रतिशत जन धन खाते ग्रामीण या अर्द्ध-शहरी क्षेत्रों में हैं और 50 प्रतिशत खाते महिलाओं के नाम हैं।

ईपीसी क्षेत्र बना प्रमुख रोजगार इंजन

मुंबई, एजेंसी

देश के इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी) क्षेत्र में 2030 तक 2.5 करोड़ से अधिक नौकरियां पैदा होने की उम्मीद है। एचआर समाधान प्रदाता सीआईईएल एचआर के ''ईपीसी क्षेत्र प्रतिभा अध्ययन, 2025'' के अनुसार, ईपीसी क्षेत्र देश के अग्रणी रोजगार सृजनकर्ताओं में एक है और 2020 के बाद से भर्ती मांग में 51 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है।

रिपोर्ट के अनुसार, इस समय संगठित और असंगठित दोनों क्षेत्रों को मिलाकर 8.5 करोड़ से अधिक लोग ईपीसी क्षेत्र में काम कर रहे हैं। इनमें से 70–80 लाख पेशेवर देश की शीर्ष ईपीसी कंपनियों में काम करते हैं। सीआईईएल एचआर के प्रबंध निदेशक और सीईओ आदित्य नारायण मिश्रा ने कहा कि जैसे-जैसे देशभर में बुनियादी ढांचे का विकास हो रहा है, भर्ती में भी तेजी आती रहेगी। ईपीसी क्षेत्र से 2030 तक 2.5 करोड़ से अधिक नौकरियां पैदा होने की उम्मीद है। हर साल लाखों लोग रोजगार बाजार में आते हैं और यह क्षेत्र लगातार भारत की कार्यबल का एक बड़ा हिस्सा अपने भीतर समाहित करता रहेगा।

रिपोर्ट अनुसार, कृत्रिम मेधा (एआई) से ईपीसी क्षेत्र की नौकरियों को खतरा नहीं, बल्कि यह क्षेत्र की रफ्तार को बढ़ाएगा। एआई से परियोजनाओं की दक्षता बढ़ेगी, योजना और इंजीनियरिंग प्रक्रियाएं मजबूत होंगी और आपूर्ति श्रृंखला का प्रबंधन बेहतर होगा, लेकिन इससे मानव संसाधन की मांग कम नहीं होगी। मिश्रा ने कहा कि भारत का विकास मॉडल अब ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच संतुलित वृद्धि पर केंद्रित है। जैसे-जैसे ग्रामीण बुनियादी ढांचे का विस्तार होगा, जनशक्ति की जरूरत और बढ़ेगी। सरकार भी इस विस्तार को तेज करने के लिए निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ाने की दिशा में काम कर रही है।

2.5 करोड़ रोजगार सृजित होने की उम्मीद

- **सीआईईएल एचआर के अनुसार भर्ती मांग में 51 प्रतिशत की देखी गई वृद्धि**

चक्रीय अर्थव्यवस्था से 20% बढ़ेगी किसानों की आय

सणादर (गुजरात), एजेंसी

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को विश्वास जताया कि देश भर में चक्रीय अर्थव्यवस्था मॉडल के कार्यान्वयन से पांच वर्षों में डेयरी किसानों की आय में 20 प्रतिशत वृद्धि होगी। शाह ने गुजरात के वाव-थराद जिले के सणादर गांव में आयोजित कार्यक्रम में यह बात कही, जो डेयरी के जैव-सीएनजी और उर्वरक संयंत्र के उद्घाटन और दूध पाउडर संयंत्र के शिलान्यास पर हुआ था।

उन्होंने इस अवसर पर बनास डेयरी से जुड़े पशुपालकों को संबोधित किया। उन्होंने डेयरी क्षेत्र में चक्रीय अर्थव्यवस्था के सफल मॉडल को विकसित करने के लिए बनास डेयरी के प्रबंधन की सराहना की। इस मॉडल में किसानों के लिए अतिरिक्त आय उत्पन्न करने के कई उपाय शामिल हैं, जैसे कि मवेशियों के गोबर को बायोगैस और जैव-उर्वरक में परिवर्तित करना। चक्रीय अर्थव्यवस्था में चीजों को इस्तेमाल करके फेंकने की बजाय उनकी मरम्मत, पुनर्चक्रण और पुनः उपयोग पर जोर दिया जाता है, जिससे कचरा और प्रदूषण कम होता है और संसाधनों का अधिकतम उपयोग किया जा सकता है। शाह ने बताया कि बनास डेयरी के चक्रीय अर्थव्यवस्था मॉडल को समझने के लिए कई सांसद बनासकांठा आए हैं। उन्होंने कहा कि अब तक हमारी सहकारी डेयरियों को किसानों से दूध खरीदने और दूध उत्पादों को बेचने से होने वाली आय किसानों तक पहुंचाने में बड़ी सफलता मिली है। अब चक्रीय अर्थव्यवस्था पर ध्यान केंद्रित करने का समय आ गया है। इसके तहत किसानों से खरीदे गए मवेशियों के गोबर से उत्पादित बायोगैस व उर्वरक बेचकर डेयरी द्वारा उत्पन्न आय में किसानों को हिस्सा मिलेगा।

- **केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने विश्वास जताया कि पांच वर्षों में दिखाई देगा असर**
- **उर्वरक संयंत्र और दूध पाउडर संयंत्र के शिलान्यास कार्यक्रम को किया संबोधित**

मॉडल लागू करने की योजना

अमित शाह ने कहा कि पूरे देश में इस चक्रीय अर्थव्यवस्था मॉडल को लागू करने की ठोस योजना शाम को बनासकांठा में सांसदों की बैठक में सामने आएगी। उन्होंने यह भी बताया कि जनवरी 2026 में सभी प्रमुख सहकारी डेयरियों के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक डेयरी द्वारा की गई पहलों को समझने के लिए बनास डेयरी का दौरा करेंगे। शाह ने कहा कि पनीर और दही जैसे सामान्य दूध उत्पादों के अलावा, ऐसे कई उत्पाद हैं जिनकी दुनिया भर में मांग है, लेकिन उनका उत्पादन भारत में नहीं होता। अगर हम इन उत्पादों पर ध्यान केंद्रित करें, तो डेयरी किसान अतिरिक्त आय कमा सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने कृषि क्षेत्र के लिए तीन और डेयरी क्षेत्र के लिए तीन सहकारी समितियां बनाई हैं। मैं आपको आश्वस्त करना चाहता हूं कि चक्रीय अर्थव्यवस्था अगले पांच वर्षों में डेयरी किसानों की आय में 20 प्रतिशत की वृद्धि करेगी।

वार्नर ब्रदर्स के अधिग्रहण से एमएआई चिंतित

नई दिल्ली। मल्टीप्लेक्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एमएआई) ने शनिवार को नेटफ्लिक्स द्वारा वार्नर ब्रदर्स डिस्कवरी के प्रस्तावित अधिग्रहण पर अपनी चिंता जताई और कहा कि यह भारत के सिनेमाघरों और फिल्म उद्योग के लिए प्रतिस्पर्धा और आर्थिक खतरा पैदा करता है। एमएआई ने कहा कि वार्नर ब्रदर्स को ऐसे स्ट्रीमिंग मंच द्वारा खरीदे जाने से, जो सिनेमाघरों में फिल्में रिलीज करने को महत्व नहीं देता, भारत के फिल्म उद्योग और अर्थव्यवस्था के लिए खतरा है।

हरियाणा : 4.49 करोड़ की धोखाधड़ी में ब्रोकर कंपनी का निदेशक गिरफ्तार

गुरुग्राम (हरियाणा), एजेंसी

एनएसई के 20,000 शेयर उपलब्ध कराने के नाम पर 4.49 करोड़ की धोखाधड़ी के आरोप में एक ब्रोकर कंपनी के निदेशक को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शनिवार को बताया कि यह अपराध फर्जी समझौते के जरिए किया गया।

पुलिस के अनुसार, आर9 वेल्थ इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और दिल्ली फिन इन्वेस्टमेंट सॉल्यूशंस कंपनी के मालिक ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उन्होंने कल्पतरु शेयर एंड स्टॉक ब्रोकिंग प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से नेशनल स्टॉक एक्सचेंज से 20,000 शेयर खरीदने का सौदा किया था। इसके बदले में उन्होंने 17 जून को कल्पतरु शेयर एंड स्टॉक ब्रोकिंग प्राइवेट लिमिटेड को 4.49 करोड़ रुपये का भुगतान किया था।

- **आर9 वेल्थ इंडिया और दिल्ली फिन इन्वेस्टमेंट सॉल्यूशंस के मालिक ने की शिकायत पर कार्रवाई**
- **कल्पतरु शेयर एंड स्टॉक ब्रोकिंग के माध्यम से 20,000 शेयर खरीदने का हुआ था सौदा**

शिकायतकर्ता ने बताया कि कल्पतरु शेयर एंड स्टॉक ब्रोकिंग प्राइवेट लिमिटेड ने न तो उनकी कंपनी को कोई शेयर दिया और न ही उनके द्वारा दिए गए पैसे वापस किए। शिकायत के बाद, सेक्टर 29 पुलिस थाने में एक प्राथमिकी दर्ज की गई थी। जांच कर रही पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू)-1 की टीम ने शुक्रवार को दिल्ली हवाई अड्डे पर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान पश्चिम बंगाल के कोलकाता निवासी रवि चौहान (45) के रूप में हुई है।

रूस में पतंजलि समूह बेचेगा आयुर्वेद उत्पाद

नई दिल्ली। योग गुरु बाबा रामदेव के पतंजलि समूह ने शनिवार को रूस की सरकार के साथ एक सहमति पत्र (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इसके जरिये उसके लिए इस देश में प्रवेश आसान हो जाएगा। एक बयान के मुताबिक एमओयू का मकसद स्वास्थ्य और आरोग्य, स्वास्थ्य पर्यटन, कौशल युक्त मानव संसाधन और शोध के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाना है।

इस एमओयू पर यहां रामदेव ने पतंजलि समूह की तरफ से और भारत-रूस व्यावसायिक परिषद के चेयरमैन और रूस के वाणिज्य मंत्री सर्गेई चेरेमिन ने हस्ताक्षर किए। बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण द्वारा शुरू किया गया पतंजलि समूह अपने आयुर्वेदिक और एफएमसीजी उत्पादों के लिए जाना जाता है, जिसमें पतंजलि आयुर्वेद और पतंजलि फूड्स (पहले रुचि सोया) शामिल हैं। रामदेव ने कहा कि रूस में लोग योग, आयुर्वेद और प्राकृतिक चिकित्सा को पसंद करते हैं।

एनईईआर : मुद्रा को समझने का आर्थिक संकेतक

एनईईआर- नीर (नार्मल इफेक्टिव एक्सचेंज रेट- नाममात्र प्रभावी विनिमय दर) किसी देश की मुद्रा की मजबूती या कमजोरी को समझने का एक महत्वपूर्ण आर्थिक संकेतक है। यह एक साधारण एक्सचेंज रेट नहीं होता, बल्कि कई व्यापारिक साझेदार देशों की मुद्राओं के मुकाबले घरेलू मुद्रा की औसत विनिमय दर को दर्शाता है। नीर बताता है कि वैश्विक स्तर पर हमारी मुद्रा कितनी प्रतिस्पर्धी है और व्यापार पर इसका क्या असर पड़ता है। जब नीर बढ़ता है तो इसका मतलब होता है कि घरेलू मुद्रा अन्य मुद्राओं की तुलना में मजबूत हो रही है, और घटने पर मुद्रा कमजोर मानी जाती है। अर्थव्यवस्था, निर्यात-आयात और रुपये की वास्तविक स्थिति को समझने के लिए नीर का अध्ययन बेहद आवश्यक है।

क्या होता है नीर

नीर एक ऐसा इंडिकेटर है जो बताता है कि किसी देश की मुद्रा, उन देशों की मुद्राओं के मुकाबले कैसी स्थिति में है जिनके साथ वह अधिक व्यापार करता है। यह एक वेटेड एवरेज एक्सचेंज रेट होता है, जिसमें हर देश को उसके व्यापारिक महत्व के अनुसार वजन दिया जाता है। इससे मुद्रा की वास्तविक मजबूती या प्रतिस्पर्धात्मकता को सही रूप में आंका जा सकता है।

नीर-रुपये का संबंध

नीर सीधे-सीधे रुपये की अंतर्राष्ट्रीय ताकत को दर्शाता है।

नीर बढ़े = रुपये की मजबूती

नीर घटे = रुपये की कमजोरी

यदि नीर लगातार गिर रहा हो, तो यह संकेत देता है कि भारत की मुद्रा वैश्विक बाजार में अपना मूल्य खो रही है। वहीं अगर नीर बढ़ रहा है, तो रुपये को मजबूत माना जाता है, जिससे आयात सस्ता हो जाता है लेकिन निर्यात पर दबाव बढ़ सकता है।

कैसे करता है काम

नीर की गणना में कई विदेशी मुद्राओं और उनकी विनिमय दरों का उपयोग होता है। जिन देशों के साथ भारत का व्यापार अधिक होता है, उनकी मुद्राओं को अधिक वेटेज दिया जाता है। यदि रुपये की कीमत इन प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले बढ़ती है, तो नीर भी बढ़ता है‹bha›;‹/bha› और यदि रुपये की कीमत घटती है तो नीर भी नीचे आता है। यह पूरी तरह नाममात्र (नार्मल) दर पर आधारित होता है, इसलिए इसमें मुद्रास्फीति का प्रभाव शामिल नहीं होता।

अर्थव्यवस्था पर प्रभाव

- **निर्यात पर प्रभाव :** रुपये के कमजोर होने पर भारतीय उत्पाद वैश्विक बाजार में सस्ते हो जाते हैं, जिससे निर्यात को बढ़ावा मिल सकता है।
- **आयात पर प्रभाव :** रुपये के मजबूत होने पर विदेशी सामान सस्ता हो जाता है, आयात बढ़ सकता है और मुद्रास्फीति पर नियंत्रण आता है।
- **फॉरेक्स मार्केट में संकेतक :** यह निवेशकों को बताता है कि रुपये की दिशा क्या है और वैश्विक ट्रेड में भारत कितना प्रतिस्पर्धी है।

रुपये की अंतर्राष्ट्रीय स्थिति

रुपया सिर्फ डॉलर के मुकाबले नहीं चलता है। नीर दिखाता है कि समग्र स्तर पर रुपया कमजोर है या मजबूत स्थिति बनाए हुए हैं। डॉलर के मुकाबले कमजोरी हमेशा असली कमजोरी नहीं होती है। कई बार डॉलर मजबूत हो सकता है, लेकिन अन्य देशों के मुकाबले रुपया स्थिर रहता है।

महिला कर्मियों को मासिक धर्म अवकाश देगा एसएमआईसी

नई दिल्ली। गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट (एसएमआईसी) ने शनिवार को दो दिसंबर से सभी महिला कर्मचारियों के लिए सवैतनिक मासिक धर्म अवकाश नीति शुरू करने की घोषणा की।

कंपनी ने बताया कि कुछ राज्यों में ऐसी प्रगतिशील नीतियां लागू की जा रही हैं, वहीं एसएमआईसी ने देशभर में अपनी सभी महिला कर्मचारियों के लिए यह सुविधा लागू करने का निर्णय लिया है। एसएमआईसीसी ने बयान में कहा कि नई नीति के तहत, महिला कर्मचारी सभी मौजूदा प्रकार की छुट्टियों के अलावा, प्रति माह एक भुगतान वाली मासिक छुट्टी की पात्र होंगी। कंपनी ने बताया कि छुट्टी स्वतः स्वीकृत हो जाएगी, जिसके लिए न तो प्रबंधकीय अनुमोदन की आवश्यकता होगी और न ही चिकित्सा प्रमाणपत्र की। यह अवकाश उसी महीने में लेना होगा, जिसके लिए यह प्रदान किया गया है।

जिंक बाजार

सर्दियों और शादी-विवाह के मौसम की मांग बढ़ने से स्थानीय बाजार में रही बढ़त

मांग बढ़ने से अधिकतर तेल-तिलहन कीमतों में आया सुधार

नई दिल्ली, एजेंसी

सर्दियों और शादी-विवाह के मौसम की मांग बढ़ने से स्थानीय बाजार में शनिवार को सोयाबीन तेल-तिलहन, पामोलीन तथा बिनौला तेल के दाम सुधार दर्शाते बंद हुए। वहीं, ऊंचे दाम पर मांग प्रभावित रहने तथा सट्टेबाजी के बीच सरसों एवं मूंगफली तेल-तिलहन और कच्चा पामतेल (सीपीओ) के भाव स्थिर बने रहे।

बाजार के सूत्रों ने कहा कि बैंकों का ऋण भुगतान करने की जल्दबाजी और बैंकों में अपने लेटर आफ क्रेडिट (ऋण साखपत्र) को प्रचलन में रखने के मकसद से कुछ आयातक लागत से 6-7 प्रतिशत नीचे दाम पर सोयाबीन डीगम तेल बेच रहे हैं। इससे हाजिर बाजार का दाम टूटा है। लेकिन इसकी वजह से बाकी आयातकों को भारी नुकसान हो रहा है। इस नुकसान के लंबे कारोबार की वजह से आयातक अपना आयात घटा रहे हैं। आयात की कमी के साथ साथ दिसंबर में शादी विवाह के मौसम की मांग के कारण सोयाबीन तेल-तिलहन के दाम में सुधार है। उन्होंने कहा कि जिन किसानों ने निर्धारित समय से अपना पंजीकरण करा रखा है, सरकार उन किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर कुछ मात्रा में ऊपज खरीद रही है। लेकिन यह भी देखा गया है कि किसानों की पूरी ऊपज की खरीद नहीं हो पा रही है। सरकारी खरीद के बाद किसानों के पास बची ऊपज को किसान हाजिर बाजार के कमजोर दाम पर ही बेच दे रहे हैं। हाजिर बाजार का दाम एमएसपी से लगभग 16-17 प्रतिशत कमजोर है।

सूत्रों ने कहा कि सटोरियों द्वारा भाव ऊंचा बोले जाने के कारण पामोलीन के दाम में सुधार दिख रहा है पर ऊंचे भाव तथा जाड़े की मांग कमजोर रहने के बीच पाम-पामेलीन के लिवाल कम ही हैं। शनिवार को मलेशिया एक्सचेंज बंद होने की वजह से कमजोर कामकाज के बीच सीपीओ के दाम तो पूर्वस्तर पर ही बने रहे। इसके आगे की दिशा, सोमवार को एक्सचेंज के खुलने के बाद ही पता लगेगा। उन्होंने कहा कि नमकीन बनाने वाली कंपनियों की औद्योगिक मांग तथा हल्के तेलों में सबसे सस्ता होने की वजह से बिनौला तेल में भी मामूली सुधार है। हालांकि मंडियों में कपास की आवक निरंतर बढ़ रही है।

- **सट्टेबाजी से सरसों एवं मूंगफली तेल-तिलहन औ कच्चा पामतेल के भाव बने रहे स्थिर**

चावल-गेहूं और दालें नरम, चीनी मजबूत

नई दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में शनिवार को चावल की औसत कीमतों में गिरावट रही। गेहूं और दालों के दाम भी घट गये। चीनी में तेजी रही। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 38 रुपये घटकर 3,823.09 रुपये प्रति क्विंटल रह गयी। गेहूं भी नौ रुपये प्रति क्विंटल सस्ता हुआ और 2,844.45 रुपये प्रति क्विंटल के भाव बिका। आटा आठ रुपये प्रति क्विंटल गिर गया। दाल-दलहनों में गिरावट रही। उड़द दाल 24 रुपये और तुअर दाल 57 रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई। चना दाल 52 रुपये गिर गया। मसूर दाल की कीमत 54 रुपये और मूंग दाल की 15 रुपये प्रति क्विंटल घट गयी। स्थानीय बाजारों में सरसों तेल औसतन 69 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ। मीठे के बाजार में आज गुड़ की औसत कीमत 11 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। चीनी भी छह रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई।

पांच वर्षों में 50 लाख करोड़ का निवेश आकर्षित करेगा बिहार

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को कहा कि राज्य ने औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन को बढ़ाने को अगले पांच वर्षों में 50 लाख करोड़ का निवेश आकर्षित करने का लक्ष्य रखा है।

मुख्यमंत्री ने उद्योग विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की और कहा कि बिहार में रक्षा गलियारा, सेमीकंडक्टर विनिर्माण पार्क, वैश्विक क्षमता केंद्र, मेगा टेक सिटी और फिनटेक सिटी की स्थापना के लिए कार्य योजना तैयार करने और निगरानी करने के लिए उच्च स्तरीय समिति का गठन हुआ है। कुमार ने एक्स पर पोस्ट किया, किसी भी राज्य की तीव्र आर्थिक प्रगति और रोजगार पैदा करने के लिए बड़े पैमाने पर औद्योगीकरण आवश्यक है। बिहार सरकार ने इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।

उप्र में 1,000 स्वर्णकारों को उद्यमी बनाएगा पीसी ज्वेलर

नई दिल्ली, एजेंसी

पीसी ज्वेलर लिमिटेड उत्तर प्रदेश के 1,000 प्रमाणित स्वर्णकारों को उद्यमी बनने में मदद करेगी। इसके लिए कंपनी उन्हें ब्रांडिंग, डिजाइन और विपणन जैसी सुविधाओं का सहयोग प्रदान करेगी। दिल्ली स्थित पीसी ज्वेलर लिमिटेड ने बताया कि उसने प्रधानमंत्री विश्वकर्मा-प्रमाणित स्वर्णकारों (सुनार) को आभूषण उद्यमियों और संगठित खुदरा कारोबारियों में बदलने के लिए मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के साथ साझेदारी की है।

पीसी ज्वेलर पहले चरण में उत्तर प्रदेश के ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों के प्रधानमंत्री विश्वकर्मा-प्रमाणित 1000 सुनारों को सहयोग और कौशल उन्नयन प्रदान करने के लिए मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के ढांचे और उसके कार्यान्वयन साझेदारों के साथ मिलकर काम करेगी।

- **कंपनी ने की मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के साथ साझेदारी**
- **ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में साझेदारों के साथ करेगी काम**

पीसी ज्वेलर के प्रबंध निदेशक बलराम गर्ग ने कहा कि प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना और मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना ने पारंपरिक कारीगरों को पहचानने और आगे बढ़ाने का एक ऐतिहासिक मौका दिया है। हमें इस मिशन में साझेदार बनकर गर्व महसूस हो रहा है, ताकि स्वर्णकार अनौपचारिक, बिखरे हुए कामों से बेहतर डिजाइन, बेहतर तकनीक और बेहतर आय के साथ संगठित उद्यम की ओर बढ़ सकें।

वर्ल्ड ब्रीफ

गाजा चलाने के लिए अंतरराष्ट्रीय निकाय की घोषणा इसी महीने

दोहा। अमेरिका की मध्यस्थता में हुए युद्ध विराम समझौते के अगले चरण के तहत गाजा का संचालन करने के लिए वर्ष के अंत तक एक अंतरराष्ट्रीय निकाय की घोषणा होने की संभावना है। एक अरब अधिकारी और पश्चिमी राजनयिक के मुताबिक समझौते के अनुसार, शांति बोर्ड के नाम से जाना जाने वाला और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की अध्यक्षता वाला यह निकाय दो साल के संयुक्त राष्ट्र अधिदेश के तहत गाजा के पुनर्निर्माण की देखरेख करेगा। अरब अधिकारी और पश्चिमी राजनयिक ने नाम सार्वजनिक नहीं करने की शर्त पर बताया कि इस निकाय में पश्चिम एशिया और पश्चिमी देशों के लगभग एक दर्जन अन्य नेता भी शामिल होंगे।

दक्षिण अफ्रीका के हॉस्टल में फिर गोलीबारी, 11 की मौत

जोहान्सबर्ग। दक्षिण अफ्रीका की राजधानी प्रिटोरिया के शहर ऐटरिजविल के सॉल्सविल हॉस्टल में गोलीबारी की घटना में तीन नाबालिगों सहित 11 लोगों की मौत हो गई। यह हमला शनिवार सुबह हॉस्टल के अंदर चल रहे एक गैरकानूनी शराबखाने में हुआ। पुलिस के मुताबिक, 25 लोगों को गोली मारी गई, जिसमें चौदह लोग घायल हो गए और 11 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में एक तीन साल का लड़का, एक 12 साल का लड़का, एक 16 साल की लड़की और आठ वयस्क शामिल थे। इस हत्याकांड ने देश के शहरी हॉस्टलों में बढ़ती अराजकता से जुड़ी चिंताओं को एक बार फिर हवा दी है। हालिया घटनाओं का पैटर्न बताता है कि ये हॉस्टल ऐसा ठिकाना बन गए हैं जहां आपराधिक गिरोह बेरोकटोक काम करते हैं।

इटली को 100 जेएसएसएम मिसाइलें बेचेगा अमेरिका

वाशिंगटन। अमेरिका ने आकाश से धरती पर मार करने वाली ज्वाइंट एयर-टू-सरफेस स्टैंडऑफ (जेएएसएसएस) मिसाइलों और उनसे संबंधित उपकरणों को इटली को बेचने पर सहमति जताई है। इस सौदे की अनुमानित लागत 30 करोड़ 10लाख अमेरिकी डॉलर है। अमेरिका की डिफेंस सिक्योरिटी कोऑपरेशन एजेंसी (डीएससीए) ने एक बयान में कहा, स्टेट डिपार्टमेंट ने इटली सरकार को विस्तारित रेंज वाली जेएएसएसएस मिसाइलें और संबंधित उपकरण बेचने की संभावित विदेश सैन्य बिक्री को मंजूरी दे दी है। इस बारे में कांग्रेस को आवश्यक सूचना भेज दी गई है। इटली सरकार ने अमेरिका से विस्तारित रेंज की 100 जेएएसएसएम मिसाइलें खरीदने का अनुरोध किया है, जिनकी लागत 30 करोड़ 10 लाख डॉलर है।

अमेरिका: घर में आग लगने से झुलसी भारतीय छात्रा की मौत

न्यूयॉर्क, एजेंसी

अमेरिका के न्यूयॉर्क में एक घर में आग लगने से गंभीर रूप से झुलसी 24 वर्षीय एक भारतीय छात्रा की मौत हो गई। भारतीय मिशन की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक सहजा रेड्डी उदुमाला न्यूयॉर्क के अल्बानी में मास्टर डिग्री की पढ़ाई कर रही थीं।

न्यूयॉर्क स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने शुक्रवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में बताया कि उन्हें उदुमाला के असामयिक निधन पर गहरा दुख है, जिन्होंने अल्बानी के एक घर में आग लगने की घटना में अपनी जान गंवा दी। वाणिज्य दूतावास ने कहा, इस कठिन समय में हम उनके परिवार के प्रति अपनी

• न्यूयॉर्क के अल्बानी में मास्टर डिग्री की पढ़ाई कर रही थीं सहजा रेड्डी

संवेदना व्यक्त करते हैं। दूतावास ने यह भी कहा कि वह उदुमाला के परिवार के संपर्क में हैं और हर संभव सहायता प्रदान कर रहे हैं। अल्बानी पुलिस विभाग ने एक बयान में बताया कि पुलिसकर्मियों और अल्बानी अग्निशमन विभाग ने चार दिसंबर की सुबह घर में लगी आग पर तुरंत कार्रवाई की।

विलुप्त होने से फिर बसाए जाने तक

भारत में चीतों का एक लंबा इतिहास रहा है, खासकर मुगल सम्राटों के शासनकाल में। सम्राट अकबर के शासन में नौ से दस हजार चीते थे, जिनका वे शिकार करते थे और पालतू भी बनाते थे। शिकार और प्राकृतिक आवास की कमी की वजह से ही चीतों की संख्या में धीरे-धीरे कमी आनी शुरू हुई। 20वीं शताब्दी तक चीतों की आबादी में भारी गिरावट आई। भारत सरकार ने 1952 में आधिकारिक तौर पर एशियाई चीता को देश में विलुप्त घोषित कर दिया था। इसके 70 साल बाद, भारत सरकार ने 'प्रोजेक्ट चीता' लॉन्च किया जिसके तहत सितंबर 2022 में नामीबिया से आठ और 2023 में दक्षिण अफ्रीका से 12 चीतों को मध्य प्रदेश के कूनो राष्ट्रीय उद्यान में लाया गया। इन चीतों को लंबे समय तक भारतीय जलवायु के साथ सामंजस्य बनाने के लिए संघर्ष करना

भारत में चीतों का कुनबा

भारत में विलुप्त होने के कारण

- मुगल और ब्रिटिश काल के दौरान बड़े पैमाने पर शिकार और उन्हें पालतू बनाने के लिए के कारण संख्या में चीतों की संख्या में भारी कमी आई।
- घास के मैदानों और खुले जंगलों का कृषि और अन्य मानवीय गतिविधियों के लिए उपयोग करने से चीतों के प्राकृतिक आवास नष्ट हो गए।
- प्राकृतिक आवास के नुकसान के कारण चीतों के प्राथमिक शिकार जानवरों की संख्या भी कम हो गई, इससे उनके लिए भोजन की कमी हुई।

विलुप्तीकरण की घोषणा

- 1947 में छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले के महाराजा रामानुज प्रताप सिंह देव द्वारा देश में बचे अंतिम तीन चीतों का शिकार करने की पुष्टि हुई थी।
- काफी समय तक कोई चीता न दिखने पर आधिकारिक तौर पर भारत सरकार की ओर से 1952 में चीतों को देश से विलुप्त घोषित कर दिया गया था।

भारत की पारिस्थितिकी में महत्व

- चीता घासभूमि पारिस्थितिकी तंत्र में शीर्ष शिकारी है और कृषि को नुकसान पहुंचाने वाले हिरण और चौसिंगा का शिकार करता है।
- चीता प्रमुख प्रजाति है जिसके संरक्षण से उसके पूरे आवास घासभूमि व अर्ध शुष्क क्षेत्र और कमजोर प्रजातियों का भी संरक्षण होता है।
- चीतों की मौजूदगी से पारिस्थितिक संतुलन बहाल होता है, जिससे क्षेत्र में जैव विविधता विकसित होने का महत्वपूर्ण लाभ मिलता है।

• नामीबिया में चीतों की सबसे बड़ी आबादी है। अधिकांश चीते अफ्रीका के छह देशों में हैं। कुछ एशियाई चीते ईरान में ही बचे है।

भारत में चीतों का पुनर्वास

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसके लिए पहल की। प्रोजेक्ट चीताके तहत 17 सितंबर 2022 को नामीबिया से लाए गए आठ चीते कूनो राष्ट्रीय उद्यान में बसाए गए। इसके बाद 2023 में दक्षिण अफ्रीका से भी कुछ चीते लाए गए। कूनो राष्ट्रीय उद्यान के बाद गांधी सागर अभयारण्य में भी इन चीतों को बसाया गया। भारत में चीतों की आधिकारिक तौर पर नवीनतम गिनती दिसंबर 2024 में जारी की गई थी, जिसमें बताया गया था कि कूनो राष्ट्रीय उद्यान और गांधी सागर वन्यजीव अभयारण्य में 26 वयस्क चीते और 13 शावक हैं।

अफ्रीकी-एशियाई चीतों में अंतर

- अफ्रीकी चीतों के आहार में विविधता होती है, वे कई तरह के शिकार करते हैं लेकिन एशियाई चीते चिंकारा, काला हिरण जैसे मध्यम शिकार पर ही निर्भर रहते हैं।
- एशियाई चीते तुलनात्मक रूप से छोटे होते हैं, लेकिन उनके शरीर पर फर मोटा और गर्दन अधिक शक्तिशाली होती है। पैर पतले होते हैं जिनकी वजह से तेज दौड़ते हैं।
- डीएनए विश्लेषण से पता चला है कि एशियाई चीते में अलग आनुवंशिक विशिष्टता है जो संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण है। वे जलवायु के प्रति ज्यादा संवेदनशील होते हैं।

भारत-रूस संबंध वैश्विक स्तर पर लंबे समय से सबसे स्थिर : जयशंकर

कहा- पुतिन की यात्रा से अमेरिका के साथ व्यापार समझौते पर नहीं पड़ेगा असर

नई दिल्ली, एजेंसी

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शनिवार को कहा कि भारत-रूस साझेदारी पिछले 70-80 वर्षों में सबसे स्थिर और अहम संबंधों में से एक रही है और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की नई दिल्ली यात्रा का उद्देश्य आर्थिक सहयोग पर विशेष ध्यान केंद्रित करते हुए इन संबंधों को फिर से परिभाषित करना था। जयशंकर ने इस विचार से असहमति जताई कि पुतिन की यात्रा भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर जारी वार्ताओं को जटिल बना सकती है।

जयशंकर ने एक कार्यक्रम में पुतिन की यात्रा से अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता पर असर पड़ने के सवाल पर कहा, हर कोई जानता है कि भारत के दुनिया के सभी प्रमुख देशों के साथ बेहतर संबंध हैं। मुझे लगता है कि किसी भी देश की ऐसी अपेक्षा उचित नहीं है कि उसे यह कहने या दखल देने का हक है कि हमारे दूसरे देशों के साथ रिश्ते कैसे हों। उन्होंने कहा, क्योंकि याद रखिए, दूसरे देश भी वही अपेक्षा कर सकते हैं। मेरा मानना है कि हमने हमेशा स्पष्ट किया है कि हमारे अनेक देशों के साथ संबंध हैं। हमारे पास अपनी पसंद की आजादी है। जयशंकर ने कहा, हम जिसे रणनीतिक स्वायत्तता कहते हैं, उसके बारे में लगातार बात करते रहे हैं और वह जारी भी है। मुझे समझ नहीं आता कि किसी के पास इसके विपरीत अपेक्षा करने का कोई कारण क्यों होना चाहिए।

पुतिन की दो दिवसीय भारत यात्रा पर जयशंकर ने कहा कि भारत जैसे बड़े और उभरते देश के लिए अपनी पसंद की स्वतंत्रता के अनुरूप दुनिया में अधिक से अधिक देशों के साथ बेहतर सहयोग को बनाए रखना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, अगर आप भारत-रूस संबंधों को देखें, तो दुनिया ने पिछले 70-80 सालों में कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। मैंने पहले भी कहा है और मैं इसे फिर से कहूंगा कि भारत और रूस के बीच संबंध दुनिया के सबसे स्थिर और मजबूत संबंधों में से एक रहे हैं। जयशंकर ने कहा, यहां तक कि रूस के चीन, अमेरिका या यूरोप के साथ संबंधों में उतार-चढ़ाव आते रहे हैं। इनमें से कई देशों के साथ हमारे संबंधों में भी उतार-चढ़ाव आए हैं।

नई दिल्ली से प्रस्थान की तैयारी के बीच पुतिन से भेंट करते जयशंकर।

चीन के साथ कई मुद्दे हैं, कुछ सरल कुछ कठिन

चीन के साथ भारत के संबंधों पर जयशंकर ने कहा कि नई दिल्ली ने जो मुख्य बात कही वह यह थी कि सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और सौहार्द अच्छे संबंधों के लिए पूर्व शर्त है और इसे बनाए रखा जा रहा है तथा इसे और मजबूत बनाया जा रहा है। लेकिन ऐसा नहीं है कि संबंधों में यही एकमात्र मुद्दा था। कई अन्य मुद्दे भी थे, जिनमें से कुछ गलवान से पहले के थे। इसलिए व्यापार के मुद्दे हैं, निवेश के मुद्दे हैं, प्रतिस्पर्धा के मुद्दे हैं, सब्सिडी के मुद्दे हैं, निष्पक्षता के मुद्दे हैं, पारदर्शिता के मुद्दे हैं। उन्होंने कहा, ये भी वास्तविक मुद्दे हैं। हम इनमें से कुछ को सुलझाने का प्रयास कर रहे हैं। इनमें से कुछ सरल हैं, कुछ कठिन।

व्यापार वाशिंगटन की सोच का केंद्र बिंदु, हम सामना करने को तैयार

विदेश मंत्री ने स्वीकार किया कि ट्रंप प्रशासन का ध्यान व्यापार पर रहा है। कहा, इस दिशा में भारत का दृष्टिकोण पूरी तरह राष्ट्रीय हितों से प्रेरित है। उन्होंने कहा, इस समय व्यापार सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा है। यह स्पष्ट रूप से वाशिंगटन की सोच का केन्द्र बिन्दु है, यह पहले की सरकारों की तुलना में कहीं अधिक महत्वपूर्ण है, जिसे हमने पहचाना है और हम उचित शर्तों पर इसका सामना करने के लिए तैयार हैं। मेरा मतलब है, आपमें से जो लोग सोचते हैं कि कूटनीति का मतलब किसी और को खुश करना है तो माफ कीजिए, मेरी कूटनीति की यह धारणा नहीं है। मेरे लिए कूटनीति का मतलब हमारे राष्ट्रीय हितों की रक्षा करना है।

• पाकिस्तानी सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में जयशंकर ने कहा कि भारत की ज्यादातर समस्याएं उस देश की सेना से उत्पन्न होती हैं और उन्होंने आतंकवादी समूहों को उसके समर्थन का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि जैसे अच्छे आतंकवादी और बुरे आतंकवादी होते हैं, वैसे ही अच्छे सैन्य नेता भी होते हैं और कुछ इतने अच्छे नहीं भी होते।

डीआरडीओ ने सशस्त्र बलों को सात नव विकसित प्रौद्योगिकियां सौंपीं

नई दिल्ली, एजेंसी

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने लंबे समय तक पानी में सेंसरिंग एवं निगरानी के लिए उपयोगी 'लॉन्ग लाइफ सीवाटर बैटरी सिस्टम' और तेज इंटरसेप्टर नौकाओं के लिए वॉटरजेट प्रणोदन प्रणाली समेत सात प्रौद्योगिकियां सशस्त्र बलों को सौंपी हैं। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक ये प्रौद्योगिकियां प्रौद्योगिकी विकास निधि (टीडीएफ) योजना के तहत विकसित की गई हैं।

रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा, डीआरडीओ ने टीडीएफ योजना के तहत विकसित सात प्रौद्योगिकियां सेना के तीनों अंगों को सौंप दी हैं। इन प्रौद्योगिकियों में हवाई आत्म सुरक्षा जैमर्स के लिए स्वदेशी उच्च-वोल्टेज विद्युत आपूर्ति, नौसेना जेटी के लिए ज्वार-कुशल गैंगवे, उन्नत अति निम्न आवृत्ति-उच्च आवृत्ति 'स्विचिंग मैट्रिक्स' प्रणालियां, पानी के नीचे प्लेटफार्म के लिए 'वीएलएफ लूप एरियल', तीव्र अवरोधक के लिए स्वदेशी वॉटरजेट प्रणोदन प्रणाली, प्रयुक्त लिथियम-आयन बैटरियों से 'लिथियम प्रीकर्सर' की पुनर्प्राप्ति की नई प्रक्रिया और पानी के भीतर दीर्घकालीन संवेदन एवं निगरानी अनुप्रयोगों के लिए दीर्घ समय तक काम करने में सक्षम समुद्री जल बैटरी प्रणाली शामिल हैं।

• प्रौद्योगिकी विकास निधि योजना के तहत की गई हैं विकसित, सेना के तीनों अंग करेंगे इस्तेमाल

मंत्रालय ने कहा कि इन सभी प्रौद्योगिकियों/उत्पादों को भारतीय रक्षा उद्योग द्वारा डीआरडीओ के विशेषज्ञों एवं तीनों सेनाओं के निकट सहयोग एवं मार्गदर्शन के साथ डिजाइन, विकसित और व्यापक परीक्षणों के माध्यम से तैयार किया गया है। मंत्रालय के अनुसार यह सफलता आयात प्रतिस्थापन एवं महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों के स्वदेशी विकास पर टीडीएफ योजना के ध्यान केंद्रित किए जाने को दर्शाती है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव और डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ. समीर वी. कामत की अध्यक्षता में दो दिसंबर, 2025 को नई दिल्ली स्थित डीआरडीओ भवन में डीआरडीओ की उच्चाधिकार प्राप्त समिति की बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में सशस्त्र बलों, रक्षा उत्पादन विभाग और डीआरडीओ के वरिष्ठ प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया। इस दौरान इन प्रौद्योगिकियों को सशस्त्र बलों को औपचारिक रूप से सौंपा गया।

पाकिस्तान: 10 लाख डॉलर से ज्यादा की नशीली गोलियां जब्त

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के दक्षिणी सिंध प्रांत में एक तस्कर-विरोधी अभियान में प्रशासन ने लगभग 29.98 करोड़ पाकिस्तानी रुपये (लगभग 10 लाख अमेरिकी डॉलर) की नशीली गोलियों की एक बड़ी खेप बरामद की है। हवाई अड्डे पर बरामद नशे की इस खेप को जर्मनी से लाया गया था और स्पीकर और एलईडी लैंप के अंदर छिपाया गया था।

इजराइल से नए साल के शुरू में भारत को मिलेगी एलएमजी की पहली खेप

यरूशलम, एजेंसी

इजराइल की एक प्रमुख रक्षा कंपनी ने बताया कि उसकी योजना अगले साल की शुरुआत में भारत को 40,000 लाइट मशीन गन (एलएमजी) की पहली खेप की आपूर्ति करने की है जबकि लगभग 1,70,000 नए जमाने की कार्बाइन की आपूर्ति के लिए अनुबंध पर हस्ताक्षर से जुड़ी प्रक्रिया अंतिम चरण में है।

'इजराइल वेपन इंडस्ट्रीज' (आईडब्ल्यूआई) के सीईओ शुकी श्वाट्र्ज ने यह भी बताया कि उनकी कंपनी वर्तमान में भारत के गृह मंत्रालय की विभिन्न एजेंसियों के साथ मिलकर पिस्टल, राइफल और मशीन गन सहित उनके उत्पादों का विपणन कर रही है। श्वाट्र्ज ने कहा, हम अभी तीन महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में शामिल हैं। पहला, 40,000 लाइट मशीन गन का अनुबंध, जिस पर पिछले साल हस्ताक्षर किए गए थे। हमने सभी परीक्षण और सरकारी जांच पूरी कर ली है तथा हमें उत्पादन का लाइसेंस मिल गया है। हमारा इरादा साल की शुरुआत में पहली खेप की आपूर्ति करने का है। उन्होंने कहा, एलएमजी की आपूर्ति पांच साल के लिए है। हम इसे और भी जल्दी दे सकते हैं लेकिन पहली आपूर्ति साल की शुरुआत में होगी। श्वाट्र्ज ने बताया कि दूसरे कार्यक्रम में सीक्यूबी (क्लोज क्वार्टर्स बैटल) कार्बाइन निविदा शामिल है।

• नए जमाने की कार्बाइन की आपूर्ति के लिए अनुबंध भी अंतिम चरण में

उन्होंने बताया, हमारा इरादा अनुबंध का 40 प्रतिशत आपूर्ति करने का है। हम अनुबंध पर हस्ताक्षर करने की प्रक्रिया में हैं और मेरा मानना है कि इस साल के अंत या अगले साल की शुरुआत तक इसे अंतिम रूप दे दिया जाएगा। 'सीक्यूबी कार्बाइन' की आपूर्ति का 60 प्रतिशत 'भारत फोर्ज' करेगा जबकि शेष 40 प्रतिशत (170,000 इकाइयां) अदाणी समूह की सहायक कंपनी पीएलआर सिस्टम्स द्वारा वितरित की जाएंगी।

सशस्त्र सेना दिवस मना रहे यूक्रेन पर रूस का बड़ा हमला

कीव, एजेंसी

रूस ने शुक्रवार को पूरी रात अपना सशस्त्र सेना दिवस मना रहे यूक्रेन पर बड़े पैमाने पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए। इससे पहले, अमेरिका और यूक्रेन के अधिकारियों ने कहा था कि वे चार साल से जारी युद्ध को समाप्त करने के वास्ते तीसरे दिन की वार्ता के लिए शनिवार को मिलेंगे।

बातचीत में युद्ध के बाद यूक्रेन के लिए एक सुरक्षा तंत्र तैयार करने की दिशा में हुई प्रगति के उपरांत दोनों पक्षों ने यह भी स्पष्ट किया कि किसी भी समझौते की दिशा में आगे बढ़ना इस पर निर्भर करेगा कि रूस कितनी गंभीरता दिखाता है। अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और यूक्रेन के वार्ताकार रुस्टेम उमेरोव तथा आंद्रिय ह्नातोव की ओर से यह बयान शुक्रवार को फ्लोरिडा में हुई दूसरे दिन की बैठक के बाद आया। उन्होंने अब तक हुई प्रगति के बारे में मोटे तौर पर कुछ ही बातें बताईं। ट्रंप चाहते हैं कि कीव और मॉस्को युद्ध समाप्त करने के लिए अमेरिका की ओर से तैयार मध्यस्थता प्रस्ताव पर सहमत हों।

• अमेरिका और यूक्रेन में वार्ता होने से पहले बरसाए ड्रोन, मिसाइलें

पाकिस्तान व अफगान बलों के बीच चमन सीमा पर गोलीबारी

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी और अफगान बलों के बीच चमन सीमा पर भारी गोलीबारी हुई है। जिला अस्पताल में घायलों को लाया गया है लेकिन इस गोलीबारी में कोई मारा नहीं गया है।

दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर देर रात बलूचिस्तान प्रांत से लगी सीमा पर गोलीबारी का आरोप लगाया। पाकिस्तानी अधिकारियों ने कहा कि अफगान बलों ने बदानी इलाके में मोर्टार दागे थे, अफगान तालिबान के प्रवक्ता जबीहुल्ला मुजाहिद ने आरोप लगाया कि स्पिन बोल्दक पर हमला पाकिस्तान ने किया था।

भारत-अमेरिका ने लश्कर, जैश के खिलाफ कार्रवाई की मांग की

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत और अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र से पाकिस्तान स्थित आतंकवादी संगठनों लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद, उनके छद्म समूहों और समर्थकों के खिलाफ संपत्ति कुर्क करने और हथियार प्रतिबंध जैसे अतिरिक्त दंडात्मक उपायों की मांग की है। दोनों पक्षों ने आईएसआईएस और अलकायदा से जुड़े संगठनों पर और अधिक प्रतिबंध घोषित करने की भी मांग की।

इन समूहों को संयुक्त राष्ट्र द्वारा आतंकवादी घोषित किया गया था और वे पहले से ही वैश्विक निकाय की प्रतिबंध व्यवस्था के तहत विभिन्न दंडात्मक कार्रवाइयों का सामना कर रहे हैं। भारत और अमेरिका ने अपने आतंकवाद-रोधी संयुक्त कार्य समूह (जेडब्ल्यूजी) की बैठक के साथ-साथ तीन दिसंबर को नई दिल्ली में आयोजित 'डेजिगनेशंस डायलॉग' के दौरान आतंकवाद से निपटने के लिए सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। वार्ता में, भारतीय पक्ष ने लश्कर से जुड़े 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' (टीआरएफ) को एक विदेशी आतंकवादी संगठन और विशेष रूप से नामित वैश्विक आतंकवादी की सूची में डालने के लिए अमेरिकी विदेश विभाग को धन्यवाद दिया।

• कहा- संपत्ति कुर्की और हथियार प्रतिबंध जैसे अतिरिक्त दंड लगें

टीआरएफ ने पहलगाम हमले की जिम्मेदारी ली थी। शनिवार को जारी संयुक्त वक्तव्य के अनुसार, दोनों पक्षों ने इस बात पर जोर दिया कि आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए सतत और व्यापक तरीके से ठोस कार्रवाई की आवश्यकता है।

आज की ग्रह स्थिति : 7 दिसंबर, रविवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- पौष, पक्ष-कृष्ण पक्ष, तृतीया 06 .24 तक तत्पश्चात चतुर्थी।

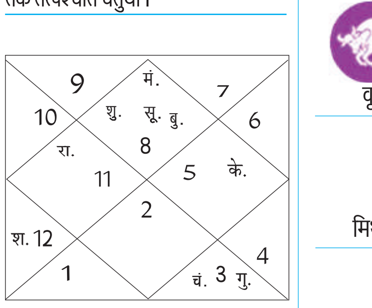

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल- मेष, मिथुन, सिंह, कन्या, धनु, मकर।
ताराबल-भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- पुनर्वसु 08 दिसंबर 04 .11 तक तत्पश्चात पुष्य।

मेष — आज राजनीतिक लोगों को काफी अच्छे अवसर मिलेंगे। जीवनसाथी के साथ महत्वपूर्ण चर्चाओं का आनंद लेंगे। घर का वातावरण अनुशासित और मर्यादित रहेगा। व्यवसाय में आपको बड़ी उपलब्धियां मिलने के योग बन रहे हैं।

वृष — आज तकनीकी शिक्षा ले रहे लोगों को पढ़ाई में परेशानी होगी। मनोरंजक यात्राओं का आनंद लेंगे। क्रोध व उतेजना पर नियंत्रण रखें। बच्चों की पढ़ाई पर ध्यान दें। अपनी कमियों पर ध्यान देने की आवश्यकता है। किसी से अधिक अपेक्षा रखना उचित नहीं है।

मिथुन — आज अपने काम पर विश्वास बनाए रखें। विदेशी कंपनियों से जॉब के नए विकल्प मिल सकते हैं। कला और खेलकूद में आप अत्यधिक रुचि ले सकते हैं। जो भी काम करें उसे पूरे मनोयोग से करें। नौकरीपेशा लोगों के लिए दिन बहुत अच्छा है।

कर्क — आज पुराने रोग उभर के सामने आ सकते हैं। खांसी-जुकाम की समस्या होने की संभावना है। बदलते मौसम और ठंड से आपको बचना चाहिए। माता के साथ अपने संबंध अच्छे रखें। आपको आज काफी थकाऊ यात्राएं करनी पड़ सकती हैं।

सिंह — आज परिजनों पर धन खर्च करेंगे। गैरकानूनी कार्यों में रुचि ले सकते हैं। आप लोगों की सहायता करने को लेकर अत्यधिक प्रसिद्ध हो सकते हैं। आपकी दबी हुई इच्छाएं पूर्ण हो सकती हैं। सभी कार्य तीव्र गति से पूर्ण होंगे।

कन्या — आज कारोबार में योजनाएं बदलनी पड़ सकती हैं। समाजसेवा में आप अत्यधिक रुचि लेंगे। स्थाई संपत्ति में वृद्धि होगी। किसी उत्सव के लिए जा सकते हैं। वैवाहिक संबंधों में थोड़ी अनबन के बाद सब कुछ सामान्य हो जायेगा।

तुला — आज कार्यक्षेत्र में आपके काम की प्रशंसा नहीं होगी। मेहनत करने के बाद ही इच्छित परिणाम मिलने में कठिनाई होगी। उधार में किसी को धन न दें। जीवनसाथी के साथ कलह हो सकती है। यात्रा में काफी परेशानियां होंगी।

वृश्चिक — आज व्यर्थ के खर्चों में बढ़ोत्तरी होगी। आर्थिक मामलों को लेकर थोड़े लापरवाह हो सकते हैं। समय रहते समस्याओं को सुलझाना अत्यन्त आवश्यक है। मित्रों के साथ अनबन हो सकती है। शुगर के रोगियों को स्वास्थ्य समस्या होने की आशंका है।

धनु — आज सरकारी नौकरी कर रहे लोगों को अधिकारियों की मदद मिलेगी। दिल की बजाय दिमाग से काम लें। जीवनसाथी की सलाह आपके आत्मबल को बढ़ायेगी। नए लोगों के साथ संपर्क विकसित होंगे। धन के मामलों में बड़ी सफलता मिलने के योग बन रहे हैं।

मकर — आज पैतृक व्यवसाय में आपको कुछ सुधार करने की आश्यकता है। किसी बड़ी समस्या से छुटकारा मिल सकता है। नए लोगों के साथ आपके संपर्क बनेंगे। घर में धर्म-कर्म का वातावरण रहेगा। बिना विचार करे कोई काम न करें। में अत्यधिक परिश्रम करेंगे।

कुंभ — आज बुरे लोगों की संगत से बचें। अनावश्यक बातों को महत्व न दें। कमीशन संबंधी कार्यों में धन हानि हो सकती है। शंकालु स्वभाव के कारण आपको नुकसान हो सकता है। अत्यधिक व्यस्तता के कारण थोड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ेगा।

मीन — आज जीवनसाथी से आपकी अपेक्षाएं बढ़ सकती हैं, जो कई बार अव्यवहारिक हो सकती हैं। नए कार्यों की शुरुआत करना उचित नहीं है। अपनी महत्वाकांक्षाओं को अनजान लोगों से व्यक्त न करें। अपनी वाणी पर नियंत्रण रखें। वाहन चलाते समय सावधानी रखनी चाहिए।

सुडोकू-183

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

1			3					
7								
			2	6				
8								
				9				
						8		
	1							9

सुडोकू - 182 का हल

5	1	6	8	2	7	4	3	9
4	2	8	5	9	3	1	6	7
7	3	9	1	6	4	5	8	2
8	4	5	9	7	2	6	1	3
1	7	3	6	5	8	9	2	4
6	9	2	3	4	1	7	5	8
2	5	4	7	8	6	3	9	1
3	6	7	2	1	9	8	4	5
9	8	1	4	3	5	2	7	6

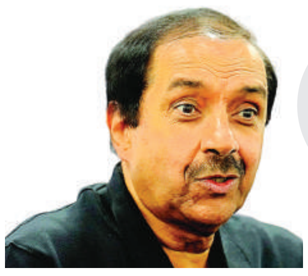

> सीनियर हॉकी विश्व कप के लिए कई पहलुओं पर विचार करना होगा। हम अभी टीमों की संख्या बढ़ाने के लिए तैयार नहीं हैं, क्योंकि शीर्ष देश वैसे भी प्रो लीग में खेल रहे हैं।
>
> **-तैयब इकराम,**
> **अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ के अध्यक्ष**

स्टेडियम

बरेली, रविवार, 7 दिसंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

कोई दबाव महसूस नहीं कर रहा हूं : कोहली

नई दिल्ली : भारत के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने शनिवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 45 गेंद में नाबाद 65 रन की पारी खेलने के बाद कहा कि वह बिना किसी दबाव के खेल रहे हैं। कोहली तीन मैचों की इस सीरीज में 302 रन के साथ सर्वोच्च स्कोरर रहे। पहले दो वनडे में शतक जड़ने के बाद तीसरे मैच में भी अपनी बल्लेबाजी से प्रभावित करने के बाद उन्हें सीरीज का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। कोहली ने मैच के बाद पुरस्कार समारोह में कहा ईमानदारी से कहूं तो इस सीरीज में मैं जिस तरह से खेला, वह मेरे लिए सबसे संतोषजनक बात है। मैं वास्तव में किसी तरह का दबाव महसूस नहीं कर रहा हूं। मैंने पिछले दो-तीन साल से इस तरह नहीं खेला है।

मंधाना सोशल मीडिया मंच पर फिर सक्रिय

नई दिल्ली : भारतीय महिला टीम की उप-कप्तान स्मृति मंधाना अपनी शादी टलने के लगभग दो हफ्ते बाद करियर और क्रिकेट सफर पर फोकस करते हुए सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम फिर से सक्रिय हो गई हैं। सिंगर-कंपोजर पलाश मुच्छल के साथ उनकी शादी 23 नवंबर को होने वाली थी। उनके पिता की अचानक तबीयत खराब होने के कारण इसे टाल दिया गया है। मंधाना ने इंस्टाग्राम पर एक पेड पार्टनरशिप वीडियो साझा किया, जिसमें उन्होंने अपने क्रिकेट सफर और करियर के बारे में बात की।

भारत ने दक्षिण अफ्रीका से हिसाब किया बराबर

वनडे सीरीज 2-1 से जीती, कुलदीप, कृष्णा और शतकवीर यशस्वी चमके

यशस्वी जायसवाल।

विशाखापत्तनम, एजेंसी

कुलदीप यादव और प्रसिद्ध कृष्णा की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद यशस्वी जायसवाल (नाबाद 116) की शतकीय पारी के बूते भारतीय टीम ने तीसरे और निर्णायक वनडे में शनिवार को यहां दक्षिण अफ्रीका को 61 गेंद शेष रहते नौ विकेट से हराकर श्रृंखला 2-1 से जीत ली। कुलदीप (10 ओवर में 41 रन) और कृष्णा (9.5 ओवर में 66 रन) ने चार-चार विकेट लिए जिससे क्विंटन डिकॉक (106) की शतकीय पारी के बावजूद दक्षिण अफ्रीका की टीम 47.5 ओवर में 270 रन पर आउट हो गई। भारत ने 39.5 ओवर में एक विकेट पर लक्ष्य हासिल कर लिया। इस तरह उसने टेस्ट श्रृंखला में मिली 0-2 की हार की निराशा को कुछ हद तक कम किया। दोनों टीमें अब नौ दिसंबर से शुरू होने वाली पांच मैचों की टी20 अंतर्राष्ट्रीय श्रृंखला में भिड़ेंगी।

जायसवाल ने अपनी नाबाद शतकीय पारी के दौरान 121 गेंदों में 12 चौके और दो छक्के लगाने के अलावा रोहित शर्मा (75) के साथ पहले विकेट के लिए 155 और विराट कोहली (नाबाद 65) के साथ दूसरे विकेट के लिए 116 रन की अटूट साझेदारी कर टीम की जीत पक्की की। रोहित ने 73 गेंद की पारी में सात चौके और तीन छक्के जड़े जिसमें लुंगी एनगिडी के खिलाफ पुल शॉट पर लगाया छक्का दिलकश था। कोहली ने भी शानदार लय जारी रखते हुए नाबाद पारी में छह चौके और तीन छक्के जड़ें। द. अफ्रीका के लिए केशव महाराज विकेट लिया।

दक्षिण अफ्रीका

270/10 (47.5 ओवर)

क्विंटन डिकॉक बो कृष्णा	106
रिकलटन का राहुल बो अर्शदीप	00
तेम्बा बावुमा का कोहली बो जडेजा	48
मैथ्यू ब्रीट्जके पगबाधा कृष्णा	24
मार्कर का कोहली बो कृष्णा	01
ब्रेविस का रोहित बो कुलदीप	29
यानसेन का जडेजा बो कुलदीप	17
कोर्बिन बोश का एवं बो कुलदीप	09
केशव महाराज नाबाद	20
लुंगी एनगिडी पगबाधा कुलदीप	01
ओर्टनील बार्टमैन बो कृष्णा	03

गेंदबाजी : अर्शदीप 8-1-36-1, हर्षित 8-2-44-0, कृष्णा 9.5-0-66-4, जडेजा 9-0-50-1, कुलदीप 10-1-41-4, तिलक 3-0-29-0

भारत

271/1 (39.5 ओवर)

यशस्वी जायसवाल नाबाद	116
रोहित का ब्रीट्जके बो महाराज	75
विराट कोहली नाबाद	65

गेंदबाजी : यानसन 8-1-39-0, एनगिडी 6.5-0-56-0, महाराज 10-0-44-1, बार्टमैन 7-0-60-0, बोश 6-0-53-0, मारक्रम 2-0-17-0

रोहित शर्मा के 20,000 रन पूरे

रोहित ने 14 ओवर में महाराज के खिलाफ एक रन चुरा 27 रन के स्कोर पर पहुंचते ही अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट (तीनों प्रारूपों को मिला) में 20,000 रन पूरे किए। वह महान सचिन तेंदुलकर (34357), विराट कोहली (27910) और राहुल द्रविड़ (24208) के बाद ऐसा करने वाले केवल चौथे भारतीय बल्लेबाज है।

भारत के कप्तान केएल राहुल ट्रॉफी के साथ। एजेंसी

गीले मैदान पर गेंदबाजों को ब्रेक देना अच्छा रहा : राहुल

भारतीय टीम के कार्यवाहक कप्तान केएल राहुल ने कहा कि गीले मैदान पर गेंदबाजों को ब्रेक देना अच्छा रहा। दक्षिण अफ्रीका को नौ विकेट से शिकस्त देने के बाद केएल राहुल ने कहा मुझे नहीं लगता कि टॉस जीतने के बाद टीम जितने गर्व से मेरी ओर देख रही थी वैसा कुछ और करने पर देखती। पहले दो मैचों में हमने कठिन परिस्थितियों का सामना किया था। गीले मैदान पर गेंदबाजों को ब्रेक देना अच्छा रहा। पिच अच्छी थी और हमने गुच्छों में विकेट हासिल किया। हमें पता था कि जो टीम आक्रामक क्रिकेट खेल रही है वह 400 भी चेज कर सकती है और लगातार विकेट गंवाकर जल्दी आउट भी हो सकती है। प्रसिद्ध ने जो 2-3 विकेट लिए वो अहम थे फिर कुलदीप ने भी विकेट निकाले। इसी तरह वनडे में आप टीमों पर दबाव बनाते हैं। डी कॉक की बल्लेबाजी शानदार रही। सबसे सुखद चीज वो रही जैसा हमने दबाव को झेला।

कुलदीप यादव।

स्टार्क का बल्ले व गेंद से शानदार प्रदर्शन

ब्रिस्बेन, एजेंसी

ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने शनिवार को बल्ले से बेहतरीन प्रदर्शन के बाद गेंद से भी कमाल दिखाया जिससे इंग्लैंड की टीम दूसरे एशेज क्रिकेट टेस्ट के तीसरे दिन स्टंप तक दूसरी पारी में छह विकेट पर 134 रन बनाकर जूझ रही थी।

पैंतीस साल के स्टार्क ने इस दिन रात्रि मैच में 141 गेंद में 77 रन बनाए जो 2016 के बाद टेस्ट में उनका सबसे बड़ा स्कोर है। उनकी इस पारी से ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 511 रन बनाकर 177 रन की बढ़त हासिल की।

स्टंप तक इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स और ऑलराउंडर विल जैक्स दोनों चार रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थे। इंग्लैंड को ऑस्ट्रेलिया को फिर से बल्लेबाजी कराने के लिए 43 रन और बनाने होंगे। स्टार्क को पर्थ में सीरीज के पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया की आठ विकेट से शानदार जीत में 10 विकेट लेने के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया था। अब वह एक और पुरस्कार की दौड़ में हैं।स्टार्क ने जो रूट (15 रन) को आउट कर इंग्लैंड का अहम विकेट झटका। इसके बाद उन्होंने अपने अगले ओवर में जेमी स्मिथ को आउट करके इंग्लैंड का स्कोर छह विकेट पर 128 रन कर दिया जिससे सीरीज में उनके विकेट की संख्या 18 पहुंच गई। स्कॉट बोलैंड और माइकल नेसर ने दो दो विकेट झटके। बोलैंड ने बेन डकेट (15 रन) और हैरी ब्रूक (15) तथा नेसर ने ओली पोप (26) और जैक क्रॉली (44) के विकेट लिए। ऑस्ट्रेलियाई टीम रविवार को जल्दी से चार विकेट झटककर पांच मैच की सीरीज में 2-0 की बढ़त हासिल करना चाहेगी।

ब्रिस्बेन टेस्ट

- ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 511 रन बनाए
- दूसरी पारी में इंग्लैंड छह विकेट गवां कर संघर्षरत

गिल को पहले टी-20 में खेलने के लिए हरी झंडी

कटक : भारत की टी-20 टीम के उपकप्तान शुभमन गिल को बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) की खेल विज्ञान टीम ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैच में खेलने की मंजूरी दे दी है।

गिल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कोलकाता में खेले गए पहले टेस्ट मैच के दौरान चोटिल हो गए थे। तब उनकी गर्दन में अकड़न आ गई थी लेकिन अब उन्होंने सफलतापूर्वक रिहैबिलिटेशन पूरा कर लिया है।

जर्मनी के खिलाफ गलतियों से बचना होगा भारत को

चेन्नई, एजेंसी

बेल्जियम को शूटआउट में हराकर जूनियर हॉकी विश्व कप सेमीफाइनल में पहुंची भारतीय टीम को मौजूदा और सात बार की चैंपियन जर्मनी के खिलाफ रविवार को होने वाले मुकाबले में पिछली गलतियों से सबक लेकर उतरना होगा।

मेयर राधाकृष्णन स्टेडियम पर शुक्रवार को खेले गए क्वार्टर फाइनल में 45 मिनट तक एक गोल से पिछड़ने के बाद भारत ने तीन मिनट में दो गोल करके बढत बना ली थी लेकिन 59वें मिनट में बेल्जियम ने गोल करके मैच को शूटआउट में खींच दिया जिसमे गोलकीपर प्रिंस दीप सिंह के उम्दा प्रदर्शन से मेजबान टीम ने 4-3 से जीत दर्ज की। पिछली उपविजेता फ्रांस को शूटआउट में हराकर अंतिम चार में पहुंची जर्मनी के खिलाफ इस तरह की कोई भी चूक भारी पड़ सकती है और मुख्य कोच पी आर श्रीजेश ने भी स्वीकार किया कि प्रदर्शन में सुधार करना होगा।

श्रीजेश ने मैच के बाद कहा नॉकआउट मैचों में इस तरह की गलतियां नहीं कर सकते। सबसे पहले तो गोल करने के मौके बर्बाद करने से बचना होगा और आखिरी क्षणों में गोल गंवाने की गलती से पार पाना होगा। हम खिताब से दो जीत दूर हैं और खिलाड़ियों को बखूबी पता है कि यह खिताब जीतना उनके लिए कितना जरूरी है। पिछली बार 2023 में कुआलालम्पुर में हुए जूनियर विश्व कप में जर्मनी के खिलाफ ही सेमीफाइनल में भारत को 1-4 से पराजय झेलनी पड़ी थी जब वह दर्जन भर पेनल्टी कॉर्नर में से एक पर भी गोल नहीं हो सका था। दूसरी ओर जर्मनी ने दोनों पेनल्टी कॉर्नर तब्दील किये थे। कांस्य पदक के मुकाबले में स्पेन से 1-3 से हारकर भारत चौथे स्थान पर रहा था।

इस बार राउंड रॉबिन चरण में चिली, ओमान और स्विटजरलैंड के खिलाफ भारत ने एक भी गोल नहीं गंवाते हुए सबसे ज्यादा 29 गोल दागे थे । क्वार्टर फाइनल से पहले तक गोलकीपर और डिफेंस को कोई चुनौती नहीं मिली थी और बेल्जियम के खिलाफ 13वें मिनट में भारतीय टीम ने इस टूर्नामेंट का पहला गोल गंवाया।

अभी काम पूरा नहीं हुआ है : कोच श्रीजेश

चेन्नई : खिताब से दो जीत दूर भारतीय टीम को जर्मनी के खिलाफ जूनियर हॉकी विश्व कप सेमीफाइनल से पहले मुख्य कोच पी आर श्रीजेश से एक ही सलाह मिली है कि अभी काम पूरा नहीं हुआ है और अपने पैर जमीन पर रखने हैं। भारत ने आखिरी मिनट में गोल गंवाने के बाद शूटआउट तक खिंचे क्वार्टर फाइनल में बेल्जियम को 4-3 से हराया लेकिन दो बार के ओलंपिक पदक विजेता रहे कोच श्रीजेश का कहना है कि सात बार की चैम्पियन जर्मनी के खिलाफ इस तरह की गलतियों की कोई गुंजाइश नहीं रहेगी। उन्होंने भाषा से कहा बेल्जियम के खिलाफ पहले 45 मिनट एक गोल से पीछे रहना और फर आखिरी एक मिनट में उन्हें बराबरी का गोल करने का मौका देना, यह मुझे अच्छा नहीं लग रहा था। आखिरी मिनट में गोल गंवाना, शूटआउट इससे बचना चाहिए।

- सात बार के चैंपियन के खिलाफ मुकाबला आज

FIH HOCKEY MEN'S JUNIOR WORLD CUP TAMIL NADU 2025

फुटबॉल विश्व कप

11 जून से शुरू होगा महामुकाबला, 48 देशों की टीमें लेंगी भाग, स्टार स्ट्राइकर लियोनेल मेसी पर रहेंगी निगाहें

अल्जीरिया के खिलाफ अभियान शुरू करेगा मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना

वॉशिंगटन, एजेंसी

मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना 2026 में अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में होने वाले फुटबॉल विश्व कप में अपने खिताब बचाने के अभियान की शुरुआत अल्जीरिया के खिलाफ करेगा। जिसमें सभी की निगाहें स्टार स्ट्राइकर लियोनेल मेसी पर टिकी रहेंगी, जो रिकॉर्ड छठी बार इस टूर्नामेंट में खेलेंगे।

लगभग डेढ़ लाख की आबादी वाला कुराकाओ जनसंख्या के लिहाज से विश्व कप में जगह बनाने वाला सबसे छोटा देश बन गया है। उसका पहला मुकाबला चार बार के चैंपियन जर्मनी से होगा।

विश्व कप ड्रॉ के लिए आयोजित समारोह बेहद भव्य था। कैनेडी सेंटर फॉर द परफॉर्मिंग आर्ट्स में आयोजित समारोह में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को फुटबॉल की नियामक संस्था फीफा ने एक नया शांति पुरस्कार भी प्रदान किया। ट्रंप, मैक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम और कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने अपने-अपने देशों के नाम लिखे प्लास्टिक के गोले उठाए। ट्रंप की तुलना में शीनबाम ने ज्यादा तालियां बटोरीं। फीफा का यह कार्यक्रम एक फुटबॉल मैच के समय के बराबर 90 मिनट तक चला जिसमें संगीत और खेल व मनोरंजन जगत के सितारे शामिल थे। असली ड्रॉ लगभग डेढ़ घंटे बाद शुरू हुआ। टॉम ब्रैडी, शैक्विल ओ नील, आरोन जज और वेन ग्रेट्ज़की जैसी हस्तियों ने इसमें हिस्सा लिया। न्यूजीलैंड का नंबर सबसे बाद में आया। तीन बार की चैंपियन अर्जेंटीना का पहला मैच 16 जून को मिसौरी के कैनसस सिटी या कैलिफ़ोर्निया के सांता क्लारा में होगा। इसके बाद ग्रुप जे में उसका सामना ऑस्ट्रिया और जॉर्डन से होगा। टूर्नामेंट के दौरान 39 वर्ष के हो जाने वाले मेस्सी ने अभी तक इस टूर्नामेंट में खेलने की प्रतिबद्धता नहीं जताई है, लेकिन यदि वह रिकॉर्ड छठे विश्व कप में खेलने से इन्कार कर देते हैं तो यह चौंकाने वाली बात होगी।

मेजबान अमेरिका ग्रुप डी में अपना पहला मैच 12 जून को कैलिफोर्निया के इंगलवुड में पैराग्वे के खिलाफ खेलेगा। अमेरिकी टीम छह दिन बाद सिएटल में ऑस्ट्रेलिया से और फिर 25 जून को सोफी स्टेडियम में तुर्की, रोमानिया, स्लोवाकिया या कोसोवो से भिड़ेगी। मैक्सिको 11 जून को मैक्सिको सिटी में ग्रुप ए में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टूर्नामेंट का पहला मैच खेलेगा।

इंग्लैंड ग्रुप एल में क्रोएशिया, घाना और पनामा के साथ खेलेगा। पांच बार के चैंपियन ब्राजील का पहला मुकाबला मोरक्को से होगा। इसके बाद वह ग्रुप सी में हैती और स्कॉटलैंड का सामना करेगा। ब्राजील के कोच कार्लो एंसेलोटी ने कहा यह बहुत मुश्किल ग्रुप है। शीर्ष रैंकिंग वाली स्पेन की टीम ग्रुप एच में केप वर्डे, सऊदी अरब और उरुग्वे से भिड़ेगी, जबकि चार बार की चैंपियन जर्मनी का सामना ग्रुप ई में कुराकाओ, आइवरी कोस्ट और इक्वाडोर से होगा।

दो बार की चैंपियन फ्रांस की टीम 16 जून को ईस्ट रदरफोर्ड, न्यू जर्सी या फॉक्सबोरो, मैसाचुसेट्स में सेनेगल के खिलाफ़ मुकाबला खेलेगी। इसके बाद फ्रांस ग्रुप आई में बोलीविया, इराक या सूरीनाम से भिड़ेगा। पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो भी मेस्सी की तरह रिकॉर्ड छठे विश्व कप में खेलने की उम्मीद कर रहे हैं। अगर पुर्तगाल और अर्जेंटीना अपने ग्रुप में पहले स्थान पर रहते हैं तो रोनाल्डो और मेस्सी एरोहेड स्टेडियम में क्वार्टर फाइनल में एक दूसरे का सामना कर सकते हैं।

ब्राजील ने 1958 और 1962 में लगातार दो बार चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया था। इटली के नाम चार और उरुग्वे के नाम दो ख़िताब हैं। फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने ट्रंप को एक बड़ी सुनहरे रंग की शांति पुरस्कार ट्रॉफी और नीले रिबन से लटका एक सुनहरे रंग का पदक दिया, जिसे ट्रंप ने अपने गले में लटका लिया।

कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी, मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और फीफा के अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो वाशिंगटन के केनेडी सेंटर में 2026 सॉकर वर्ल्ड कप के ड्रॉ के दौरान देशों के नाम दिखाते हुए। एजेंसी

न्यू जर्सी में 19 जुलाई को होगा फाइनल

विश्व कप 2026 के क्वालीफाइंग मुकाबले 27 महीने पहले शुरू हो गए थे। इस टूर्नामेंट में पांच बार के चैंपियन ब्राजील से लेकर पदार्पण करने वाले केप वर्डे, कुराकाओ, जॉर्डन और उज्बेकिस्तान सहित 48 देशों की टीम अपना कौशल दिखाएंगी। अगले साल 11 जून से शुरू होने वाले इस टूर्नामेंट में रिकॉर्ड 104 मैच होंगे। विश्व कप में भाग लेने वाली 48 में से 42 टीमों का निर्धारण हो चुका है, जबकि 22 टीमें बाकी बचे छह स्थानों के लिए प्लेऑफ में खेलेंगी। इन टीमों का निर्धारण अगले साल 31 मार्च तक हो जाएगा। टीमों को 12 ग्रुप में बांटा गया है। प्रत्येक ग्रुप में चार-चार टीम हैं। प्रत्येक ग्रुप से पहले दो स्थान पर रहने वाली टीम और तीसरे स्थान पर रहने वाली शीर्ष आठ टीम राउंड ऑफ 32 में जगह बनाएंगी। क्वार्टर फाइनल से आगे के सभी मैच अमेरिका में होंगे, जिनका समापन 19 जुलाई को ईस्ट रदरफोर्ड, न्यू जर्सी में होने वाले फाइनल में होगा।

अन्य ग्रुपों की स्थिति इस प्रकार है

जी : बेल्जियम, मिस्र, ईरान, न्यूजीलैंड।

बी : कनाडा, स्विट्जरलैंड, कतर और इटली, बोस्निया-हर्जेगोविना, वेल्स या उत्तरी आयरलैंड।

एफ : नीदरलैंड, जापान, ट्यूनीशिया और स्वीडन, यूक्रेन, अल्बानिया और पोलैंड।

सुरुचि ने स्वर्ण व संयम ने रजत पदक जीता

दोहा, एजेंसी

प्रतिभाशाली निशानेबाज सुरुचि सिंह ने एक और शानदार प्रदर्शन हुए महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता जबकि उनकी साथी संयम ने रजत पदक हासिल किया जिससे भारत ने सत्र के आखिर में होने वाले आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल के पहले दिन शानदार शुरुआत की।

दिन में पहले 10 मीटर राइफल निशानेबाजों के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद सुरुचि ने फाइनल में 245.1 का शानदार स्कोर बनाकर स्वर्ण पदक जीतकर भारत के लिए दिन चमका दिया। वहीं पूर्व जूनियर विश्व चैंपियन संयम ने 243.3 के स्कोर के साथ देश के लिए रजत पदक पक्का किया।

दो बार की ओलंपिक कांस्य पदक विजेता मनु भाकर फाइनल में पहुंची लेकिन 179.2 के स्कोर के साथ पांचवें स्थान पर रहीं। इस साल की शुरुआत में लगातार चार विश्व कप स्वर्ण पदक जीतने के बाद सुरुचि सितंबर-अक्टूबर में विश्व रैंकिंग में पहले स्थान पर थीं। वह शानदार फॉर्म में थीं और उन्होंने 586 के कुल स्कोर के साथ 12 निशानेबाजों के एलीट ग्रुप में क्वालिफिकेशन दौर में दूसरा स्थान हासिल किया। भाकर (578) छठे स्थान पर रहीं जबकि 2023 की जूनियर विश्व चैंपियन संयम (573) क्वालिफिकेशन में आठवें स्थान पर रहने के बाद मुश्किल से फाइनल में पहुंच पाईं। हालांकि फाइनल में 21 साल की संयम बिल्कुल अलग रंग में दिखीं। वह फाइनल के बड़े हिस्से में सबसे आगे रहीं लेकिन एलिमिनेशन दौर में चार बार 9.5 का स्कोर से शीर्ष स्थान सुरुचि को गंवा बैठीं।

निशानेबाजी विश्व कप फाइनल

सुरुचि सिंह।